फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 77 संख्या: 39 प्रभात जयपुर, बुधवार 9 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Can Law Beat Time!

If the adults in the room are reaching for a screen the moment there is a lull in conversation, no amount of lecturing about screen time will undo the example being set

Nita Ambani's Red Jamdani Saree

The Woman Who Helped Build the Brooklyn Bridge

# गहलोत, आशा लगाए बैठे थे कि वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा आदि उनका पुनर्वास कराएंगे पार्टी में

## पर उल्टा ही हुआ, प्रियंका गांधी ने वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा की टीम पर ही प्रहार करके तोड़ दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। क्या पंजाब कांग्रेस को नया पीसीसी अध्यक्ष मिलने जा रहा है? क्या सचिन पायलट को पंजाब की जिम्मेदारी इसलिए दी गई है, ताकि राजा वड़िंग के जाने के बाद बदलाव की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके और कांग्रेस के आपस में लड़ रहे सभी गुटों को एक साथ लाया जा सके?

क्या भूपेश बघेल को पंजाब से इसलिए हटाया गया, क्योंकि उन्होंने कई बार राजा वड़िंग की तारीफ और उनका समर्थन किया था, जिससे उनके लिए पीसीसी अध्यक्ष को पद से हटाना मुश्किल हो रहा था?

और अब, जब सचिन पायलट पंजाब के इंचार्ज हैं तो रंधावा का क्या होगा?

रंधावा, डोटासरा के साथ मिलकर काम कर रहे थे और दोनों सचिन पायलट तथा उनके समर्थकों को किनारे करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे थे।

- **दूसरी ओर राहुल गांधी की पंजाब की प्रस्तावित यात्रा ने भी क्षुब्ध नेताओं को चुप रहने के लिए मजबूर कर दिया है।**
- **यह भी चर्चा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चन्नी-रंधावा की बगावत को शह दे रहे हैं।**
- **पर, ये सभी चर्चाएँ व्यर्थ हो गईं, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस के सभी खेमों को अब राहुल गांधी की यात्रा की तैयारी में जुटना पड़ रहा है।**
- **पर, यह भी चर्चा है कि पायलट, कैप्टन अमरिंदर सिंह को बातचीत करके कांग्रेस में शामिल करा लें।**

अब हालात पूरी तरह बदलते दिखाई दे रहे है, क्योंकि पंजाब में पायलट अब रंधावा के बॉस हैं।

राहुल गांधी को समझाया गया है कि वे अपनी प्रतिष्ठा और औपचारिकताओं पर अड़े न रहें, क्योंकि राजा वड़िंग को बचाने से ज्यादा जरूरी पंजाब को जीतना है।

सूत्रों का कहना है कि इसी वजह से भूपेश बघेल को पंजाब से हटाया गया है, क्योंकि नेतृत्व में बदलाव के लिए नए इंचार्ज की जरूरत थी।

उद्देश्य अलग-अलग गुटों को एक साथ लाना और पंजाब में सत्ता हासिल करने के लिए मजबूत दावेदारी पेश करना है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह चन्नी और रंधावा को निर्देश दे रहे हैं और कांग्रेस में मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। लेकिन अगर समस्या की जड़ पर काम किया जाए और उनके विरोध के असली स्रोत को ही हटा दिया जाए, तो उनके पास शिकायत करने के लिए शायद बहुत कुछ नहीं बचेगा।

राहुल गांधी की पंजाब यात्रा के लिए सभी समूहों और गुटों को एक साथ आना होगा, क्योंकि राहुल गांधी की पंजाब यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, हालांकि अभी तारीखें तय नहीं हुई हैं।

कांग्रेस का मुख्य हमला पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर है और प्रताप सिंह बाजवा मान सरकार के खिलाफ जोरदार हमले कर रहे हैं।

इसके अलावा, अगर सचिन पायलट अपने नेतृत्व में कैप्टन अमरिंदर सिंह को कांग्रेस में वापस लाने में सफल होते हैं, तो यह उनकी एक और बड़ी कामयाबी होगी।

सचिन पायलट के पंजाब की

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## महेश्वरी स्कूल के छात्र गुटों में खूनी झड़प

जयपुर, 8 सितम्बर। राजधानी के प्रतिष्ठित महेश्वरी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कक्षा 10 के छात्रों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी झड़प में बदल गया। स्कूल परिसर के पास हुए इस हमले में करीब 10 से 12 छात्रों के गुट ने एक अकेले छात्र को घेरकर बुरी तरह

- **दस-बारह छात्रों ने एक छात्र को घेर कर बुरी तरह पीटा व सिर पर काँच की बोतल मारी।**

पीट दिया। मारपीट के दौरान एक छात्र ने पीड़ित के सिर पर पानी की भारी कांच की बोतल से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के तुरंत बाद हरकत में आए स्कूल प्रशासन ने लहूलुहान छात्र को तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। डॉक्टरों ने छात्र के सिर पर आए गहरे घाव को देखते हुए करीब छह टांके लगाए हैं। चिकित्सकों के अनुसार, छात्र के चेहरे और सिर पर काफी चोटें आई हैं, हालांकि वह होश में है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। इस मामले की सूचना मिलते ही जवाहर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस स्कूल गेट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से मारपीट में शामिल छात्रों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल विवाद की असली वजह साफ नहीं हो सकी है। स्कूल

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# सत्य निकेतन की बगल वाली बिल्डिंग को गिराने की योजना बनी

## पर, इस योजना के क्रियान्वयन के लिए जब आस-पास की बिल्डिंग्स का सर्वे हुआ तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में जिस पीजी आवास की इमारत के गिरने से सात लोगों की मौत हुई थी, उसके बगल वाली इमारत को बुधवार को गिराया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि नगर निगम के अधिकारियों ने इस इमारत को असुरक्षित पाया है।

गुप्ता ने इमारत गिरने की घटना में घायल हुए लोगों के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की और कहा कि दिल्ली सरकार उनके इलाज का पूरा खर्च उठाएगी। उन्होंने एम्स ट्रॉमा सेन्टर में घायलों से मुलाकात की और उनके परिवारों को चेक दिए।

इस बीच, सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना के बाद उन शोधों पर भी ध्यान गया है, जिनमें चेतावनी दी गई है कि 6.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में, बड़ी संख्या में राजधानी की इमारतें असुरक्षित मानी जा सकती हैं।

चिंता केवल एक इमारत से कहीं ज्यादा बड़ी है।

- **दिल्ली में 38 प्रतिशत बिल्डिंग्स मध्यम श्रेणी का भूकंप भी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं।**
- **दूसरे शब्दों में दिल्ली में 33 लाख बिल्डिंग , मध्यम श्रेणी के भूकंप का झटका बर्दाश्त नहीं कर सकतीं, ध्वस्त होने की प्रबल संभावना है।**
- **जैसा कि विदित ही है, दिल्ली सैस्मिक ज़ोन-4 में आता है, जो देश में भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील, दूसरे नबंर पर है।**

हाल के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि दिल्ली-एनसीआर की लगभग 89 लाख इमारतों में से करीब 38 प्रतिशत इमारतें इस क्षेत्र की प्रमुख सक्रिय फॉल्ट लाइन्स के पास 5.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं।

इसका मतलब है कि 33 लाख से अधिक इमारतें संभावित रूप से खतरे में हो सकती हैं। इससे पता चलता है कि दिल्ली में भूकंप का खतरा कितना बड़ा है।

दिल्ली सैस्मिक ज़ोन 4 में आता है, जो भारत में भूकंप के खतरे के लिहाज से दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी है।

राजधानी न केवल स्थानीय भ्रंश रेखाओं (फॉल्ट लाइन्स) से आने वाले भूकंपों के प्रति संवेदनशील है, बल्कि हिमालयी क्षेत्र में आने वाले शक्तिशाली भूकंप भी दिल्ली को प्रभावित कर सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि दिल्ली की जटिल भू-संरचना (जियोलॉजी), एक्टिव फॉल्ट्स के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# "नाराज़ फूफा जी" तो हमेशा काम में कमी ही निकालेंगे

## प्र.मंत्री ने हालांकि, सबसे पहले, आलोचकों के लिये यह सम्बोधन श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में उपयोग में लिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। गुजरात के वडोदरा में एक कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 35 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और अपने आलोचकों पर "नाराज फूफा जी" कहकर तंज किया। उन्होंने समर्पित माल ढुलाई गलियारे का उदाहरण देते हुए अपनी सरकार के कामकाज की तुलना यूपीए सरकार से की और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।

विपक्ष पर अपना हमला तेज करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उन लोगों के लिए अपने नए

- **पर, अब धीरे-धीरे परिष्कृत करते हुए, इस "अलंकार" का उपयोग, अब काफी जोर शोर से कर रहे हैं, प्र.मंत्री मोदी।**

संबोधन, "नाराज फूफाजी" को दोहराया, जो उनकी सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडोदरा में "नमो फॉर विकसित भारत" कार्यक्रम में ये बातें कहीं। यहां उन्होंने 35 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई परियोजनाओं की आधारशिला रखीं। इनमें 2,800 किलोमीटर लंबा समर्पित रेल माल ढुलाई गलियारा भी शामिल है, जिसे उन्होंने "21वीं सदी की ऐतिहासिक उपलब्धि" बताया।

इस गलियारे के उदाहरण से भाजपा और कांग्रेस सरकारों की "काम करने की संस्कृति" की तुलना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस परियोजना की कल्पना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय की गई थी, लेकिन यूपीए सरकार, जिसका नेतृत्व मनमोहन सिंह कर रहे थे, के दौरान इसमें बहुत कम प्रगति हुई।

उन्होंने कहा, माल ढुलाई गलियारे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## भागवत 11 से 14 राजस्थान में

जयपुर, 8 सितम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 11 से 14 सितंबर तक राजस्थान के प्रवास पर रहेंगे। चार दिवसीय प्रवास के दौरान, वे जोधपुर, नागौर और भीलवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। संघ की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञिप्त में यह जानकारी दी गई।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, डॉ. भागवत 11 सितंबर को जोधपुर पहुंचेंगे तथा अगले दिन 12 सितंबर को

- **वे जोधपुर, नागौर और भीलवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।**

नागौर जिले के गोटन स्थित एलके सिंघानिया शिक्षा केन्द्र के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल होंगे। 13 सितंबर को डॉ. भागवत जोधपुर में संघ कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद, 14 सितंबर को वे भीलवाड़ा जाएंगे, जहां वे जैन दिगंबर संत पूज्य पुलक सागर जी महाराज से भेंट और वार्ता करेंगे। कार्यक्रम के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

# ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आधुनिकतम लड़ाकू विमान एसयू-57 की खरीद की बारीकियाँ फाइनल होंगी

## पुतिन यह विमान बेचने को तत्पर हैं और भारत यह विमान पाने को आतुर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी तय बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत को एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बेचने का प्रस्ताव रख सकते हैं। मॉस्को, भारतीय वायुसेना के लिए इस स्टैल्थ लड़ाकू विमान को अंतरिम समाधान के तौर पर पेश कर रहा है।

भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है और वह स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) का इंतजार कर रही है, जिसके 2035 के बाद ही आने की उम्मीद है। इस प्रस्ताव में तकनीक

- **हालांकि, अभी भारत-रूस व्यापार, रूस के भारी पक्ष में है तथा भारत की देनदारी 50 बिलियन डॉलर से अधिक है और भारत पर दबाव है, फार्मास्युटिकल्स, कैमिकल्स व कृषि उत्पाद का रूस को निर्यात बढ़ाकर यह ट्रेड डैफिसिट घटाये।**

का हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन, एसयू-57ई संस्करण का भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण और, यहां तक कि, सोर्स कोड तक पहुंच देने की पेशकश शामिल है। ये रियायतें बौद्धिक संपदा और आत्मनिर्भरता को लेकर भारत की पुरानी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से दी जा रही हैं। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने हाल में नए सुखोई विमानों की खरीद के बजाय, एसयू-30एमकेआई के आधुनिकीकरण और स्वदेशी कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने के संकेत दिए हैं, लेकिन उम्मीद है कि पुतिन बातचीत के दौरान इस मामले पर जोर देंगे और पहले की गई सार्वजनिक पेशकशों को आगे बढ़ाएंगे।

यह तय मुलाकात बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत और और रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही "विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी" को रेखांकित करती है। बातचीत के एजेंडे में रक्षा सहयोग और दोनों देशों के बीच आर्थिक असंतुलन को कम करने के उपाय प्रमुख रह सकते हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार बढ़कर करीब 60-69 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है। इसका मुख्य कारण भारत द्वारा रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, उर्वरक और कोयला खरीदना है।

हालांकि, इससे भारत का व्यापार घाटा 50 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। दोनों देश 2030 तक 100 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। बातचीत में दवाइयों, रसायनों और कृषि उत्पादों जैसे भारतीय निर्यात के लिए बाजार तक अधिक पहुंच, टैरिफ और गैर- टैरिफ बाधाओं को हटाना, रुपये-रूबल में भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाना, और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में प्रगति

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## मुख्यमंत्री आज जयपुर में रोड शो करेंगे

जयपुर, 8 सितम्बर। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जयपुर में रोड शो करेंगे। भाजपा ने इसे चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में शक्ति प्रदर्शन के तौर पर तैयार किया है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में होने वाले रोड शो में भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों के

- **सांगानेरी गेट से शुरु होकर चाँदपोल हुनमान मंदिर तक जाएगा रोड शो।**

साथ पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।

भाजपा के अनुसार, मुख्यमंत्री का रोड शो 9 सितंबर, बुधवार को सुबह 10 बजे सांगानेरी गेट से शुरू होगा। यहां से मुख्यमंत्री का काफिला बड़ी चौपड़ और छोटी चौपड़ होते हुए चांदपोल स्थित हनुमान मंदिर तक पहुंचेगा।

पार्टी संगठन ने सभी पार्षद प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को सुबह सांगानेरी गेट पहुंचकर मुख्यमंत्री का

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# पहली बार लग रहा है, ईरान इस बार बुरी तरह घिर गया है

## सूत्रों के अनुसार, अब ईरान कोई भारी हवाई हमला करने की स्थिति में नहीं है तथा अब अपने सहयोगी छापामारों, जैसे हूथियों पर आश्रित है, हवाई आक्रमण का क्रम जारी रखने के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। छह महीने के लंबे और थका देने वाले संघर्ष के बाद अब ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका काफी बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुद युद्ध में मिलने वाले फायदों के बारे में अपनी इस मजबूत या आरामदायक स्थिति का ज़िक्र किया है। सीएनएन ने उनके एक्स हैंडल पर की गई टिप्पणियों के हवाले से यह बात कही है।

एक तरफ अमेरिका ने ईरान के सभी सामानों के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य और दूसरे बंदरगाहों से आने-जाने पर कड़ी रोक लगाकर ईरान पर गंभीर आर्थिक हमला किया है। इससे देश के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और उसकी अर्थव्यवस्था ढहने की स्थिति में पहुंच सकती है।

दूसरी तरफ ईरान की जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी लगातार कम हो रही है। ईरान के हमले अब उतने तेज और शक्तिशाली नहीं रहे हैं, जितने पहले हुआ करते थे। इसके बजाय, ईरान अब अमेरिका के लिए मुश्किलें पैदा करने वाले हमले करने के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर है।

खास बात यह है कि सोमवार को यमन में ईरान के सहयोगी गुट, हूतियों ने सउदी अरब पर हमले किए। इन हमलों में आम नागरिकों को भी नुकसान हुआ और सऊदी अरब की तेल सुविधाओं को भी क्षित पहुंची। हताश

- **सोमवार को हूथी योद्धाओं ने सऊदी अरब पर आक्रमण किया, काफी नागरिकों की हानि हुई तथा सऊदी के ऑयल प्रतिष्ठानों को भी हानि पहुँचाई गई।**
- **पर, अभी ईरान के कट्टरपंथी अमेरिका के साथ किसी भी तरह का समझौता होने की संभावना को आगे नहीं बढ़ने दे रहे।**

होकर ईरान अब अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ जवाबी हमले करने के लिए क्षेत्र के दूसरे देशों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है।

यह युद्ध का एक नया चरण है, जिसमें ईरान अपनी लगातार कमजोर होती स्थिति के बावजूद युद्ध की स्थिति पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए नए-नए तरीके तलाश रहा है। देश के भीतर भी ईरान की जनता युद्ध को लेकर जारी गतिरोध से थक चुकी है।

सैन्य रूप से देखें तो ईरान अब शायद उस तरह के हमले करने की स्थिति में नहीं है, जिनसे उसके दुश्मनों को सबसे ज्यादा डर लगता है। साफ तौर पर उसके हथियारों और गोला-बारूद का भंडार खत्म होता जा रहा है, हालांकि ईरान का दावा है कि उसके पास अभी और भी ज्यादा घातक हथियार मौजूद हैं।

अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान की लगातार बिगड़ती और दमघोंटू स्थिति के चलते, वहां की जनता सरकार के खिलाफ उठ खड़ी होगी और विद्रोह पर उतर आयेगी। अमेरिका उम्मीद कर रहा है कि ईरान के नेताओं और देश पर बढ़ते दबाव तथा घुटन की इस स्थिति में, वह अपने शुरुआती उद्देश्य, यानी ईरान में सत्ता परिवर्तन, को हासिल कर सकेगा।

अमेरिका की रणनीति में सबसे बड़ा अनिश्चित पहलू यह है कि इस युद्ध ने ईरानी जनता की मानसिकता को बदल दिया होगा। जहाँ एक तरफ ईरान के सुरक्षा तंत्र के सत्ताधारी गुट और भी कठोर तथा बदले की भावना वाले हो सकते हैं, वहीं देश पर अमेरिका के विनाशकारी हमलों के सामने आम जनता में राष्ट्रवाद की भावना और मजबूत हो सकती है।

ईरान के भीतर पैदा हुई ये नई परिस्थितियां देश के अधिक समझदार और व्यावहारिक वरिष्ठ नेताओं को किसी उचित समझौते तक पहुंचने से रोक सकती हैं। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन खुले तौर पर बातचीत फिर शुरू करने और युद्ध खत्म करने की बात कर रहे हैं। लेकिन सुरक्षा तंत्र से जुड़े अधिक कट्टरपंथी और युद्ध

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## प्रधानमंत्री की मुंबई यात्रा से पहले दो गिरफ्तार

मुंबई, 08 सितंबर। महाराष्ट्र के बांद्रा में स्थित बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) इलाके में स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुंबई दौरे से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार

- **पुलिस को एक के पास पिस्तौल तथा दूसरे के पास सीएमओ का बोगस परिचय पत्र मिला।**

किया है। इनमें से एक के पास पिस्तौल और एक के पास पीएमओ का बोगस परिचय पत्र मिला है। मुंबई क्राइम ब्रांच पुलिस इन दोनों से गहन पूछताछ कर रही है।

इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पकड़े गए एक युवक की पहचान रोहन पारेख (24) के रुप में की गई है। बीकेसी में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

अपनी नम्रता का गर्व करने से अधिक निंदनीय और कुछ नहीं है। –मारकस

# सैटेलाइट के सफल लॉन्च से इसरो की साख बची

पांच साल के लंबे इंतज़ार के बाद, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन (इसरो) ने गत शुक्रवार को एक जियो-इमेजिंग सैटेलाइट स्पेस में स्थापित करने में सफल रहा है। ईओएस-05 सैटेलाइट स्पेसपोर्ट श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद, तय सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित हो गया। इसरो के लिए यह सिर्फ़ एक और लॉन्च नहीं था। उसके लगातार दो स्ट्रेटेजिक मिशन फेल हो चुके थे, जिससे देश को कई सौ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इसीलिए इसरो के लिये यह लॉन्च खास था और ऐसे मुश्किल समय पर हो रहा था जब उसके भविष्य को लेकर अनेक शंकाएं भी मीडिया में व्यक्त हो रही थीं कि इसके रॉकेट (एक को छोड़कर) घरेलू कंपनियों को दिए जा रहे हैं; सरकार सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग और तमिलनाडु में प्रस्तावित स्पेसपोर्ट को भी प्राइवेट सेक्टर के लिए खोल रही है; लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर का निजीकरण किया जा रहा है; नेवल सी नेविगेशन सिस्टम अधर में लटका हुआ है; और सरकार चाहती है कि इसरो रिसर्च, डेवलपमेंट और बड़े साइंटिफिक मिशन पर ध्यान दे। यह भी सच है कि संस्थान के कर्मचारियों में भी अनिश्चितता का माहौल बताया जाता रहा है। ज़रूरी मिशन में शामिल कई लोग अपने पद छोड़ कर जा चुके हैं और बाकी स्टाफ भी अपनी भविष्य की भूमिकाओं के बारे में स्पष्ट नहीं है। इस पृष्ठभूमि में, शुक्रवार का जीआईसेट-1ए सैटेलाइट, जिसका नाम बदलकर अर्थ ऑब्ज़र्वेशन सैटेलाइट-05 (ईओएस-05) कर दिया गया, को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल-एमके (जीएसएलवी-एमके) से लॉन्च करने का यह मिशन, कहीं ज़्यादा अहमियत रखता था। ईओएस-05, जीआईसेट-1 का लंबे समय से रुका हुआ रिप्लेसमेंट है, जो अगस्त 2021 में अपने लॉन्च के बीच में ही खो गया था। उसके बाद से इसरो इस बात पर चुप रही है कि पांच साल का गैप किस वजह से हुआ -- चाहे वह पेलोड डेवलपमेंट हो, सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग हो, जीआईसेट-1 और जीआईसेट-1ए के बीच स्पेसिफिकेशन्स में बदलाव हो, रॉकेट का न होना हो या कुछ और। इसरो ने ईओएस-05 को एक एजाइल जियो इमेजिंग सैटेलाइट बताया है जिसे जियोस्टेशनरी ऑर्बिट से लगातार अंतराल पर बड़े एरिया की लगभग रियल-टाइम इमेज देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मुख्य रूप से साफ आसमान (क्लाउड-फ्री) परिस्थिति में प्राकृतिक संपदा और आपदा की घटनाओं की इमेजिंग के लिए बनाया गया है। इसका फायदा इसकी लोकेशन में है। लोअर ऑर्बिट में परंपरागत अर्थ-ऑब्ज़र्वेशन सैटेलाइट के उलट, एक जियोस्टेशनरी इमेजिंग सैटेलाइट बार-बार एक बड़े एरिया पर निगाह रख सकता है, जिससे वह उस क्षेत्र में तेजी से बदलती घटनाओं की निगरानी करने और किसी खास एरिया की लगातार इमेज देने के लिए उपयोगी हो जाता है। वैसे, कैमरे से लैस किसी भी सैटेलाइट का इस्तेमाल कई अन्य मकसदों के लिए भी किया जा सकता है और इसलिए सभी को, एक तरह से, 'स्ट्रेटेजिक सैटेलाइट' कहा जा सकता है।

शुक्रवार का लॉन्च एक बड़ा पेलोड लेकर गया था और साथ में पिछली असफलताओं का बड़ा बोझ भी। इसलिये, ईओएस-05 एक देर से आने वाले रिप्लेसमेंट सैटेलाइट से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। लगभग 2,367 किलो वज़न वाला, यह सैटेलाइट जीएसएलवी-एमके की बताई गई पेलोड कैपेसिटी 2,250 किलो से ज़्यादा भारी है। इसके वजन के कारण इस मिशन ने सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट का इस्तेमाल किया जो एक इंटरमीडिएट एलिप्टिकल ऑर्बिट है, जिसमें एपोजी लगभग 35,780 किलोमीटर की लक्षित जियोसिंक्रोनस ऊंचाई से कम होती है। इस ऑर्बिट से, ईओएस-05 ने अपनी तय जियोस्टेशनरी पोज़िशन तक पहुंचने के लिए अपने ऑनबोर्ड मोटर्स का इस्तेमाल किया। टेक्निकली, यह मौजूदा लॉन्च व्हीकल की कैपेसिटी को बढ़ाने की इसरो की काबिलियत का एक और प्रदर्शन था। इसके स्ट्रेटेजिकली, दांव ज़्यादा ऊंचे हैं, क्योंकि ईओएस-05 के इस सफल लॉन्च ने कई महंगी नाकामियों के बाद भरोसा वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की है। अगर यह फेल हो जाता, तो भारत के लॉन्च सिस्टम और स्ट्रेटेजिक स्पेस प्रोग्राम के भरोसे पर अनेक सवाल उठने लगते। इस तरह, यह लॉन्च जीएसएलवी-एमके, पांच साल से देरी से आई स्ट्रेटेजिक क्षमता और शायद सबसे ज़रूरी, इसरो की भरोसा वापस लाने की क्षमता का टेस्ट थी था। चिंता सिर्फ़ पैसे के नुकसान की नहीं थी। यह भरोसे, ट्रांसपेरेंसी और भारत की अपने स्पेस एसेट्स पर तब निर्भर रहने की क्षमता के बारे में थी जो सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। कह सकते हैं कि इसरो के लिए, शुक्रवार का दिन सिर्फ़ एक और सैटेलाइट को ऑर्बिट में भेजने का नहीं था, बल्कि यह यह साबित करने का भी था कि जब दांव ऊंचे हों, तब भी एजेंसी काम कर सकती है।

पीएसएलवी-सी62 के फेल होने के बाद, भारत सरकार ने पूर्व प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर के विजय राघवन की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई थी, जिसमें इसरो के पूर्व अध्यक्ष एस. सोमनाथ को-चेयरमैन थे। यह कदम नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल के तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर का चुपचाप दौरा करने के बाद उठाया गया था। हालांकि पीएसएलवी-सी61 और पीएसएलवी-सी62 की जांच कर रही फेलियर एनालिसिस कमेटियों ने, बताते हैं अपनी रिपोर्ट दे दी हैं, लेकिन इसरो की पिछली फेलियर रिपोर्ट के विपरीत, उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। इससे स्पेस कम्युनिटी में नए सवाल खड़े कर दिए थे।

**अधिकृत तौर पर बताया गया कि तीसरे स्टेज के परफॉर्मेंस के आखिर में रॉकेट में गड़बड़ी आ गई, जिससे उसकी तय उड़ान अपने रास्ते से भटक गयी। पीएसएलवी मिशन से वाकिफ एक्सपर्ट का कहना है कि यह फेलियर पीसएलवी-सी61 जैसा ही लग रहा था। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ज़रूरी मिशनों में एक के बाद एक फेलियर होना बहुत ज़्यादा इत्तेफाक रहा। इन्हीं परिस्थितियों में शुक्रवार का मिशन इसरो की साख को जबरदस्त चुनौती थी। मिशन की सफलता से वह साख बच गई।**

हालांकि इसरो के अधिकारियों ने बताया था कि पीएसएलवी से जुड़े सुधार के उपायों पर चर्चा अब पूरी तरह से "जानने की ज़रूरत" के आधार पर की जा रही है। इसलिए शुक्रवार के लॉन्च को लेकर चिंता की वजह स्ट्रेटेजिक रूप से ज़रूरी भारतीय स्पेस मिशन से जुड़ी कई नाकामियों की वजह से ही थी। इसके अलावा कई नेविगेशन सैटेलाइट पहले ही इम्पोर्टेड एटॉमिक घड़ियों में खराबी की वजह से पूरी क्षमता खो चुके हैं। कई लोग स्पेस सेक्टर में इस मुश्किल दौर की शुरुआत जीआईसेट-1 से मानते हैं। वह 2,268किलो का सैटेलाइट जीसएलवी एमके के क्रायोजेनिक अपर स्टेज में खराबी आने के बाद अंतरिक्ष में खो गया था। इसरो की फेलियर एनालिसिस कमेटी ने नतीजा निकाला था कि वेंट और रिलीफ वाल्व से लीकेज की वजह से क्रायोजेनिक स्टेज के इग्निशन के दौरान लिक्विड हाइड्रोजन टैंक का प्रेशर असामान्य रूप से कम हो गया था। इसके चलते फ्यूल बूस्टर टर्बो पंप में खराबी आई, जिससे आखिरकार मिशन फेल हो गया। इसके बाद इसरो ने दिखाया कि जीसएलवी एमके रिकवर कर सकता है, और उसने एनवीएस-01, इन्सेट-3डीएस और इंडो-यूएस निसार सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किये। इसलिए, जानकार लोगों का कहना है कि भारत के स्पेस प्रोग्राम को सिर्फ़ नाकामियों वाला प्रोग्राम बताना गलत होगा। इसरो को अगला बड़ा झटका एनवीस-02के साथ लगा, जिसे 29 जनवरी, 2025 को श्रीहरिकोटा से 100वें रॉकेट लॉन्च के तौर पर लॉन्च किया गया था। 300 करोड़ रुपये के नेविगेशन सैटेलाइट को एक और 300 करोड़ रुपये के जीसएलवी एमके से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में सफलतापूर्वक इंजेक्ट किया गया। लेकिन वह अपने तय जियोस्टेशनरी ऑर्बिट तक नहीं पहुंच सका क्योंकि ऑर्बिट बढ़ाने के लिए ज़रूरी ऑक्सीडाइज़र वाल्व नहीं खुल पाए। इसरो ने समस्या तो मानी लेकिन यह कभी नहीं बताया कि वाल्व क्यों फेल हुए। सैटेलाइट एक्सपर्ट्स का मानना है कि समस्या ऑक्सीडाइज़र वाल्व को पावर सप्लाई करने वाले इलेक्ट्रिकल कनेक्टर में शुरू हुई होगी। इससे एक और बुनियादी सवाल उठता है कि मिशन-क्रिटिकल सिस्टम में रिडंडेंसी होनी चाहिए उस पर ध्यान करों नहीं गया? सैटेलाइट सिस्टम से परिचित अधिकारियों के अनुसार वाल्व, इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर सिस्टम, सभी में रिडंडेंट बैकअप थे। लेकिन रिडंडेंसी तभी काम करती है जब बैकअप सिस्टम सच में प्राइमरी सिस्टम से अलग हो। अगर दोनों सिस्टम एक कॉमन पॉइंट पर मिलते हैं, तो एक फेलियर दोनों को खत्म कर सकता है। यदि इन नियमों को माना गया, तो ऑक्सीडाइज़र वाल्व तक पावर पहुंचने से किस चीज़ ने रोका? इसरो के ही एक रिटायर्ड सीनियर अधिकारी का कहना है कि प्राइमरी और रिडंडेंट दोनों पावर सप्लाई एक ही कनेक्टर से गुज़री होंगी, जिससे पूरी रिडंडेंसी का मकसद नाकाम हो गया।

दो पीएसएलवी मिशन के लगातार फेल होने से चिंता का बढ़ जाना स्वाभाविक ही था। पिछले साल 18 मई, 2025 को, पीएसएलवी-सी61 उड़ान भरने के करीब छह मिनट बाद फेल हो गया, जिससे ईओएस-09 (आरआईसेट-1बी) सर्विलांस सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल का नुकसान हुआ। कुल नुकसान का अनुमान करीब 850 करोड़ रुपये था। ईओएस-09 में एक सिंथेटिक अपर्चर रडार था जो हर मौसम में निगरानी कर सकता था और इसका मकसद भारत की स्ट्रेटेजिक ऑब्ज़र्वेशन क्षमता को मज़बूत करना था। अंदाज लगाया जाता है कि पीसेलवी-सी61 का फेलियर शायद किसी खराब वाल्व या इलेक्ट्रिकल कनेक्टर की वजह से हुआ होगा, जिसकी वजह से तीसरे स्टेज के ऑपरेशन के दौरान प्रेशर कम हो गया था। इसके आठ महीने से भी कम समय बाद, 12 जनवरी, 2026 को, पीसेलवी-सी62 भी फेल हो गया। यह डीआरडीओ के लेटेस्ट हाइपरस्पेक्ट्रल टोही सैटेलाइट, अन्वेषा (ईओएस-एन1) के साथ पंद्रह छोटे भारतीय और विदेशी सैटेलाइट ले जा रहा था। अधिकृत तौर पर बताया गया कि तीसरे स्टेज के परफॉर्मेंस के आखिर में रॉकेट में गड़बड़ी आ गई, जिससे उसकी तय उड़ान अपने रास्ते से भटक गयी। पीएसएलवी मिशन से वाकिफ एक्सपर्ट का कहना है कि यह फेलियर पीसएलवी-सी61 जैसा ही लग रहा था। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ज़रूरी मिशनों में एक के बाद एक फेलियर होना बहुत ज़्यादा इत्तेफाक रहा। इन्हीं परिस्थितियों में शुक्रवार का मिशन इसरो की साख को जबरदस्त चुनौती थी। मिशन की सफलता से वह साख बच गई।

**–अतिथि संपादक,**
**राजेन्द्र बोड़ा**
**( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )**

# जन्म के साथ ही समापन की ओर कॉकरोच जनता पार्टी

**प्रो.कैलाश सोडाणी**

देश के सार्वजनिक जीवन में बिना किसी जमीनी संघर्ष के मात्र सोशल मीडिया के माध्यम से अवतरित कॉकरोच जनता पार्टी आजकल चर्चा में है। चर्चा में व्यंग्य ज्यादा है, शालीनता कम है। संस्था के नामकरण में भी गंभीरता एवं दीर्घकालीन सोच का अभाव है, हास्य एवं विनोद का स्वर ही ज्यादा सुनाई देता है। नीट परीक्षा की असफलता एवं बेरोजगारी से पीड़ित युवा साथियों की भावनाओं से खेलते हुए अभिजीत दिपके ने जन्तर-मंतर पर जो अभिनय किया, उससे प्रथम दृष्टया तो यही लगा कि देश की युवा पीढ़ी को एक ईमानदार राजनैतिक नेतृत्व मिलने जा रहा है परन्तु धीरे-धीरे देश के युवाओं को समझ में आ गया कि आन्दोलन के असली सूत्रधार कौन है और उनका मकसद क्या है?

किसी भी आन्दोलन की सफलता के लिए उसका पारदर्शी होना अत्यन्त आवश्यक है। सीजेपी के इस आन्दोलन पर कितना खर्च हुआ और किसने किया, कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गयी। सामान्य चर्चा में देश की राजनीति में पराजित चेहरों एवं भारत विरोधी विदेशी एजेन्सीज का नाम सामने आ रहा है।

प्रजातन्त्र में सरकार विरोधी आन्दोलन होना बहुत ही सामान्य बात है और प्रजातन्त्र की सफलता के लिए सरकारी नीतियों के विरुद्ध समय-समय पर विरोध प्रदर्शन होना भी आवश्यक है। इस प्रकार के आन्दोलनों की भी एक मर्यादा होती है, अनुशासन होता है। सीजेपी के इस आन्दोलन में कुछ असामाजिक तत्वों का बोलबाला था, जो देश एवं प्रधानमंत्री को बहुत ही घटिया तथा अमर्यादित शब्दों में सम्बोधित कर रहे थे। दुखद स्थिति तो यह थी कि अनेक छात्राएँ भी इसी गाली-गलौच की भाषा में बात कर रही थी। सोशल मीडिया पर इस दृश्य को देखने और सुनने के बाद देशवासियों का सिर शर्म से झुक गया। ऐसे संस्कार विहीन छात्र-छात्राओं की टीम कहाँ से आयी और उन पर किसी का नियंत्रण भी दिखाई नहीं दिया। इन छात्राओं के माता-पिता ने समाज में हुए अपमान को कैसे बर्दाश्त किया होगा, समझ सकते हैं।

इस सारे घटनाक्रम में समाजसेवी सोनम वांगचुक के सत्याग्रह में अवश्य ईमानदारी दिखाई देती है। उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र में ऐसी शान्तिपूर्ण अभिव्यक्ति को पनपने दीजिये। ये हमारा प्रदर्शन नहीं, आग्रह है। पुलिस ने यह आन्दोलन शान्तिपूर्ण तरीके से होने दिया, रोक-टोक नहीं लगाई, यह स्वागत योग्य है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आन्दोलन की समाप्ति के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने सोनम वांगचुक को पर्दे के पीछे धकेल दिया है।

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ आंदोलनरत छात्रों को कॉकरोच जनता पार्टी का क्या केवल नैतिक समर्थन देना ही पर्याप्त है? जंतर-मंतर का आंदोलन प्रवेश परीक्षाओं में धांधली के लिए था, झारखंड में इससे कहीं ज्यादा गंभीर रोजगार-मूलक परीक्षाओं में धांधली होने के बावजूद सीजेपी की निष्क्रियता में कमजोर राजनीतिक सोच की गंध आती है। चार-पांच वर्ष पूर्व राजस्थान में भी भर्ती परीक्षाओं में हुई अनेकानेक गडबडियों के बावजूद अभिजीत दिपके अमेरिका का आनंदमय जीवन छोडकर नहीं आ पाए। सौभाग्य से देश का युवा समझदार है, उसे लंबे समय तक सत्य से दूर नहीं रखा जा सकता है।

आर. एस. एस. प्रमुख डा. मोहन भागवत ने जेन-जी के प्रदर्शनों के सम्बन्ध में बहुत ही सटीक विचार व्यक्त करते हुए कहा है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी संवाद का एक तरीका है। लेकिन इसका उद्देश्य सहमति बनाना हो न कि विभाजन। उन्होंने कहा कि जेन-जी की शिकायतें सही हैं, नाराजगी जायज है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। शिक्षा को व्यापार मत बनने दीजिये। यह सबके लिए समान रूप से सुलभ होनी चाहिये। सरकार को जीडीपी का 6 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करना चाहिये। सोशल मीडिया पर प्रतिबन्ध समाधान नहीं है। युवाओं में सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग का आत्मानुशासन विकसित करना होगा। हमारी युवा शक्ति की गति ही देश की प्रगति की आधारशिला है। गति के साथ दिशा भी सही होना चाहिए। विश्वविद्यालयों को बच्चों को केवल डिग्री नहीं, दिशा एवं आत्मविश्वास भी देना होगा। ज्ञान के अमृत को व्हाट्सएप एवं ट्विटर पर तलाश करने की जरूरत नहीं है। पिछले एक दशक से हमारे देश के राजनैतिक नेतृत्व ने समस्त देशवासियों की सैकड़ो वर्षों से चली आ रही कमजोर मानसिकता में परिवर्तन करते हुए आत्म-गौरव एवं आत्मविश्वास का शंखनाद किया है। यह एक गौरवशाली एवं क्रांतिकारी शुभारंभ है। आज इसी दिशा एवं सोच से भरपूर हमारी युवा पीढी पर हमें गर्व है। जो टैलेंटेड है, आत्मविश्वास से लबालब है और मेरी पीढी से ज्यादा अनुशासित भी है। जो समस्याओं को टालने में नहीं, उससे टकराने में और उसे मिटाने में विश्वास करती है। ए. आई. में भाग्य और भविष्य देखने वाली ऐसी युवा शक्ति को सडकों पर नारेबाजी एवं गाली-गलौच करते हुए नहीं देख सकते हैं। साथ ही समाज को भी जेन-जी की प्रतिभा एवं भावनाओं का सम्मान करना होगा।

**–प्रो.कैलाश सोडाणी,**
**पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा**

# डिजिटल अफीम : साइलेंट डिप्रेशन की ओर धकेलती रील्स-शॉर्ट्स की सनक

**डॉ. मोनिका शर्मा**

रील्स और शॉर्ट्स को बिना सोचे-समझे स्क्रॉल करने की यह आदत धीरे-धीरे इंसानों को एक गहरे साइलेंट डिप्रेशन की ओर धकेल रही है। हमें यह समझना होगा कि चीजें और तकनीक दोबारा खरीदी जा सकती हैं, लेकिन खोई हुई जिंदगी और परिवार कभी वापस नहीं आते। इस बात को हम जितनी जल्दी समझ लेंगे, उतना ही सभी के लिए बेहतर होगा।

आज की डिजिटल दुनिया में अत्यधिक स्क्रीन टाइम मानसिक अवसाद यानी डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। दिखावे की संस्कृति और अनियंत्रित मानसिक अवसाद हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर रहे हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के संभाजीनगर में आईफोन की जिद के विवाद में एक 19 वर्षीय युवक और उसे बचाने के प्रयास में उसके माता-पिता की पहाड़ी से गिरकर हुई दर्दनाक मौत इस बात का जीता-जागता और भयावह उदाहरण बना है। घटना केवल एक फोन की जिद नहीं, बल्कि इसके पीछे युवाओं में लग्जरी लाइफस्टाइल, घटते सब्र, गंभीर स्क्रीन एडिक्शन और छिपे हुए मानसिक अवसाद की गहरी समस्या की तस्वीर का संकेत और चेतावनी हैं।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, सोशल मीडिया और फोन युवाओं के लिए एस्केप मोड (भागने का जरिया) और डोपामाइन (फील गुड हार्मोन) का प्राथमिक स्त्रोत बन चुके हैं। जब यह कनेक्शन टूटता है, तो वे अत्यधिक चिड़चिड़े या हिंसक हो जाते हैं। महंगे गैजेट्स को स्टेटस सिंबल मानकर युवा अपनी आर्थिक स्थिति से परे जाकर जिद करने लगते हैं। सामाजिक तौर पर ये समस्या घरों में आपसी संवाद की कमी से भी बढ़ रही है, जहां एक ही घर में रहकर भी लोग स्क्रीन में खोए रहते हैं, जिससे आपस में भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत खत्म हो रही है। ये पहचान न आने वाला अवसाद हैं।

महाराष्ट्र के संभाजीनगर के गांव में हुए ताजा घटनाक्रम के अनुसार, 19 साल के कुणाल ने आईफोन खरीदकर और उसकी किश्त चुकाने को लेकर अपने पिता से जिद की थी, जिसे लेकर घर में अनबन और विवाद हुआ। गुस्से और नाराजगी में कुणाल घर से निकलकर पहाड़ की चोटी पर जा बैठा और करीब 4 घंटे तक हंगामा व आत्महत्या की धमकी देता रहा। सूचना पर माता-पिता, पुलिस, स्थानीय लोग और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे तथा उसे समझाने की कोशिश की। मां ने बेटे को मनाने के लिए अपना मंगलसूत्र तक देने की बात भी कही। बातचीत के दौरान जब पिता उसे बचाने के लिए आगे बढ़े, तो उनका संतुलन बिगड़ गया और कुणाल के साथ पिता भी नीचे गिर पड़े। अपनी आंखों के सामने पति और बेटे को नीचे गिरते देख सदमे में आई मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी, जिससे एक ही परिवार के तीनों सदस्यों की मौत हो गई।

मनोचिकित्सकों का मानना है कि किशोरों में अवसाद अक्सर उदासी के रूप में नहीं, बल्कि अत्यधिक गुस्से और चिड़चिड़ेपन के रूप में बाहर आता है, जिसे माता-पिता बदतमीजी या नखरा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, हमारे हाथ स्मार्टफोन से चिपके रहते हैं। रील्स और शॉर्ट्स को बिना सोचे-समझे स्क्रॉल करने की यह आदत धीरे-धीरे इंसानों को एक गहरे साइलेंट डिप्रेशन की ओर धकेल रही है। शोध कहते हैं कि प्रतिदिन 3 से 4 घंटे से अधिक स्क्रीन पर बिताने वाले लोगों में अवसाद/एंग्जायटी का जोखिम दोगुना हो जाता है। केंद्र सरकार ने बच्चों और युवाओं में बढ़ती डिजिटल लत को एक गंभीर साइलेंट क्राइसिस घोषित किया है। सर्वे में माता-पिता से मिले फीडबैक के आधार पर बच्चों में ये बदलाव देखे गए हैं। 61 फीसदी बच्चों में अधीरता बढ़ गई है। 58 प्रतिशत बच्चों में अत्यधिक गुस्सा और आक्रामकता देखी गई है।

सर्वे कहता है कि लगभग आधे बच्चों में नींद की कमी, डिप्रेशन और सुस्ती पाई गई है। वहीं शॉर्ट वीडियो (रील्स) के लूप में फंसे रहने से युवाओं की एकाग्रता क्षमता बहुत कम हो गई है। फोन छीनने या गेमिंग से रोकने पर बच्चे हिंसक कदम उठा रहे हैं। लखनऊ में एक 16 वर्षीय लड़के द्वारा गेमिंग की लत के कारण टोकने पर अपनी मां की हत्या करने जैसी दिल दहलाने वाली घटना सामने आई हैं। एम्स दिल्ली और अमेरिकी मेडिकल जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, स्क्रीन और सोशल मीडिया एडिक्शन के शिकार बच्चों में आत्महत्या से संबंधित जोखिम अधिक पाया गया है। गाजियाबाद में ऑनलाइन गेमिंग और मोबाइल की लत के चलते तीन नाबालिग बहनों द्वारा नौवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी करने की घटना इसका उदाहरण है। सड़कों, रेलवे ट्रैक और खतरनाक ऊंचाई पर इंस्टाग्राम रील्स या शॉर्ट वीडियो शूट करने के जुनून में हर साल सैकड़ों भारतीय युवा अपनी जान गंवा रहे हैं या गंभीर हादसों का शिकार हो रहे हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 15 से 24 वर्ष के 14 प्रतिशत युवा (हर 7 में से 1) अक्सर अवसाद या मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं। निमहांस सर्वेक्षण के अनुसार, 13 से 17 वर्ष के 7.3 फीसदी किशोर गंभीर मानसिक विकारों से पीड़ित हैं। शहरी क्षेत्रों में यह संख्या और भी अधिक पाई गई है। एनसीईआरटी छात्र सर्वेक्षण में स्कूल जाने वाले 11 प्रतिशत छात्रों ने अत्यधिक चिंता, 14 फीसदी ने चरम भावनाओं और 43 प्रतिशत ने मूड स्विंग्स की शिकायत की है। आईसीएमआर अध्ययन में कॉलेज जाने वाले 32 प्रतिशत छात्रों में मध्यम से गंभीर अवसाद के लक्षण देखे गए हैं। स्पेन लैब्स की युवा मानसिकता रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया से जुड़े 13-17 वर्ष के भारतीय किशोरों में आक्रामकता, गुस्सा और आत्म-नियंत्रण की कमी तेजी से बढ़ रही है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की मृत्यु का एक मुख्य कारण आत्महत्या है। कम उम्र में स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग, स्क्रीन टाइम बढ़ना और संयुक्त परिवारों का टूटना युवाओं को अकेला बना रहा है।

इस जानलेवा स्थिति से परिवार को सुरक्षित रखने के लिए माता-पिता और युवाओं दोनों को तुरंत कदम उठाने होंगे। इसके लिए शुरुआती उम्र में फोन से दूरी बनाएं। बच्चों को शांत रखने के लिए बचपन से ही हाथ में फोन थमाने की आदत बिल्कुल बंद करें। बच्चों को स्क्रीन एडिक्शन से बचने के लिए उन्हें समय दें। बच्चों के साथ हर दिन बिना फोन के बैठें, खेलें और उनके मन की बात सुनें। बच्चों की हर जिद (विशेषकर महंगी चीजों की) तुरंत पूरी न करें। उन्हें अभाव और सब्र का महत्व सिखाएं। यदि बच्चा फोन न मिलने पर खाना छोड़ रहा है, हिंसक हो रहा है या खुद को कमरे में बंद कर रहा है, तो यह खतरे की घंटी है इन बदलावों को समय रहते पहचानें।

इसके साथ ही परिवार में डिजिटल डिटॉक्स के नियम अपनाएं जैसे नो-फोन जोन यानी घर के डाइनिंग टेबल और बेडरूम में मोबाइल का उपयोग पूरी तरह वर्जित करें। डिजिटल डिटॉक्स के तहत सप्ताह में कम से कम एक दिन या कुछ घंटे पूरे परिवार के साथ बिना गैजेट्स के बिताएं। यदि परिवार में कोई व्यक्ति या युवा गंभीर अवसाद, स्क्रीन की लत या आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें। तुरंत क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से काउंसलिंग कराएं या भारत सरकार की मुफ्त और गोपनीय हेल्पलाइन पर संपर्क करें। हमें यह समझना होगा कि चीजें और तकनीक दोबारा खरीदी जा सकती हैं, लेकिन खोई हुई जिंदगी और परिवार कभी वापस नहीं आते। इस बात को हम जितनी जल्दी समझ लेंगे, उतना ही सभी के लिए बेहतर होगा।

**–डॉ. मोनिका शर्मा,**
**वरिष्ठ पत्रकार**

# लंदन डायरी : ब्रिटिश स्वाभिमान के प्रतीक हैं लंदन के लाल टेलीफोन बूथ

भारत में डिजिटल क्रांति के बाद टेलीफोन बूथ अब कहीं देखने को नहीं मिलते। हाथ में हर समय मोबाइल थामे नयी पीढ़ी के लिए ये बूथ अब कोतुहल के विषय बन गए है। मगर लंदन में आपको आज भी लाल रंग के टेलीफोन बूथ देखने को मिल जायेंगे जो वहां की विशिष्ट पहचान है। लंदन के लाल रंग के ये बूथ दुनिया भर में ब्रिटिश सांस्कृतिक आइकॉन के रूप में देखे जाते है। बूथ में रखा टेलीफोन चालू अवस्था में है।

लन्दन भ्रमण के दौरान मुझे इन बूथों को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। मैंने बूथ में जाकर देखा तो ये चालू अवस्था में मिले। इसी के साथ अब डिजिटल टेलीफोन बूथ भी लन्दन की सड़कों पर देखने को मिल जायेंगे। इनके लाल रंग के होने की भी एक कहानी है। बताते है उन्नीसवीं शताब्दी में सबसे पहले डाक विभाग ने अपने पोस्ट बॉक्स बनाये वे हरे रंग के थे। लन्दन अपनी हरियाली के लिए जाना जाता है। हरियाली से मिलता रंग अंग्रेजों को पसंद नहीं आया क्योंकि लोग इन्हें सही ढंग से देख नहीं पाते। लोग अत्यधिक हरियाली के कारण इनसे टकरा जाते, ऐसी स्थिति में उन्हें लाल रंग से रंगा गया जो दूर से ही दिख जाते। बाद में 1920 में जब टेलीफोन बूथ बने तो उन्हें लाल रंग से ही रंगा गया। तब से आजतक ये बूथ लाल टेलीफोन बूथ के नाम से ख्यात है। समय के साथ टेलीफोन बूथ दुनियां से मिट गए मगर लंदन में स्थान स्थान पर ये बूथ जीवित अवस्था में देखे जा सकते है। 1980 के बाद नए बूथ नहीं लग रहे है मगर पुराने बूथ सैलानियों के आकर्षण बने हुए है।

मोबाइल फोन की क्रांति ने दुनिया भर में पीसीओ के कारोबार को चौपट कर दिया है। ब्रिटेन के लोग इससे खासे परेशान हैं। लोगों का कहना है कि लाल रंग का टेलीफोन बूथ उनकी

भावनाओं का एक अहम हिस्सा, जिसे वह जिंदा रखना चाहते हैं। ये बूथ 1936 से इंग्लैंड की खास पहचान बने हुए है। 1926 से टेलीफोन बूथों को ब्रिटिश शासन के प्रतीक ट्यूडर ताज से सजाया गया ।

ब्रिटेन का पहला पब्लिक फ़ोन बूथ, जिसे 1 के नाम से जाना जाता है, 1920 में लंदन की सड़कों पर आया। कंक्रीट से बने और लाल दरवाज़े वाले इस बूथ में कोई खास सुंदरता नहीं थी। सन 1923 में, ज़्यादा आकर्षक टेलीफ़ोन बॉक्स बनाने के लिए एक डिज़ाइन प्रतियोगिता शुरू की गई। इसमें मशहूर आर्किटेक्ट्स के प्रस्ताव आए, जिनमें सर जाइल्स गिल्बर्ट स्कॉट भी शामिल थे जो विजेता बने।

स्कॉट का शानदार, कास्ट आयरन वाला डिज़ाइन सेंट पैनक्रास में सर जॉन सोएन के मक़बरे की गुंबददार छत से प्रेरित था। इस तरह, 2 लाल टेलीफ़ोन बॉक्स का जन्म हुआ, जिसमें चमकीला लाल रंग और आर्ट-डेको स्टाइल था, जो जल्द ही लंदन की सड़कों पर छा गया। 1935 में, किंग जॉर्ज पंचम की सिल्वर जुबली मनाने के लिए 6 मॉडल पेश किया गया। यह लंदन के बाहर लगाया गया पहला लाल टेलीफ़ोन बॉक्स था, जिससे यह पसंदीदा डिज़ाइन ब्रिटेन के कस्बों और गाँवों तक पहुँचा। इसने लाल बॉक्स की देशव्यापी लोकप्रियता की शुरुआत की।

धीरे-धीरे लाल टेलिफ़ोन बूथ सीन से ग़ायब होने लगे। लेकिन स्थानीय समुदायों और ब्रिटिश दूरसंचार के प्रयासों से उनमें से सैकड़ों लाल टेलिफ़ोन बक्सों को पुस्तकालयों के रूप में पुनर्जीवित कर दिया है। ब्रिटेन के लोग अपने लोकप्रिय ब्रिटिश लाल टेलीफोन बॉक्स को छोटे-छोटे पुस्तकालयों में बदल रहे हैं। यहां से कोई भी पुस्तक घर ले जाने के लिए स्वतंत्र है, बशर्ते वे इसे वापस लाएँ या इस के बदले घर से लाकर कोई दूसरी पुस्तक रख दे।

**–बाल मुकुन्द ओझा,**
**वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार**

## राशिफल

**पंडित अनिल शर्मा**

**बुधवार 9 सितम्बर, 2026**

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, आश्लेषा नक्षत्र दिन 3:14 तक, शिव योग रात्रि 9:52 तक, तैतिल करण दिन 12:31 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:14 से सिंह राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा दिन 12:31 रात्रि 11:32 तक रहेगी। आज अघोरा चजुरदशी व्रत, मास शिवरात्रि, जैन पयुर्षण आरम्भ (पंचमी पक्ष)

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:51 से 12:24 तक, चर 3:30 से 5:03 तक, लाभ 5:03 से सूर्यास्त तक।

**राहुकालः** 12:00 से 1:30 तक, सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35



**मेष**
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

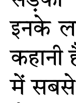

**वृष**
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

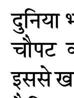

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

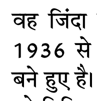

**कर्क**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

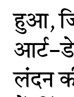

**सिंह**
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

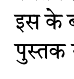

**कन्या**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

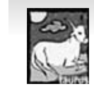

**वृश्चिक**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

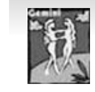

**धनु**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

**मकर**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

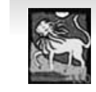

**कुंभ**
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

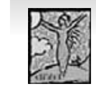

**मीन**
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

प्रिय प्रदेशवासियों,

हमने संकल्प पत्र में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' का वादा किया था, जिसे हमने पूरा करके दिखाया है। बार-बार चुनाव और आचार संहिता के कारण विकास की गति प्रभावित होती है; एक साथ चुनाव से इस व्यवधान को कम किया गया है।

आपका वोट राजस्थान के बेहतर भविष्य का संकल्प है। संकल्प वही, जिसे धरातल पर उतारा जाए; वादा वही, जिसे पूरा किया जाए। नए राजस्थान, नए विश्वास और नई रफ्तार के लिए; भाजपा को वोट दें-विकास के लिए, विश्वास के लिए।

"घर से निकलें, बूथ तक जाएं, लोकतंत्र का पर्व मनाएं" "आपका वोट - आपके क्षेत्र का भविष्य तय करेगा"

जिस शहर में हमारा घर है, जहाँ हमारे बच्चे बड़े होते हैं, जहाँ हमारी खुशियाँ और हमारी यादें बसती हैं , उस शहर का भविष्य तय करने का अवसर हमारे हाथ में है। इस बार आपको केवल वोट ही नहीं डालना बल्कि अपने शहर के बेहतर कल के लिए मतदान करना है ।

स्थानीय निकाय चुनावों का यह अवसर हमें अपने मोहल्ले, कस्बे, शहर और अपने आसपास के विकास की दिशा तय करने का अधिकार देता है। इसलिए मेरा आप सभी से अनुरोध है कि अपने घर से अवश्य निकलें और मतदान केंद्र तक पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व ने देश में विकास और सुशासन का एक नया विश्वास पैदा किया है। डबल इंजन की हमारी सरकार इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

याद रखिए, लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब नागरिक जागरूक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। मतदान करना हमारा राष्ट्र के प्रति अपने संवैधानिक कर्तव्यों की भावना को निभाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अपने क्षेत्र के समुचित विकास के लिए आप जैसे शहर चाहते हैं, वैसे शहर बनाना आपके हाथ में है। अपने वोट के माध्यम से आप यह काम बखूबी कर सकते हैं।

देश और प्रदेश की विकास यात्रा में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसके लिए आपसे आग्रह है कि भारतीय जनता पार्टी को नगरीय निकायों में विजय दिलाकर हमारी डबल इंजन की सरकार में शहरी सरकार का तीसरा इंजन जोड़ें और ट्रिपल इंजन की सरकार का निर्माण कर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में सहयोगी बनें।

कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान स्थानीय निकायों के कुशासन से आप भली-भांति परिचित हैं। कांग्रेस के कुशासन का दौर गया, अब विकास की बारी है। कुशासन से त्रस्त थे, अब सुशासन का साथ दें।

आइए, हम सब मिलकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित राजस्थान के निर्माण में अपना सहयोग करें।

आपका अपना

**- भजनलाल शर्मा**

नगर निकाय चुनाव में

**कमल खिलाना है**

विकास को आगे बढ़ाना है

# कोटा के सीवी गार्डन में 20 फीट ऊंचे पेड़ पर दिखा लैपर्ड, लोगों में दहशत

## मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने पेड़ पर बैठे लैपर्ड को देखा तो पुलिस व वन विभाग को सूचना दी

**कोटा,** (निसं)। शहर के सीवी गार्डन में मंगलवार की सुबह अचानक उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों की नजर पेड़ पर बैठे एक लैपर्ड (तेंदुए) पर पड़ी। लैपर्ड को जमीन से करीब 20 फीट ऊंचे पेड़ की डाल पर बैठा देख टहल रहे लोगों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमों ने मोर्चा संभाला और आनन-फानन में पूरे पार्क को खाली कराकर सभी मुख्य दरवाजे बंद कर दिए। वन विभाग और नगर निगम की टीम ने हाइड्रोलिक दमकल की मदद से लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज (बेहोश) किया और जाल बिछाकर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। पकड़े गए लैपर्ड को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के नाईट शेल्टर में भेजा गया है, जहां से उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद उसे जंगल में छोड़ा जाएगा।

कोटा के सीवी गार्डन में तेंदुए की मौजूदगी से अफरा-तफरी मच गई।

उपवन संरक्षक प्रमोद कुमार धाकड़ का कहना है कि लैपर्ड पेड़ पर मौजूद था, ऐसे में उसको पिंजरे के जरिए या सीधे जाल में पकड़ना मुश्किल था। इसीलिए नगर निगम के अग्निशमन अनुभाग की मदद से दमकल को बुलवाया गया। हाइड्रोलिक दमकल को पैंथर जिस पेड़ पर मौजूद था, उसके नीचे गार्डन में खड़ा किया गया।

पहले लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज करने वाले एक्सपर्ट ने गन से डॉट मारी थी। एक दो निशाने चूकने के बाद डॉट सटीक लग गई थी, जिसके बाद पैंथर बेहोश हो गया था। जिसके बाद वन विभाग के कार्मिकों ने लैपर्ड को पेड़ से नीचे जाल में गिराया गया और उसके बाद पिंजरे में कैद किया गया। पैंथर को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के नाईट शेल्टर में ले जाया जा रहा है, जहां पर रखा जाएगा। पैंथर को जंगल में रिलीज करने का निर्णय उच्च अधिकारी लेंगे इसके बाद उसे रिलीज किया जाएगा।

- **वन विभाग और नगर निगम की टीम ने हाइड्रोलिक दमकल की मदद से लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज किया और जाल बिछाकर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया**

रेंजर नागर ने बताया कि लैपर्ड की सूचना पर वे मौके पर पहुंच गए थे। साथ ही टीम को भी बुलाया गया। अभी यह पता नहीं लग पाया कि यह लैपर्ड कहां से और किधर से आया। सीवी गार्डन एक तरफ किशोर सागर तालाब से घिरा हुआ है और बाकी तीनों तरफ सड़क बनी हुई है। वन विभाग का उपवन संरक्षक कार्यालय भी इससे लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि लैपर्ड शिकार की तलाश में आया होगा क्योंकि गार्डन में बड़ी संख्या में बंदर भी रहते हैं।

# भीलवाड़ा के उदलियास में 12 फीट लंबा अजगर पकड़ा

वन विभाग और रेस्क्यू टीम ने ग्रामीणों की मदद से अजगर को पकड़ा।

**भीलवाड़ा,** (निसं)। उदलियास कस्बे के बाग के बालाजी मंदिर के पीछे जंगल में सोमवार रात करीब 8:30 बजे 12 फीट लंबा विशाल अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। अजगर दिखने की खबर फैलते ही मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

स्थानीय निवासी मुकेश जांगिड़ ने बताया कि मंदिर के पीछे झाड़ियों के बीच बने एक गड्ढे में ग्रामीणों को यह अजगर दिखाई दिया। अजगर का विशाल रूप देखकर ग्रामीण हैरान रह गए। इसके बाद तुरंत वन विभाग और रेस्क्यू टीम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम से राजू बैरवा और इरास टीम मौके पर पहुंची। गड्ढे और झाड़ियों में छिपे अजगर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए टीम को करीब 2 घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। रेस्क्यू के बाद अजगर को सुरक्षित वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। रेस्क्यू टीम के राजू बैरवा ने बताया कि यह गंगा किनारे पाई जाने वाली पाइथन प्रजाति का अजगर है। इसमें जहर तो नहीं होता, लेकिन यह अपनी मजबूत पकड़ और नुकीले दांतों से किसी भी शिकार पर हमला कर उसे मार सकता है या निगल सकता है।

- **मंदिर के पीछे झाड़ियों के बीच बने गड्ढे में ग्रामीणों को अजगर दिखाई दिया**
- **रेस्क्यू के बाद टीम ने अजगर को सुरक्षित वन विभाग के सुपुर्द कर दिया**

मौके पर पिंटू सिंह, भैरू सिंह, देवी सिंह, मुकेश सुथार, राजू शर्मा, रायमल भील सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। अजगर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू टीम ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित निकाला।

# अवधेश मीणा हत्याकांड का इनामी आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

## आरोपी जयपुर में रहकर ठिकाने बदल रहा था

**वजीरपुर,** (निसं)। सवाई माधोपुर जिले के चर्चित अवधेश मीणा हत्याकांड में करीब चार महीने से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी सुग्रीव मीणा (25) पुत्र घासीराम मीणा को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बच रहा था। पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर जयपुर में दबिश देकर उसे धर दबोचा।

जानकारी के अनुसार मामला गत 6 मई की रात का है। अमर सिंह अपने भाई सियाराम और अवधेश के साथ बाइक से गांव मीणा बड़ौदा लौट रहे थे। सेंगरपुरा रोड स्थित श्मशान घाट के पास घात लगाए बैठे बदमाशों ने 6-7 गाड़ियों में सवार होकर उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने अवधेश पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने के साथ लाठी-सरियों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अवधेश की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई थी।

- **21 सदस्यीय टीम ने दबिश देकर इनामी आरोपी सुग्रीव मीणा को पकड़ा**
- **गाड़ियों में आए बदमाशों ने अवधेश मीणा पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी**

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 21 सदस्यीय विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार, सुग्रीव लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। टीम को उसकी जयपुर में मौजूदगी की सूचना मिली, जिसके बाद दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वजीरपुर थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। हत्याकांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।

# खारी-मासी नदियों में अवैध बजरी खनन पर एनजीटी सख्त

## अधिकरण ने संयुक्त समिति की जांच रिपोर्ट को स्वीकार कर मामले का निस्तारण किया

**जयपुर।** राजस्थान की खारी और मासी नदियों में कथित अवैध बजरी खनन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण, मध्य क्षेत्र पीठ, भोपाल ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। अधिकरण ने संयुक्त समिति की जांच रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया। साथ ही संबंधित विभागों और खनन संचालक को पर्यावरणीय नियमों और स्वीकृति की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने 8 सितंबर को हबीब मोहम्मद बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य मामले में फैसला सुनाया। मामले में खारी और मासी नदियों में कथित अवैध और अनधिकृत बजरी खनन, नदी तल और सीमा चिन्हों को नुकसान पहुंचाने, सार्वजनिक रास्तों में अवरोध पैदा करने तथा भूजल, कृषि भूमि और स्थानीय पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव का मुद्दा उठाया गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान अधिकरण ने राजस्व विभाग और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों को शामिल कर एक संयुक्त समिति गठित की थी। समिति ने 7 मई 2026 को खारी और मासी नदियों के विभिन्न स्थानों, बजरी परिवहन केंद्रों और खनन क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हवा की गुणवत्ता, ध्वनि स्तर और भूजल की गुणवत्ता की भी जांच की गई। अधिकरण ने समिति की रिपोर्ट और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद पाया कि संबंधित परियोजना संचालक के पास वैध पर्यावरणीय स्वीकृति के साथ स्थापना और संचालन की सहमति उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान खनन की गहराई भी पर्यावरणीय स्वीकृति में निर्धारित सीमा के भीतर पाई गई।

- **संबंधित विभागों और खनन संचालक को पर्यावरणीय नियमों और स्वीकृति की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**

अधिकरण ने खान एवं भूविज्ञान विभाग को रेत और बजरी खनन से संबंधित निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन कराने के निर्देश दिए हैं। खनन और बजरी परिवहन का संचालन केवल पर्यावरणीय स्वीकृति में तय शर्तों के अनुसार ही किया जाएगा। अवैध खनन पर नियंत्रण के लिए गठित जिला स्तरीय समिति को नियमित रूप से अचानक निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला कलेक्टर को समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। परियोजना संचालक को सार्वजनिक रास्तों को क्षतिग्रस्त या अवरुद्ध नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नियमों के अनुसार पौधरोपण और खनन क्षेत्र की सीमा का निर्धारण सुनिश्चित करना होगा।

खान विभाग को पौधरोपण के लिए भूमि उपलब्ध कराने तथा निर्धारित समय में पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। लगाए गए पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा और उनके जीवित रहने की भी व्यवस्था करनी होगी। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों की समय-समय पर निगरानी करने और किसी भी तरह का उल्लंघन मिलने पर कानून के अनुसार सुधारात्मक और दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के साथ अधिकरण ने खारी और मासी नदियों में बजरी खनन से संबंधित मूल आवेदन संख्या 89/2026 का निस्तारण कर दिया।

# फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार

**उदयपुर।** शहर के सविना थाना पुलिस ने फायरिंग करने के मामले में गौगा गैंग इनामी दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। भागते समय दोनों बदमाश चोटिल हो गये। सविना थानाधिकारी दलबीरसिंह के नेतृत्व मय टीम ने कार्यवाही करते हुए दस-दस हजार रूपये के इनामी बदमाश उस्मान गनी पुत्र मोहम्मद इब्राहिम निवासी चित्रकूट नगर सविना मोहसीन गदनीया उर्फ काणा पुत्र आरिफ मोहममद निवासी मुर्शिद नगर हिरणमगरी सेक्टर 12 को गिरफ्तार किया। उस्मान के खिलाफ दों एवं मोहसीन के खिलाफ दो प्रकरण पूर्व में दर्ज हैं।


**RAJASTHAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE**

No. :- F.9( )SKNAU/DIR-RARI/Acctts/2026/1141 Dated :- 05/09/2026

**विज्ञापन**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान में दिनांक 18.09.2026 को प्रातः 11:00 बजें कार्यालय / प्रयोगशाला में काम आये हुए अनुपयोगी उपकरण, कूलर, फीज, स्क्षेपालाईजर, एवरी कॉटे, ताले, बागवाने के उपकरण, प्रिन्टर, फोटोस्टेट मशीन, प्लास्टिक का सामान, लोहे का सामान, टर्च, दरी, टायर, फर्नीचर एवं अन्य सामान जिस हालात मे है, जैसे है कि नीलामी की जावेगी जिसका पुस्तक मूल्य लगभग 1,97,00,000 (अक्षरे एक करोड सतानवें लाख रूपये मात्र) है। विस्तृत विवरण हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sknau.ac.in एवं www.raridurgapura.org पर देखे।

राज.संवाद/सी/26/10547 निदेशक



**राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड**

दिनांक :- 07/09/2026

**ई-निविदा सूचना**

| निविदा संख्या एवं दिनांक | कार्य का विवरण |
|---|---|
| e-Tender no. RSMM/CO/GGM/(Cont)/Cont-20/2026-27 Dated 25.08.2026 UBN No. MML2627SLOB00111 | कार्पोरेट कार्यालय, 4 मीरा मार्ग, उदयपुर पर कार्य करने हेतु उच्चकुशल / कुशल / अर्धकुशल / अकुशल प्रकृति के श्रमिकों की आवश्यकता हेतु ई-निविदा प्रपत्र कुल अनुमानित लागतः रू. 62.00 लाख, धरोहर राशिः रू. 1.24 /- निविदा शुल्क रू. 4720 /- |

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा वरिष्ठ प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/10542 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)



**कार्यालय नगर परिषद बारां**

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक :- नपबा / डोल मेला / 2026 / 6922-23 दिनांक :- 07.09.2026

**EXPRESSION OF INTEREST**

नगर परिषद बारां द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्श भी डोल मेला 2026 का दिनांक 22.09.2026 से दिनांक 08.10.2026 तक आयोजन किया जायेगा। वर्तमान मे नगरीय निकाय क्षैत्र मे आदर्श आंचार सहिंता लागू है, मेला आयोजन के लिए आवश्यक अभिव्यक्ति की अभिरूचि (EOI) जारी करने तथा डोल मेला आयोजन के लिए आवश्यक सभी कार्यवाही किये जाने हेतु श्रीमान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर महोदय द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

मेले मे सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु डोल मेला 2026 मे आयोजित किय जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम / कवि सम्मेलन / मुशायरा कार्यक्रमो (यथा तेजाजी कार्यक्रम, Laughter show इत्यादि) हेतु फर्मो / इंवेट मेनेजमेन्ट कम्पनी / लोक कला मण्डलो इत्यादि से प्रस्ताव आमत्रित किये जाते है। प्रस्तुत प्रस्ताव मे दिये जाने वाले कार्यक्रमो का पूर्ण विवरण एवं पिछले किसी कार्यक्रम की विडियो-सीडी / पेन ड्राइव मे प्रस्तुत करनी आवश्यक होगी।

**प्रस्तावित डोल मेला 2026 के संभावित कार्यक्रम**

| क.स. | कार्यक्रम | तिथि | वार |
|---|---|---|---|
| 1 | तेजाजी कार्यक्रम | 22.09.2026 | मंगलवार |
| 2 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 23.09.2026 | बुधवार |
| 3 | स्थानीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा | 24.09.2026 | गुरूवार |
| 4 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 25.09.2026 | शुकवार |
| 5 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 26.09.2026 | शनिवार |
| 6 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 27.09.2026 | रविवार |
| 7 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 28.09.2026 | सोमवार |
| 8 | राजस्थानी कवि सम्मेलन | 29.09.2026 | मंगलवार |
| 9 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 30.09.2026 | बुधवार |
| 10 | अखिल भारतीय मुशायरा कार्यक्रम | 01.10.2026 | गुरूवार |
| 11 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 02.10.2026 | शुकवार |
| 12 | अखिल भारतीय कवि सम्मेलन | 03.10.2026 | शनिवार |
| 13 | कव्वाली कार्यक्रम | 04.10.2026 | रविवार |
| 14 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 05.10.2026 | सोमवार |
| 15 | भक्ति संध्या कार्यकम | 06.10.2026 | मंगलवार |
| 16 | सांस्कृतिक कार्यक्रम | 07.10.2026 | बुधवार |
| 17 | डोल मेला समापन कार्यक्रम | 08.10.2026 | गुरूवार |

उक्तानुसार प्रस्ताव नगर परिषद बारां (राज.) कार्यालय मे किसी भी पिछले 03 वर्ष के डोल मेले मे प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम की विडियो-सीडी / पेन ड्राइव के साथ प्रस्ताव को बन्द लिफाफे मे व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करे। दिनांक 11.09.2026 सांय 4:00 बजे तक प्रस्ताव प्राप्त किये जायेगे तथा सायं 05.00 बजे पश्चात् मेला समिति के समक्ष खोले जायेगे। मेला समिति द्वारा निर्णय पश्चात् ही अनुमोदन किया जायेगा। उक्त विज्ञप्ति एवं शर्ते वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in पर एवं नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है। इस सम्बन्ध मे अधिक जानकारी हेतु नोडल मेला अधिकारी श्री विजय गालव कनिष्ट अभियन्ता से नगर परिशद मे कार्यालय समय पर सम्पर्क किया जा सकता है।

शर्ते :-

1. इंवेट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य को नगर परिषद बारां द्वारा जारी पिछले कम से कम 05 वर्श के डोल मेले मे किये गये कार्यकम का आदेश की प्रति सलंग्न करना अनिवार्य होगा।
2. इंवेट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य द्वारा प्रस्तुत दर / राशि मे सभी प्रकार के चार्जेज व कर सम्मिलित करने होगे। नगर परिषद बारां द्वारा किसी प्रकार के अतिरिक्त कर / शुल्क / परिवहन शुल्क इत्यादि का भुगतान नही किया जायेगा अतः समस्त व्यय / करो को जोडकर प्रस्ताव प्रस्तुत करे।
3. किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार मेला प्रबंधन प्रकोष्ठ / अद्योहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
4. इंवेट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य आदि जिस नाम से प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी उसी नाम से भुगतान आरटीजीएस / एनएफटी / ऑनलाईन / चैक द्वारा टीडीएस काटकर कार्यक्रम समापन उपरान्त किया जाएगा, अतः तदनुसार प्रस्तुत प्रस्ताव बैंक खाता संख्या, शाखा, IFSC कोड इत्यादि विवरण प्रस्तुत करें।
5. इंवेट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य यह सुनिश्चित् करेंगे कि मेले मे प्रस्तुत किये जाने वाले कार्यकम मे सांस्कृतिक / लोक-कला / धार्मिक / सामाजिक / भक्ति आदि की भावना के अनुरूप ही शोभनीय / शालीनता पूर्वक प्रस्तुतियां देंगे। कोई भी कलाकार अश्लीलता / असभ्यता अथवा जनभावना को ठेस पहुंचाने वाले प्रस्तुतियां / कार्यक्रम नही देंगे। UBN-DLB2627SLOB20379

राज.संवाद / सी / 26 / 10531 आयुक्त


# जमीन विवाद में गोली मारकर युवक की हत्या

**हिण्डौन सिटी,** (निसं)। सूरौठ थाना क्षेत्र के बाईजट्ट गांव निवासी युवक सेवाराम जांगिड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का शव बाई धुरसी से बाईजट्ट गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर पड़ा मिला। परिजनों ने जमीन विवाद और पुरानी रंजिश के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक के पिता जगदीश जांगिड़, निवासी बाईजट्ट ने सूरौठ थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि 7 सितंबर को रात करीब 9 बजे वह और उनका पुत्र सेवाराम घर से खेतों की ओर जा रहे थे, जहां नया मकान बन रहा है। रास्ते में फकीरों की कब्र पीर के पास पहुंचने पर गांव के कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। धमकाने के बाद एक व्यक्ति ने आग्नेयास्त्र से फायर कर दिया। गोली सेवाराम की कनपटी पर लगी, वह गिर पड़ा और सिर से खून बहने लगा। जगदीश के चीखने-चिल्लाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे। हमलावर पास के घरों में घुस गए। सेवाराम की मौके पर ही मौत हो गई। शव को हिण्डौन जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपियों से पूर्व में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। करीब एक माह पहले परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि योजनाबद्ध तरीके से अपराधिक षड्यंत्र रचकर सेवाराम की हत्या की गई। सूचना पर सूरौठ पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को हिंडौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को मेडिकल बोर्ड से मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **मृतक का शव बाई धुरसी से बाईजट्ट गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर मिला**
- **परिजनों ने जमीन विवाद और पुरानी रंजिश के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कराया**

# फैक्टरी में आग से लाखों का माल जला

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर के बोरानाडा क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब चार बजे एक पॉलीथिन रोल बनाने वाली फैक्टरी में अचानक आग लग गई। सूचना पर फायरब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद 8 दमकल के 20 फेरों से काबू पाया गया। इस पर बासनी, शास्त्री नगर, चौपासनी फायर ब्रिगेड की टीमों को भी बुलाया गया। करीब 200 लीटर फोम डालकर आग पर काबू पाया गया। सुबह 9 बजे के करीब आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाइटिंग सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसराज लीलावत, मालाराम, अशोक सुथार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

# मसूदा में लावारिस खड़ी कार से 110 किलो डोडा-पोस्त बरामद

**मसूदा,** (निसं)। नगर निकाय चुनाव-2026 के मद्देनजर मसूदा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे गश्त एवं कानून व्यवस्था अभियान के दौरान पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने झाड़ियों में लावारिस हालत में खड़ी एक कार से 110 किलो 150 ग्राम अवैध अफीम डोडा-पोस्त डंठल बरामद किया। पुलिस ने मौके से मादक पदार्थ के अलावा घटना में प्रयुक्त कार तथा अलग-अलग पंजीयन नंबरों की 10 नंबर प्लेटें भी जब्त की हैं। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह के निर्देशन में पुलिस थाना मसूदा के थानाधिकारी विजय सिंह मीना के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली कार :-पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को थानाधिकारी विजय सिंह मीना जाप्ते के साथ नगर निकाय चुनाव को देखते हुए गश्त एवं कानून व्यवस्था ड्यूटी पर थे। इसी दौरान मसूदा के पास जंगल में एक दुर्घटनाग्रस्त वाहन के लावारिस हालत में खड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को मेडतिया पेट्रोल पंप से पूर्व गणपति इलेक्ट्रिक के पास वाली गली में झाड़ियों के बीच एक कार खड़ी मिली। कार का पिछला शीशा टूटा हुआ था। अंदर कुछ कट्टे दिखाई दे रहे थे, जिन पर काला कपड़ा डाल रखा था।

संदेह होने पर पुलिस ने वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार में रखे आठ कट्टों से 110 किलो 150 ग्राम अवैध अफीम डोडा-पोस्त डंठल बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ को जब्त कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कार किसकी है और इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ कहां से लाया गया था तथा इसे कहां पहुंचाया जाना था।

# अलवर जिला प्रमुख पर आचार संहिता में सरकारी वाहन इस्तेमाल करने का आरोप

**अलवर,** (निसं)। अलवर में पंचायती राज चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी गाड़ी के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर पर करीब 11 दिन तक सरकारी वाहन इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। शिकायत के बाद निर्वाचन विभाग ने जिला परिषद के सीईओ से मामले की रिपोर्ट मांगी है।

अलवर में पंचायती राज चुनाव की आचार संहिता के दौरान सरकारी गाड़ी के इस्तेमाल का मामला सामने आने के बाद निर्वाचन विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर पर आरोप है कि आचार संहिता लागू होने के बाद भी उन्होंने करीब 11 दिन तक जिला परिषद की सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल किया। शिकायत सामने आने के बाद निर्वाचन विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) से पूरी रिपोर्ट मांगी है।

- **शिकायत के बाद निर्वाचन विभाग ने जिला परिषद के सीईओ से मामले की रिपोर्ट मांगी**

चुनाव की आचार संहिता 19 अगस्त को लागू हुई थी। आरोप है कि इसके बाद भी जिला प्रमुख को आवंटित सरकारी वाहन उनके उपयोग में रहा। बताया गया है कि यह सरकारी गाड़ी करीब 11 दिन तक इस्तेमाल की गई और बाद में 31 अगस्त को जिला परिषद कार्यालय में जमा कराई गई। अब निर्वाचन विभाग पूरे मामले में यह पता लगाने में जुटा है कि आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी वाहन का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में किया गया।

आचार संहिता प्रभारी बीना महावर ने जिला परिषद के सीईओ को पत्र भेजकर मामले से जुड़ी जानकारी और रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि सरकारी वाहन के इस्तेमाल को लेकर नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं और आगे किस तरह की कार्रवाई की जानी है।

इसी बीच अलवर जिला परिषद में कार्यरत सहायक विकास अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल को लेकर भी निर्वाचन विभाग ने रिपोर्ट मांगी है। राज्य निर्वाचन आयुक्त की ओर से जिला कलैक्टर से इस मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई थी। इसके बाद निर्वाचन विभाग ने जिला परिषद के सीईओ से संबंधित अधिकारी के बारे में रिपोर्ट तलब की है।

शिकायतकर्ता नरेंद्र कुमार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को भेजी शिकायत में आरोप लगाया है कि ब्रजेश कुमार पटेल वर्ष 2016 से लगातार जिला परिषद में पदस्थापित हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उनका मूल निवास मालाखेड़ा क्षेत्र में है। शिकायतकर्ता ने लंबे समय से एक ही जिले में पदस्थापित रहने को लेकर सवाल उठाते हुए आशंका जताई है कि पंचायती राज चुनाव में संबंधित अधिकारी किसी तरह से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं।

# 168 किलो डोडा-चूरा बरामद, एक आरोपी गिरफ्त में

**कोटा,** (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए ट्रक में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 168.680 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। वहीं टीम ने ट्रक को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि हरियाणा पंजीकरण संख्या वाला एक ट्रक लाडपुरा क्षेत्र से पंजाब की ओर अवैध डोडा-चूरा ले जा रहा है। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) कोटा के अधिकारियों की टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर निगरानी के दौरान संदिग्ध ट्रक की पहचान की तथा उसे सकतपुरा टोल प्लाजा, कोटा पर रोक लिया गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ट्रक में सोयाबीन के छिलकों को कवर कार्गो के रूप में रखा हुआ पाया गया, टीम ने संदेह होने पर ट्रक में मौजूद व्यक्ति को डिटेन कर ट्रक को सीबीएन कार्यालय लाकर ट्रक की तलाशी ली तो कवर कार्गो के पीछे छिपाकर रखे गए अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा के करीब सात कट्टे बरामद किये जिसमें 168.680 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया। टीम ने कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत बरामद अवैध मादक पदार्थ व ट्रक को जप्त किया।

# आमेर में चाकूबाजी में घायल टूरिस्ट गाइड मनीष सोनी की मौत

## टूरिस्ट को आमेर महल में ले जाने को लेकर हुए विवाद में जीप चालक आजम खान ने पेट में चाकू घोंपा था

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । आमेर महल में टूरिस्ट को ले जाने को लेकर सोमवार को जीप चालक और टूरिस्ट गाइड के बीच हुए विवाद में चाकू से घायल गाइड मनीष कुमार सोनी (40) की मंगलवार सुबह सवाई मानसिंह अस्पताल के आईसीयू में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर फैलते ही आमेर में आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों और टूरिस्ट गाइड्स ने विरोध में बाजार और दुकानें बंद कर दीं तथा सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। इससे यातायात भी प्रभावित रहा।

एसीपी आमेर ट्रेनिंग आईपीएस प्रतीक

- **मनीष की मौत से गुस्साएं टूरिस्ट गाइड्स और स्थानीय लोगों का सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया**
- **पुलिस ने आरोपी आजम खान हिरासत में लिया**

सिंह के अनुसार मनीष सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे आमेर मावठे पर पहुंचा था। इसी दौरान निजी कार से आए पर्यटकों ने आमेर महल जाने का रास्ता पूछा।

वहां जीप लेकर खड़े चालक आजम ने पर्यटकों से कहा कि निजी कार महल तक नहीं जा सकती और जीप से जाना होगा। मनीष ने पर्यटकों को रास्ता समझाया, जिसके बाद वे अपनी कार से महल की ओर रवाना हो गए। इसी बात को लेकर आजम और मनीष के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर जीप चालक आजम ने चाकू निकालकर मनीष के पेट में वार कर दिया। गंभीर घायल मनीष को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार सुबह करीब 7 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी आजम खान को घटना के बाद ही हिरासत में ले लिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ आमेर थाने में पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इधर चाकूबाजी की घटना के बाद सोमवार को बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और टूरिस्ट गाइड आमेर थाने पहुंचे थे। लोगों ने रास्ता रोककर करीब डेढ़ घंटे तक प्रदर्शन किया था। मंगलवार सुबह मनीष की मौत की सूचना मिलते ही लोगों ने स्वत: आमेर बाजार बंद कर दिया और बड़ी संख्या में सड़क पर उतर आए और परिवार के सदस्य के साथ लोग धरने पर बैठ गए।

प्रदर्शन करने वाले लोगों ने न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी की। मृतक आश्रितों को एक करोड़ रुपए मुआवजा, सरकारी नौकरी की मांग की गई है। इसके साथ ही आरोपी के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर आमेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने समझाइश कर लोगों को शांत कराया।

आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। घटना के पीछे की पूरी वजह की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश भी हो सकती है। टूरिस्ट गाइडों ने आमेर में पर्यटकों को लेकर चल रही कुछ अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया है। उन्होंने गाइडों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित समस्याओं की जांच कर समाधान का भरोसा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच और आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

**आमेर में टूरिस्ट गाइड मनीष सोनी की हत्या के बाद गुस्साएं परिजनों, टूरिस्ट गाइड्स और स्थानीय लोगों ने बाजार बंद करके रास्ता जाम किया।** फोटो-राष्ट्रदूत

**मृतक मनीष कुमार सोनी**

**टूरिस्ट गाइड की हत्या के बाद आमेर क्षेत्र में उपजे तनाव के कारण पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी और पुलिस जाप्ता तैनात किया।**

## सुभासपा ने दिया भाजपा को समर्थन

**जयपुर** । राजस्थान नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को औपचारिक समर्थन देने की घोषणा की है। सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान प्रभारी सुभाष चन्द्र यादव और प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह राजभर ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश महासचिव श्रवण कुमार बागडी को समर्थन पत्र सौंपा।

पार्टी के अनुसार यह निर्णय सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ एवं हज विभाग के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर तथा राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविंद राजभर के निर्देश पर लिया गया है। सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान प्रभारी सुभाष चन्द्र यादव ने बताया कि सुभासपा भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सहयोगी पार्टी है। राष्ट्रवाद, सामाजिक न्याय, सुशासन और विकास की विचारधारा के अनुरूप राजस्थान के नगर निकाय चुनाव में भाजपा को समर्थन देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सुभासपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशियों की सफलता के लिए संगठनात्मक स्तर पर सक्रिय सहयोग करेंगे।

## फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

**जयपुर** । रामनगरिया पुलिस ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर फरार हुए वांछित आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त स्कार्पियो बरामद की है। पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पारस जैन व सहायक पुलिस आयुक्त सांगानेर दीपक खंडेलवाल के पर्यवेक्षण तथा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। एक जून 2025 को बजाज नगर थाने के कांस्टेबल रामअवतार और हेड कांस्टेबल धर्मसिंह वांछित आरोपी योगेंद्र शर्मा की तलाश में नंदन एनक्लेव, वीआईटी कॉलेज के पीछे पहुंचे थे। पुलिस के मकान में प्रवेश करते ही कमरे में मौजूद संदीप राज शर्मा ने देशी कट्टे से फायर कर दिया।

## 22 साल से फरार वारंटी गिरफ्तार

**जयपुर** । जयपुर उत्तर जिला पुलिस ने वांछित अपराधियों और स्थाई वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 22 साल से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने आरोपी को भट्टा बस्ती इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपी वर्ष 2004 में दर्ज एक मामले में जमानत मिलने के बाद से लगातार फरार था और पुलिस से बचने के लिए अपने ठिकाने बदलता रहा।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि वर्ष 2004 में आरोपी ने परिवादी को उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके घर में कैद कर उसके साथ मारपीट की थी। मामले में गिरफ्तार होने के बाद आरोपी को जमानत मिल गई थी, लेकिन इसके बाद वह अदालत में पेश नहीं हुआ। वह अपने स्थाई पते से फरार होकर अलग-अलग स्थानों पर पते बदलता रहा। लगातार अदालत में पेश नहीं होने पर न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया था। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। करीब 22 वर्ष से फरार होने के कारण आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल था।

## लोहे की फैक्ट्री में केमिकल ड्रम में आग, हादसा टला

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । झोटवाड़ा थाना इलाके के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित लोहे की फैक्ट्री में मंगलवार सुबह अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री में रखे केमिकल ड्रमों ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते भीषण लपटें उठने लगीं। आग लगते ही फैक्ट्री में काम कर रहे करीब 10-12 वर्कर्स बाहर निकल आए और अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

एएफओ झोटवाड़ा सुरेश कुमार ने बताया कि झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में माखन लाल गुप्ता की एनएल कास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड नाम से लोहे की फैक्ट्री है। यहां बॉयलर में लोहे को हीट कर ढलाई का काम किया जाता है। मंगलवार सुबह करीब 10-12 वर्कर्स बॉयलर में लोहे की ढलाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 8.45 बजे फैक्ट्री में रखे एक केमिकल ड्रम ने अचानक आग पकड़ ली। आग लगते ही आसपास रखे अन्य केमिकल ड्रम भी इसकी चपेट में आ गए। ड्रमों में आग लगने से तेज लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते फैक्ट्री परिसर में धुआं फैल गया। आग की भयावहता को देखते हुए वहां काम कर रहे कर्मचारी तत्काल बाहर निकल गए। फैक्ट्री में करीब 10 हजार लीटर केमिकल के लगभग 20 ड्रम रखे हुए थे। समय रहते दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे पूरा केमिकल आग की चपेट में आने से बच गया। यदि सभी ड्रमों में आग फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

फैक्ट्री में आग की सूचना मिलते ही झोटवाड़ा फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। चार दमकलों की मदद से कर्मचारियों ने करीब सवा घंटे तक मशक्कत की और आग को नियंत्रित किया। आग से फैक्ट्री में लाखों रुपए के नुकसान की बात सामने आ रही है। आग किस कारण से लगी, इसका फिलहाल पता नहीं चल पाया है। दमकल और संबंधित टीम मामले की जांच कर रही है।

## छात्रों का सामान चुराने वाला बदमाश पकड़ा

**जयपुर** । रामनगरिया थाना पुलिस ने एसकेआईटी कॉलेज के पास पीजी में छात्रों के मोबाइल, लैपटॉप और अन्य सामान चोरी करने वाले आरोपी मोहम्मद आवेश उर्फ ओवेश उर्फ उवेश खान (22) निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश को हरियाणा के धारूहेड़ा से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 6 सितंबर को प्रियांशु पाल व अन्य छात्रों ने रिपोर्ट दी थी कि चार सितंबर की देर रात सोने के बाद सुबह उनके कमरों से आठ मोबाइल, दो लैपटॉप, स्मार्ट घड़ी और हेडफोन गायब मिले। आरोपी अपने साथियों के साथ बिजनौर से बिना नंबर की रॉयल एनफील्ड बाइक पर 500 किलोमीटर का सफर तय कर जयपुर आते थे। अलसुबह हॉस्टलों में घुसकर सो रहे छात्रों के कीमती सामान चोरी करने के बाद वापस उत्तर प्रदेश चले जाते थे। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पीछा कर आरोपी को धारूहेड़ा इंटरचेंज से पकड़ा। उसके कब्जे से 3 लाख रुपए कीमत के दो लैपटॉप, आठ मोबाइल, एक स्मार्ट घड़ी, एक हेडफोन और बिना नंबर की रॉयल एनफील्ड बाइक बरामद की गई।

## प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवक ने आत्महत्या की

**जयपुर** (कासं)। वैशाली नगर इलाके में सिरसी रोड स्थित एक होटल में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 22 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले युवक ने सोशल मीडिया पर अपनी मौत से संबंधित पोस्ट डाली थी। पोस्ट देखने के बाद उसके चचेरे भाई ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल बंद मिलने पर परिचितों के साथ होटल पहुंचकर उसकी तलाश की।

एएसआई मुकेश ने बताया कि मृतक की पहचान जयपुर ग्रामीण के नारायणा निवासी राकेश (22) के रूप में हुई है। राकेश जयपुर में पीजी में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार राकेश सिरसी रोड स्थित होटल गर्वित में पहुंचा और कमरा लिया था। उसने होटल प्रबंधन को दोस्तों के मिलने आने की बात बताई थी। इसी दौरान उसके चचेरे भाई मंगल चंद को राकेश की ओर से सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट की जानकारी मिली। पोस्ट में राकेश ने अपनी जिंदगी को लेकर निराशा जाहिर की थी और होटल का नाम-पता भी

- **सुसाइड से पहले युवक ने सोशल मीडिया पर अपनी मौत से संबंधित पोस्ट डाली थी**

बताया था। पोस्ट देखने के बाद मंगल चंद ने राकेश को फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया।

कई बार संपर्क करने के प्रयास के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। इसके बाद मंगल चंद दो-तीन परिचितों के साथ होटल पहुंचा। होटल प्रशासन से कमरे की जानकारी लेने के बाद उन्होंने कमरे के बाहर से आवाज लगाई और दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा खोलकर देखा गया तो राकेश अचेत अवस्था में मिला। सूचना पर वैशाली नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## सार-समाचार

### गोविंददेवजी के विकास का पैसा आईफा पर खर्च करने का आरोप लगाया प्रताप सिंह ने

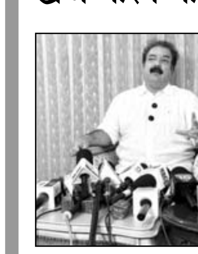

**जयपुर** । निकाय चुनाव के बीच पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने मंगलवार को अपने निवास पर प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले ढाई साल में प्रदेश की कानून-व्यवस्था और चिकित्सा व्यवस्था बदहाल हो गई है। मुख्यमंत्री को रोड शो करने के बजाय जनता की समस्याओं का जवाब देना चाहिए। खाचरियावास ने दावा किया कि राजस्थान में दुष्कर्म के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और प्रदेश इस मामले में देश में नंबर वन हो गया है। उन्होंने कहा कि जनता सरकार से सवाल कर रही है और निकाय चुनाव में वोट के जरिए जवाब देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव के दौरान खुलेआम शराब बांट रही है। पिछले चार दिनों से अलग-अलग क्षेत्रों में शराब बांटे जाने की शिकायतें मिलने का दावा करते हुए कहा कि लोगों को पूरी बोतल के बजाय पौवे दिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अंग्रेजी शराब मांगने पर देसी शराब दी जा रही है। खाचरियावास ने आरोप लगाया कि गोविंददेवजी मंदिर के विकास के लिए प्रस्तावित 100 करोड़ रुपए आईफा के आयोजन में खर्च कर दिए गए। उन्होंने कहा कि यही राशि मंदिर के विकास पर खर्च होती तो रोजाना आने वाले हजारों-लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकती थीं। उन्होंने सवाल किया कि जयपुर में कराने से आम जनता को क्या मिला।

### 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर से

**जयपुर** । राजस्थान में 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक 9वां राष्ट्रीय पोषण माह जन-आंदोलन के रूप में मनाया जाएगा। अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ 9 सितंबर को वाराणसी उत्तर प्रदेश में होगा। निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत ने बताया कि इस वर्ष अभियान का उद्देश्य आंगनबाड़ी केन्द्रों को पोषण, देखभाल एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के लिए सुदृढ़ करने के साथ समुदाय में सामूहिक जिम्मेदारी एवं स्वामित्व की भावना विकसित करना है। इस वर्ष की मुख्य थीम 'हमारी आंगनबाड़भ, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। अभियान के तहत पांच प्रमुख विषयों पर गतिविधियां होंगी। इनमें आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ताजा एवं गर्म पका भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही, बाल्यावस्था विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीपन तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मातृ स्वास्थ्य हेतु नकद हस्तांतरण शामिल हैं।

### 'प्रताप सिंह चुनावी सनसनी फैला रहे'

**जयपुर** । भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के बयानों को चुनावी सनसनी फैलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने कहा कि चुनाव के दौरान शराब बांटने जैसे गंभीर आरोप लगाना आसान है, लेकिन लोकतंत्र में आरोपों का आधार और प्रमाण भी जनता के सामने रखना चाहिए। यदि खाचरियावास के पास कोई तथ्य, वीडियो, शिकायत या प्रमाण है तो उसे संबंधित निर्वाचन एवं प्रशासनिक अधिकारियों के सामने प्रस्तुत करें। बिना प्रमाण के आरोप लगाना केवल चुनावी सनसनी पैदा करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव सरकार गिराने या मुख्यमंत्री बदलने का चुनाव नहीं है। बल्कि यह चुनाव स्थानीय निकायों का कायाकल्प का चुनाव है। भाजपा ने इसके लिए अपना संकल्प पत्र भी जारी किया है। प्रताप सिंह सहित कांग्रेस के नेता बार-बार प्रदेश की जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता अब आरोपों की राजनीति नहीं, काम की राजनीति चाहती है। प्रताप सिंह खाचरियावास द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए बगड़भ ने कहा कि निकाय चुनाव में कांग्रेस अपनी जमीन खिसकती देखकर बौखला गई है। खाचरियावास के बयान विकास और जनहित के मुद्दों पर नहीं, बल्कि केवल राजनीतिक हताशा और निराशा को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का रोड शो जनता से संवाद का माध्यम है।

### वार्षिकोत्सव और गोठ 20 सितंबर को

**जयपुर** । सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर का वार्षिक उत्सव और गोठ आगामी 20 सितम्बर, रविवार को विधाधर नगर स्थित पापड़ वाले हनुमान मंदिर में आयोजित की गई है। संस्था के महामंत्री सुरेश सारस्वत ने बताया कि इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम संपन्न होंगे। साथ ही समाज के मेघावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा।

# "किमाया रिसॉर्ट" को ब्याज के साथ प्रॉपर्टी खरीददारों को 19.60 लाख रु. चुकाने होंगे

## रेरा द्वारा सुनाए गए फैसले को हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा, 50 लाख रु. की पेनल्टी भी यथावत

-यादवेन्द्र शर्मा-

**जयपुर** । राजस्थान हाईकोर्ट ने किमाया रिसॉर्ट की रिट याचिका को खारिज करते हुए रेरा द्वारा पारित आदेश को सही ठहराया है। अदालत ने रेरा के आदेश को बरकरार रखते हुए किमाया रिसॉर्ट के निदेशकों को आदेश दिया है कि पीड़ित अनुज सिंह और स्व. सपना सिंह के वारिसों को 19 लाख 60 हजार रुपए की राशि 10.8 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाया जाए। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने रेरा द्वारा किमाया रिसॉर्ट पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाये जाने पर भी कोई राहत नहीं दी है। यह आदेश जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने 1 सिंतबर को सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में कैप्टन अनुज सिंह और स्व. सपना सिंह के वारिसों की ओर वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी.माथुर और अधिवक्ता अतिशय जैन पैरवी के लिए पेश हुए थे।

- **मामले के तथ्यों के अनुसार, किमाया रिसॉर्ट के प्रबंधकों ने खरीददार अनुज व स्व. सपना सिंह को एक प्रॉपर्टी बेचकर 10 प्रतिशत बुकिंग राशि ली थी, लेकिन प्रॉपर्टी का पजेशन सौंपने के बजाय उनसे पुनः इस प्रॉपर्टी को कमर्शियल उपयोग के लिए लीज पर देने के लिए अनुबंध का दबाव बनाया था।**
- **मामला जब रेरा के समक्ष पहुंचा तो रेरा ने 16 अप्रैल 2026 को आदेश देते हुए किमाया रिसॉर्ट पर 50 लाख रुपए की पेनल्टी लगायी थी। साथ ही पीड़ितों को 19 लाख 60 लाख रुपए की राशि 10.8 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाने के आदेश दिए थे।**

इस मामले के तथ्यों के अनुसार, याचिकाकर्ता किमाया रिसॉर्ट के निदेशकों का कहना था कि, उन्होंने न्यू वर्ल्ड जयपुर रिसॉर्ट के नाम से प्रोजेक्ट शुरू किया था, जिसमें आवासीय व कमर्शियल प्रॉपर्टी बेची जा रही थी। जैसा कि विदित है कि किमाया रिसॉर्ट के प्रबंधकों ने खरीददार अनुज व स्व. सपना सिंह को एक प्रॉपर्टी बेची, जिसके बदले 10 प्रतिशत राशि बतौर बुकिंग अमाउंट ले ली। तय समय पर प्रॉपर्टी का पजेशन (कब्जा) सौंपने के बजाय उनसे पुन: इस प्रॉपर्टी को कमर्शियल उपयोग के लिए लीज पर देने के लिए अनुबंध करने का दबाव बनाया। इस पर पीड़ित अनुज सिंह व स्व. सपना सिंह की ओर से रेरा में भी शिकायत की गई। रेरा के समक्ष मामला पहुंचने पर यह तथ्य सामने आया कि, प्रॉपर्टी बेचान का जो अनुबंध किया गया था, वह सेल डीड के स्टांप पेपर पर किया गया था। इससे स्पष्ट हो गया था कि प्रॉपर्टी बेचान के उद्देश्य से ही एग्रीमेंट हुआ था, जबकि किमाया रिसॉर्ट ने रेरा में साफ कहा था कि यह रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं है, इसलिए यह विवाद तय करना रेरा के कार्यक्षेत्र के बाहर है। इस पर रेरा ने साफ-साफ कहा कि, जो भी एग्रीमेंट आपके और प्रॉपर्टी खरीददारों के बीच हुए है, इससे साफ-साफ जाहिर होता कि प्रॉपर्टी बेचान का मामला है, इसलिए रेरा के नियम कायदे यहां लागू होंगे। उन्होंने प्रोजेक्ट को रेरा में पंजीकृत करवाने के आदेश दिए। साथ ही रेरा ने 16 अप्रैल 2026 को इस मामले में सुनवाई करते हुए किमाया रिसॉर्ट पर 50 लाख रुपए की पेनल्टी लगायी थी। साथ ही पीड़ित अनुज सिंह और स्व. सपना सिंह के परिजनों को 19 लाख 60 लाख रुपए की राशि 10.8 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाने के आदेश दिए थे। रेरा ने इन आदेशों की पालना 45 दिन में करने के लिए भी बाध्य किया था।

रेरा के इस आदेश को चुनौती देते हुए किमाया रिसॉर्ट ने हाईकोर्ट में रिट दायर की थी। परंतु हाईकोर्ट ने किमाया रिसॉर्ट को राहत देने से साफ इनकार कर दिया। साथ ही रेरा द्वारा पारित आदेश को सही ठहराते हुए बरकरार रखा। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि, इस मामले में यह तय करना कि, रेरा का कार्यक्षेत्र है अथवा नहीं, यह विवाद पूरे मामले की तह तक जाता है। इस विषय पर रेरा ने काफी विस्तृत आदेश दिया है कि, इस प्रोजेक्ट में प्रॉपर्टी की खरीद-बेचान का मामला है, इसलिए रेरा का कार्यक्षेत्र यहां लागू होता है। अदालत ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता किमाया रिसॉर्ट को रेरा के आदेश पर आपत्ति है तो अपीलीय अधिकरण में इसे चुनौती दे सकता है।

## डब्ल्यूटीपी मॉल में फूड आउटलेट्स का निरीक्षण

**जयपुर**। 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को डब्ल्यूटीपी मॉल के फूड कोर्ट में करीब दो दर्जन रेस्टोरेंट और फूड आउटलेट्स का सघन निरीक्षण किया। कार्रवाई अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड़ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल के नेतृत्व में की गई। निरीक्षण के दौरान पिज्जा एक्सप्रेस में वेज और नॉनवेज पिज्जा व अन्य खाद्य सामग्री एक ही किचन में बिना पार्टीशन, एक ही ओवन और पास-पास रखे फ्रायर में तैयार होते मिले। दोनों तरह की खाद्य सामग्री के लिए अलग फ्रिज की व्यवस्था भी नहीं थी। इसके अलावा फर्म के खाद्य लाइसेंस में नॉनवेज खाद्य सामग्री की अनुमति नहीं ली गई थी। टीम ने मौके पर नॉनवेज व्यंजनों की बिक्री पर रोक लगाते हुए तैयार नॉनवेज खाद्य सामग्री को किचन से हटाकर कोल्ड स्टोर में रखवाया। फर्म को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सुधार नोटिस दिया गया है। मौके से इस्तेमाल किए गए रिफाइंड तेल का नमूना भी लिया गया। टीम ने इंग्लिश रसोई से रिफाइंड सोयाबीन तेल, वेजिटेरियन रेस्टोरेंट से ग्रेवी तथा कैलाश परबत से पनीर और दही के नमूने लिए। नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा।

## International Sudoku Day - Celebrating the Puzzle of Logic

Observed every year on September 9, International Sudoku Day celebrates the world's most loved number puzzle that blends fun with brainpower. Sudoku, originating from Japan, challenges players to fill a 9x9 grid using logic and reasoning, making it a global symbol of mental agility. Beyond being a pastime, it sharpens memory, improves concentration, and reduces stress, appealing to all age groups. On this day, puzzle enthusiasts gather online and offline to take part in contests, share solving strategies, and enjoy the thrill of cracking patterns. International Sudoku Day honours logic, patience, and the joy of problem-solving.

#GENUINE JAMDANI

# Nita Ambani's Red Jamdani Saree

The question everyone seemed to ask was simple: Was it a genuine handwoven Jamdani or just a powerloom imitation?

When Nita Ambani stepped out in a striking red saree during the Ambani family's Akshaya Tritiya celebrations in late April 2026, the internet took notice. From morning rituals and a sacred fire sacrifice (havan) to serving meals to children and, later in the evening, visiting Mumbai's Siddhivinayak Temple with family members, the elegant red drape remained a constant throughout the day. While the celebrations themselves drew attention, it was the saree that sparked an unexpected debate across social media, particularly in Bangladesh.

The question everyone seemed to ask was simple: Was it a genuine handwoven Jamdani or just a powerloom imitation?

### The Debate

Soon after photographs of Nita Ambani surfaced, social media platforms were flooded with opinions. Many admired the timeless elegance of the saree, while others questioned its authenticity. Some believed that it was a powerloom replica inspired by traditional Jamdani weaving. Others insisted that it was an authentic handloom creation from Bangladesh.

The discussion quickly grew beyond fashion, touching on craftsmanship, heritage, and the identity of one of South Asia's most celebrated textile traditions.

### The Story Behind the Saree

According to information shared within the handloom community, the saree was purchased from Meera Basu Sarees, a Kolkata-based boutique known for sourcing authentic handcrafted textiles. Although sold through the Kolkata store, the saree itself was reportedly procured from Dhaka, Bangladesh, the historic heartland of authentic Jamdani weaving.

It is also understood that the saree was purchased by Radhika Ambani during a visit to Kolkata in April 2026 before becoming part of Nita Ambani's festive wardrobe.

### Why It Is Considered a Genuine Jamdani

The saree is understood to be an authentic Bangladeshi handloom Jamdani rather than a powerloom reproduction. Jamdani weaving is among the most intricate textile traditions in the world. Every motif is woven by hand, with artisans painstakingly inserting extra weft threads one by one instead of relying on printed or mechanically produced designs. This labour-intensive process can take weeks or even months, depending on the complexity of the pattern.

Interestingly, the saree worn by Nita Ambani was not an ultra-exclusive collector's piece laden with elaborate motifs. Instead, it represented what many weavers describe as a basic or entry-level Jamdani, showcasing understated elegance rather than excessive ornamentation. That choice is perhaps what made it remarkable.

### Simplicity Over Luxury

Nita Ambani has access to some of the world's finest couture and the most exclusive handwoven textiles. Yet, for an important religious occasion, she reportedly chose a relatively simple Jamdani instead of an extravagant masterpiece.

The selection highlights an important aspect of authentic handloom appreciation: the beauty of Jamdani does not always lie in its price tag or density of motifs. Sometimes, the finest statement is made through simplicity, craftsmanship, and cultural authenticity.

### Handloom vs. Powerloom: How to Tell the Difference

The debate surrounding this saree also reflects a larger issue facing traditional textiles today.

An authentic handloom Jamdani typically features:

- Hand-inserted motifs woven individually into the fabric.
- Slight natural variations that reflect handmade craftsmanship.
- A softer, more organic drape.
- Fine detailing that often appears identical on both sides because the motifs are woven, not printed.

Powerloom versions, while visually similar from a distance, are mechanically produced. They are faster and cheaper to manufacture but lack the painstaking artistry and individuality of genuine handwoven Jamdani.

### More Than Just a Saree

Whether intentionally or not, Nita Ambani's appearance brought international attention to Bangladeshi Jamdani weaving. The online conversations that followed reflected not only admiration for her style but also renewed interest in one of the world's oldest living weaving traditions.

For artisans in Dhaka and the wider Bangladeshi handloom community, such visibility can be significant. Every conversation about authentic Jamdani helps draw attention to the generations of skilled weavers who continue to preserve this extraordinary craft.

# Can Law Beat Time!

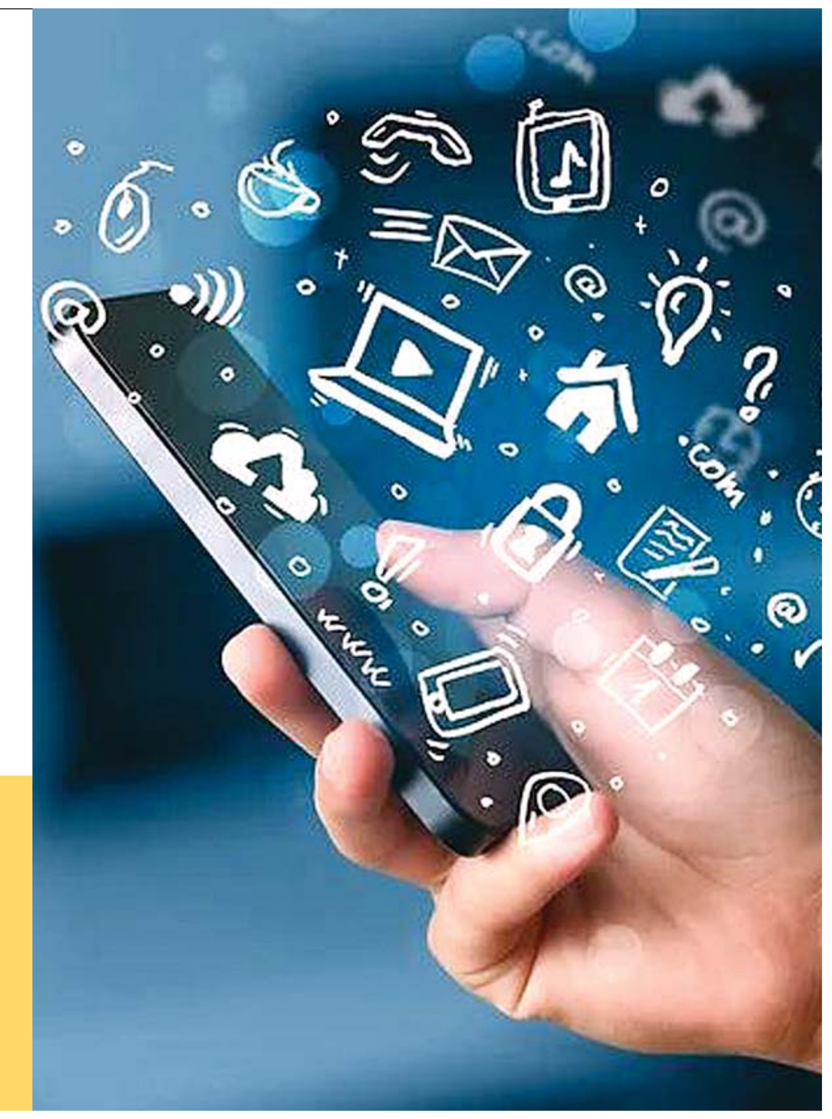

Surveys suggest a majority of Indian smartphone users now believe, rightly or not, that they are being listened to. When that many citizens have lost faith in the boundary between their public and private lives, the law's job is not to explain away the discomfort but to close the gap that is causing it, whether that gap concerns cross-border data transfers, which remain unregulated, or the "significant data fiduciaries" whom the DPDP Act still has not identified more than three years after being passed.

Adv. Shashank Agarwal
*(Ex Sr Vice President of the High Court Bar Association)*

Times are changing. The question worth asking, especially from where I sit, is whether we, and the law meant to govern us, are changing at the same pace.

Consider what has happened within a single working lifetime. The landline gave way to the cordless phone, which gave way to the first generation of mobile phones, which gave way to the smartphone, which has now given way to phones with artificial intelligence built directly into them. Each of those transitions once felt like a generation apart. Now, they arrive one after another, almost without pause. Technology is accelerating at a pace human beings and the institutions we build to govern ourselves were simply not designed to absorb.

You can see this most clearly across generations living under the same roof. Children of what is now being called Generation Alpha have never dialled a rotary phone and would not recognise a dial-up internet tone if they heard one. Try explaining to a ten-year-old that a desktop computer once came with a few megabytes of memory, less than a single photograph takes up today, and you will be met with polite disbelief. Generation Z, meanwhile, has an opinion on everything, yet increasingly chooses the curated version of a life lived on a social media feed over the harder, slower commitments of marriage and family. Ask a classroom today what they want to become, and "doctor" or "civil servant" competes, and often loses, against "influencer" or "YouTuber."

What ought to concern us as a society is that this is not confined to any one class. It has spread across daily-wage earners, students, senior citizens and the elite alike, indifferent to income or education, the way very few social changes ever are. And before most of us even noticed, it had already reshaped something as basic as our attention span. Studies and everyday experience now converge on the same uncomfortable number: thirty seconds. That is roughly the length of an Instagram, Facebook or YouTube reel, and even within that short window, the decision to keep watching or scroll away is made in the first three to five seconds. We have, in effect, outsourced the question of what is worth our attention to an algorithm that answers it faster than we can consciously think. Waking up to a screen and going to sleep by the light of one are no longer exceptions; they are the rule, and they are early symptoms of something we would do well to treat as seriously as any other addiction, precisely because we currently exercise so little control over it.

#SMART?

> Children are being handed smartphones, tablets and smartwatches earlier than any generation before them, and while some of that may be unavoidable in a connected household, we should be honest about a simple truth of parenting: children do not learn from what we tell them; they learn from what they watch us do. If the adults in the room are reaching for a screen the moment there is a lull in conversation, no amount of lecturing about screen time will undo the example being set.

Children are being handed smartphones, tablets and smartwatches earlier than any generation before them, and while some of that may be unavoidable in a connected household, we should be honest about a simple truth of parenting: children do not learn from what we tell them; they learn from what they watch us do. If the adults in the room are reaching for a screen the moment there is a lull in conversation, no amount of lecturing about screen time will undo the example being set.

This is where the law enters the picture, and where, I would suggest, it is currently losing the race. India has for the first time a comprehensive data protection statute in the Digital Personal Data Protection Act, 2023, and as of this year, it is formally in force, with its Rules notified and a Data Protection Board established on paper. That Act does contain a genuinely useful provision: Section 9 flatly prohibits any entity from tracking, behaviourally profiling, or serving targeted advertisements to anyone under eighteen, even where a parent has consented, because some harms to a child are not the kind consent should be allowed to waive. It is a rare instance of the law getting ahead of a problem rather than limping behind it. But look closely and the gap reappears: the Board that is supposed to hear complaints and impose penalties under this Act still has no Chairperson and no Members appointed. We have, in other words, been given a right on paper with no functioning forum to enforce it, which is very close to having no right at all.

The same pattern repeats with artificial intelligence. Many of us watched Hollywood films two or three decades ago in which computers spoke, thought and acted like human beings, and it felt like pure fantasy. We are now watching it happen within our own lifetime, and India, notably, still has no dedicated law governing artificial intelligence. What exists is a set of non-binding government guidelines issued last November, and an amendment to the IT Rules earlier this year that requires large platforms to label AI-generated content and take down the most harmful synthetic media, such as non-consensual deepfakes. A proposed law on the ethics and accountability of artificial intelligence remains under discussion, not on the statute book. Compare this to the European Union, which has already enacted a comprehensive AI statute grading systems by risk, and the distance we still have to travel becomes obvious.

Then, there is the unease so many of us have felt but struggled to name: the sense that our phones are listening to us, because an advertisement for something we merely spoke about aloud appears within the hour. As a matter of fact, most credible technical assessments suggest that our phones are usually, not literally, recording our conversations for this purpose they do not need to. Between location data, browsing history, app permissions we clicked "allow" on without reading, and the online behaviour of the people in our social circle, data-driven systems can predict what we want with unsettling accuracy without ever switching on a microphone. But here is the point worth making as a lawyer rather than an engineer: whether the intrusion comes from a live microphone or from an algorithm quietly stitching together a hundred smaller permissions we never meaningfully consented to, the underlying harm to our privacy is the same. Surveys suggest a majority of Indian smartphone users now believe, rightly or not, that they are being listened to. When that many citizens have lost faith in the boundary between their public and private lives, the law's job is not to explain away the discomfort but to close the gap that is causing it, whether that gap concerns cross-border data transfers, which remain unregulated, or the "significant data fiduciaries" whom the DPDP Act still has not identified more than three years after being passed.

None of this is an argument that legislation is absent. It is an argument that legislation is late, incomplete, and under-resourced at the very moment it is needed most, which amounts to much the same thing for the person whose data has already been misused or whose child has already spent a formative year of their life inside a feed engineered to be unputdownable. We did not ask to be part of this experiment, and no one currently governing it has asked our permission either.

The pace of technological change may genuinely be beyond any legislature's ability to fully anticipate. But there is a difference between a law that struggles to keep up and a law that has not yet turned up at all. India managed to pass a data protection statute and begin regulating deepfakes within the same decade that smartphones rewired an entire generation's habits; it can move faster still on staffing the bodies meant to enforce these laws, and on the artificial intelligence statute that is still sitting in draft. Until it does, we remain, as things stand, largely at the mercy of whichever technology arrives next and that is a conversation citizens, not just courts and companies, need to be having far more loudly than we currently are.

rajeshsharma1049@gmail.com

#EMILY WARREN ROEBLING

# The Woman Who Helped Build the Brooklyn Bridge

She studied engineering, construction methods and bridge design so that she could understand Washington's instructions and communicate them

In 1869, German-American engineer John A. Roebling began designing what would become one of the most ambitious engineering projects of the nineteenth century: the Brooklyn Bridge.

The plan was extraordinary. A massive suspension bridge would span the East River, connecting Manhattan and Brooklyn. At a time when many considered such a structure almost impossible, Roebling believed it could be done.

But he would never see his bridge completed. While surveying the project, Roebling suffered a terrible accident. His foot was crushed against a ferry dock. Despite treatment, the injury became infected with tetanus, and just three weeks later, Roebling died. The responsibility for the enormous project then passed to his son, Washington Roebling.

Washington inherited not only his father's plans but also the challenge of turning them into reality. The bridge required enormous stone towers and deep foundations beneath the East River. Workers descended into pressurized underwater chambers called caissons, excavating the riverbed so that the foundations could be built on solid ground.

The deeper they went, the more dangerous the work became. Workers faced darkness, flooding, explosions, fires and the deadly effects of working under compressed air. Many suffered from what was then poorly understood as "caisson disease," now known as decompression sickness.

Washington Roebling spent countless hours supervising the construction and inspecting the dangerous underwater work. Then, disaster struck again.

Roebling himself became seriously ill, apparently suffering from decompression sickness after spending time inside the caissons. His condition deteriorated so badly that he could no longer regularly visit the construction site.

For many men of the era, this might have meant the end of the project. But the Roebling family had another engineer. Emily Warren Roebling, Washington's wife, stepped forward. Emily was not formally trained as a civil engineer in the way her husband and father-in-law were. Yet, she began learning the technical details of the project herself. She studied engineering, construction methods and bridge design so that she could understand Washington's instructions and communicate them to the men working on the bridge.

From Washington's sickroom, she became his connection to the construction site.

She carried messages and instructions between her bedridden husband, the engineers and the workers. She dealt with suppliers, contractors and officials, while helping coordinate the enormous undertaking. Over time, Emily became far more than a messenger. She developed a detailed understanding of suspension-bridge construction and helped solve practical problems as they emerged. While Washington remained the project's chief engineer, Emily became an indispensable figure in its day-to-day progress.

The construction continued for years. Fourteen years after work began, the Brooklyn Bridge finally opened in 1883. It was an engineering marvel: enormous stone towers rising above the East River, connected by a web of steel cables and a roadway suspended high above the water. And when the bridge opened, Emily Roebling was the first person to cross it.

Her role was eventually recognized publicly, although history for many years focused primarily on the Roebling men.

The Brooklyn Bridge became a symbol of American engineering ambition. Its construction had survived the death of its original designer, a devastating accident, dangerous underwater work and the illness of its chief engineer.

But the bridge also carried another story across the East River. Behind one of America's greatest engineering achievements stood a woman who taught herself the technical language of the project, coordinated its people and helped keep it alive when its leaders could no longer do so themselves.

The Brooklyn Bridge was built from stone, steel and cable.

But it was also held together by determination, ingenuity and the remarkable persistence of Emily Warren Roebling.

## THE WALL

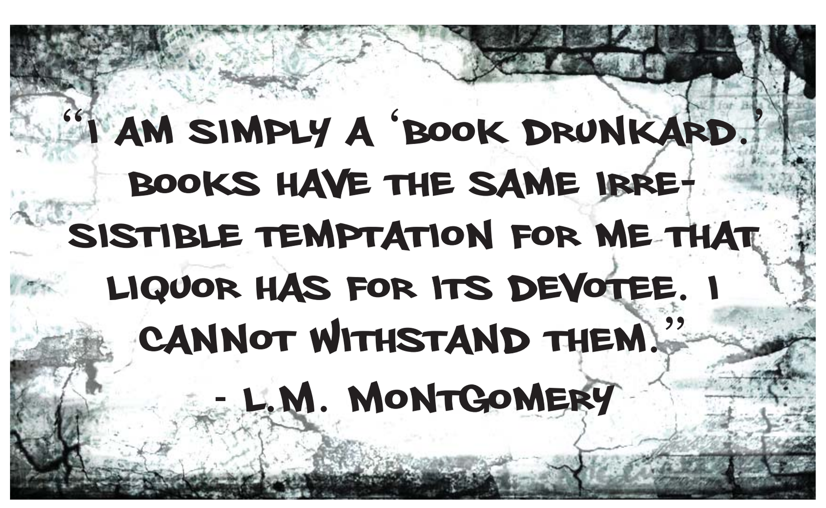


## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

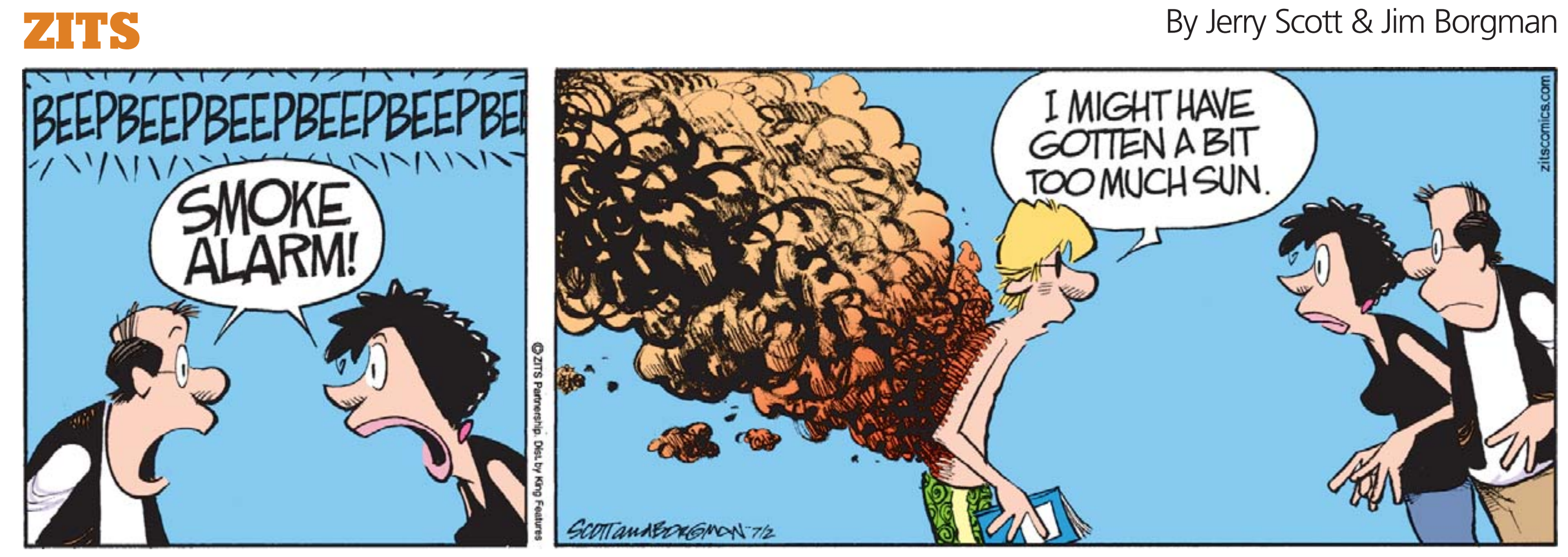

# आबू में मिला ब्रिटिशकाल में लगाया गया देश का दूसरा सबसे मोटा ''सफेदा वृक्ष''

## माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य में 150 साल पहले लगाया गया था ''सफेदा वृक्ष''

**जयपुर/जालौर।** राजस्थान की प्राकृतिक और वन विरासत को लेकर एक महत्वपूर्ण खोज सामने आई है। सिरोही जिले के माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य में ब्रिटिशकाल में लगाया गया करीब 150 वर्ष पुराना सफेदा (यूकेलिप्टस) वृक्ष देश का दूसरा सबसे मोटा सफेदा वृक्ष पाया गया है। इसकी खोज और रिकॉर्ड संबंधी पड़ताल उदयपुर के वन विशेषज्ञ एवं पूर्व वन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा ने की है। माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के उप वन संरक्षक अनिल गुप्ता की सूचना के बाद डॉ. शर्मा ने मौके पर पहुंचकर वृक्ष का अध्ययन किया और इसके माप-आंकड़ों का राष्ट्रीय

- **करीब 150 वर्ष पुराने सफेदा (यूकेलिप्टस) वृक्ष की खोज और रिकॉर्ड संबंधी पड़ताल उदयपुर के वन विशेषज्ञ एवं पूर्व वन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा ने की**

रिकॉर्ड से मिलान किया। पुलिस मुख्यालय, राजस्थान में अतिरिक्त निदेशक (जनसम्पर्क) और प्रसिद्ध प्रकृति विज्ञानी डॉ. कमलेश शर्मा ने इस उपलब्धि को राज्य की जैव विविधता और समृद्ध खोज परम्परा के लिए गौरव का क्षण बताया है।

डॉ. शर्मा के शोध के अनुसार आबू पर्वत का यह विशाल सफेदा वृक्ष लगभग 150 वर्ष पुराना, करीब 20 मीटर ऊंचा है। इसकी वृक्ष ऊंचाई (छाती की ऊंचाई) पर परिधि 4.55 मीटर दर्ज की गई है। यही आंकड़ा इसे देश के विशाल सफेदा वृक्षों में दूसरे स्थान पर पहुंचाता है। खास बात यह है कि राष्ट्रीय रिकॉर्ड में दर्ज देश के सबसे मोटे सफेदा वृक्ष से आबू का यह वृक्ष महज 15 सेंटीमीटर पीछे है।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड के अनुसार आंध्र प्रदेश के अनामैया जिले की मदनपल्ली रेंज स्थित हॉर्सली हिल पर देश का सबसे मोटा सफेदा वृक्ष दर्ज है। हिल स्टेशन के नाम पर इसका नाम हॉर्सली हिल रखा गया। वर्ष 1859 में तत्कालीन चित्तूर जिले के कलेक्टर डब्ल्यू. एच. हॉर्सले ने वहां यूकेलिप्टस ग्रैंडिस प्रजाति का पौधा लगाया था। वर्ष 1995 में भारत सरकार ने इस वृक्ष को देश का सबसे बड़ा सफेदा वृक्ष घोषित करते हुए महावृक्ष पुरस्कार प्रदान किया था। उस समय वृक्ष की आयु करीब 136 वर्ष, ऊंचाई 36 मीटर और वक्ष ऊंचाई पर परिधि 4.38 मीटर दर्ज की गई थी। वर्तमान में इसकी आयु करीब 167 वर्ष, ऊंचाई लगभग 40 मीटर और परिधि 4.70 मीटर बताई गई है। आबू के सफेदा वृक्ष की खासियत उसकी मोटाई के साथ-साथ उसकी संरचना भी है। डॉ. सतीश कुमार शर्मा के अनुसार वृक्ष के तने पर करीब तीन मीटर तक कोई शाखा नहीं है। इसके बाद तना कई शाखाओं में विभाजित हो जाता है। इतनी उम्र के बावजूद वृक्ष का खड़ा होना और उसका विशाल आकार आबू पर्वत की अनूठी जलवायु और यहां मौजूद पुराने वृक्षों की विरासत को सामने लाता है।

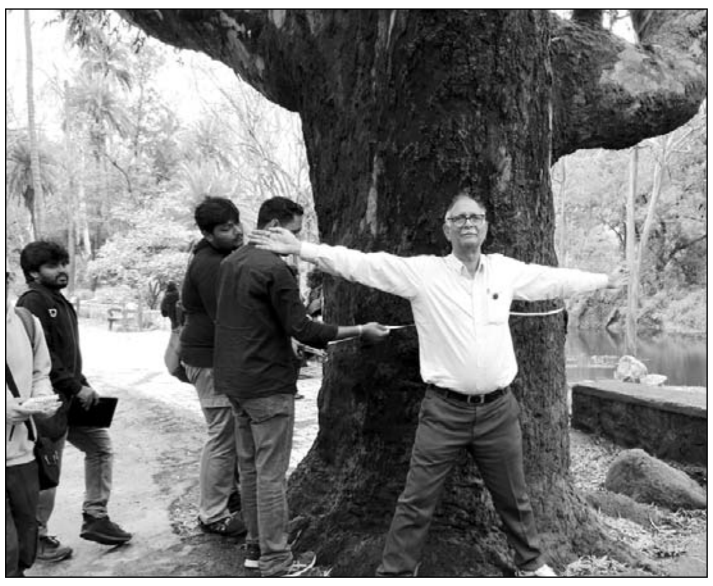

माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के उप वन संरक्षक अनिल गुप्ता की सूचना के बाद डॉ. शर्मा ने मौके पर पहुंचकर वृक्ष का अध्ययन किया।

ब्रिटिशकाल में लगाया गया 150 वर्ष पुराना सफेदा ( यूकेलिप्टस ) वृक्ष।

डॉ. शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध महावृक्ष रिकॉर्ड से इसके आंकड़ों का मिलान कर इस वृक्ष की अहमियत सामने रखी है। उनके अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि आबू का यह पेड़ केवल राजस्थान का विशालतम सफेदा ही नहीं, बल्कि मोटाई के लिहाज से देश की महत्वपूर्ण वृक्ष विरासतों में शामिल है।

इस महत्वपूर्ण खोज के बाद वन विभाग द्वारा वृक्ष के संरक्षण की दिशा में कदम उठाए जाने की तैयारी है। वृक्ष के समीप सूचना पट्ट (साइन बोर्ड) लगाने की योजना है, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को राजस्थान की इस दुर्लभ वृक्ष विरासत के बारे में जानकारी मिल सके। डॉ. शर्मा का कहना है कि ऐसे पुराने और विशाल वृक्ष केवल पेड़ नहीं, बल्कि किसी क्षेत्र के प्राकृतिक इतिहास के जीवंत दस्तावेज होते हैं। इनका वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है।

माउंट आबू में मिला यह सफेदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि देश के सबसे मोटे सफेदा वृक्ष और इसके बीच अब अंतर महज 15 सेंटीमीटर रह गया है। ऐसे में डॉ. सतीश कुमार शर्मा का यह शोध राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण वन-विरासत उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है।

# जोधपुर में स्टेट हाइवे के पेट्रोल पंप पर लूट

जोधपुर, (कासं)। शहर के विवेक विहार पुलिस थाना क्षेत्र में स्टेट हाईवे पर आए एक पेट्रोल पंप पर नकाबपोश बदमाशों ने आतंक मचाते हुए लूटपाट की। बदमाश अपने साथ तलवारें और चाकू लेकर आए। पंप पर कार्यरत स्टाफ से 7300 रूपए और दो मोबाइल लूट कर ले गए। घटना को लेकर विवेक विहार थाने में रिपोर्ट दी गई है। घटना कल रात एक बजे के आस पास होना बताया गया है। फिलहाल पुलिस अब एक बिना नंबर सफेद रंग की कार की तलाश में जुटी है।

विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि गुढ़ा विश्नोईयान पूनियों की ढाणी निवासी मंगलाराम पुत्र चोखाराम बिश्नोई ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया है कि उसका विजय फिलिंग स्टेशन गुड़ा से डांगियावास रोड (स्टेट हाईवे 68) पर स्थित है। कल मध्यरात्रि लगभग 12 से 1 बजे के बीच सफेद रंग की एक कार उनके पेट्रोल पंप पर आकर रुकी, जिस पर आगे और पीछे कोई नंबर प्लेट नहीं लगी थी। कार से उतरे दो बदमाशों के हाथों में तलवार, गंडासा और चाकू जैसे घातक हथियार थे। बदमाशों ने ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ सुंदरलाल को जगाया और चाकू दिखाकर पैसे देने को कहा। जब सुंदरलाल ने मना किया, तो उन्होंने जान से मारने की धमकी देकर डर दिखाया और 7,300 रुपये नकद तथा दो मोबाइल फोन छीन लिए। सुंदरलाल के चिल्लाने पर पास के कमरे में सो रहे पेट्रोल पंप मैनेजर बाबूराम दौड़कर बाहर आए। उन्हें आता देख एक बदमाश तलवार लेकर उन्हें मारने दौड़ा, जिस पर मैनेजर ने डंडे से अपना बचाव किया।

रिपोर्ट में बताया कि जब दोनों बदमाश कार में बैठकर भागने लगे, तो पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया और कार पर डंडा मारा, जिससे कार का कांच टूट गया। इसके बावजूद बदमाश मौके से भाग निकले। घटना की सूचना पर पुलिस वहां पहुंची और मुआयना किया। इस बारे में अब एएसआई मुकेश कुमार की तरफ से जांच की जा रही है।

# अवैध शराब सहित दो गिरफ्तार

**मण्डावा, (निसं)।** अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ मण्डावा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से अंग्रेजी शराब के 46 पव्वे और बीयर की 12 बोतलें बरामद की हैं। शराब के परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 7 सितंबर को थानाधिकारी चन्द्रभान मय जाप्ता गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर अवैध शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल को रूकवाकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान बाइक सवार असलम पुत्र घासी खां (42) निवासी वार्ड नंबर 22, कस्बा मण्डावा तथा गौरव पुत्र पवन (30) निवासी वार्ड नंबर 22, कस्बा मण्डावा के कब्जे से शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बिना लाइसेंस/अनुमति शराब अपने कब्जे में रखने एवं उसका अवैध परिवहन करने के आरोप में अभियोग पंजीबद्ध कर दोनों को गिरफ्तार किया।

# अजमेर में कांग्रेस ने 37 सदस्यों को छह साल के लिए निष्कासित किया

**अजमेर, (निसं)।** अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कड़े निर्देशों की पालना करते हुए, अजमेर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) ने 37 सदस्यों को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है।

अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव महेन्द्र चौधरी द्वारा 8 सितंबर को जारी निष्कासन आदेश के अनुसार, इन सदस्यों पर अधिकृत उम्मीदवारों के सामने बागी प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का आरोप है। इसके अलावा, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संगठन विरोधी

- **जारी निष्कासन आदेश के अनुसार, इन सदस्यों पर अधिकृत उम्मीदवारों के सामने बागी प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का आरोप है**

गतिविधियों में लिप्त रहकर पार्टी को नुकसान पहुंचाने के कारण यह कार्रवाई की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि संगठन में अनुशासन ही सबसे बड़ी शक्ति है और अनुशासनहीनता को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

**इन सदस्यों को किया गया निष्कासित :-** पार्टी से 6 साल के लिए बाहर किए गए सदस्यों की सूची में बनवारी लाल शर्मा, ओम प्रकाश मंडावरा, रविप्रकाश शर्मा, निखिल टंडन, पायल जैन, कैलाश कोमल, पप्पू कुरैशी, मोहम्मद आजाद, आफरीन बीबी, विनय धौलखडिया, सैयद मुजादीप काजमी, अजमद उसेना, अली नासिर, पूरण सेन, हीरालाल, आकृति गहरवाल, सविता रानी, मनमोहन, गितिका, रेखा पिंगोलिया, संजय यादव, धर्मीचन्द यादव, रिक्की जोनवाल, पंकज जोनवाल, सुनीता, देमेन्द्र सिंह, मनोज ज्योतियाना, बीना टाक, उत्तम गोस्वामी, सुमन जगरवाल, योगेश गोठवाल, तिपाशा खिंची, गायत्री देवी, रेश्मा लखन, स्नेलता नागौरी, हितेश्वरी टांक और हिमांशु गर्ग के नाम शामिल हैं।

# उदयपुरवाटी में 7.70 लाख की संदिग्ध नकदी जब्त

**उदयपुरवाटी, (निसं)।** नगरीय निकाय चुनाव 2026 को लेकर पुलिस की सघन निगरानी के बीच उदयपुरवाटी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 लाख 70 हजार 400 रूपये की संदिग्ध नकदी जब्त की है। पुलिस ने राशि को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को उप निरीक्षक संतोष मय जाप्ता वाहन 112 से थाना उदयपुरवाटी से रवाना होकर भैरूघाट उदयपुरवाटी में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने इनोवा कार को रूकवाकर उसकी जांच की। वाहन की पीछे की डिग्गी में रखे एक बैग की तलाशी लेने पर उसमें 7,70,400 रूपये नकद मिले। इतनी बड़ी राशि के संबंध में पुलिस ने चालक से पूछताछ

- **वाहन की पीछे की डिग्गी में रखे एक बैग की तलाशी लेने पर नकदी मिली**

की, लेकिन चालक राशि के संबंध में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दे सका। नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर संदिग्ध रूप से नकदी का परिवहन किए जाने तथा राशि के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस ने पूरी रकम जब्त कर ली। जब्त राशि के स्त्रोत और उसके संबंध में अन्य तथ्यों की जांच जारी है। नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए पुलिस द्वारा नाकाबंदी एवं वाहन चेकिंग के जरिए संदिग्ध नकदी और अन्य गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई गई है।

# बीकानेर में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन भाइयों को कुचला, मौत

**बीकानेर, (निसं)।** बाइक पर जा रहे तीन चचेरे भाइयों की सड़क हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। तीनों भाई किसी कार्यक्रम में शामिल होकर गांव लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा जोधपुर हाईवे पर पलाना और उदयरामसर के बीच गंगाशहर थाना इलाके में रात करीब 1 बजे हुआ। पुलिस ने शव पीबीएम हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन और उसके ड्राइवर का पता लगाने में जुटी है।

गंगाशहर थानाधिकारी गणेश बिश्नोई ने बताया कि स्वरूपदेसर निवासी चन्दाराम, तोलाराम और

- **तीनों चचेरे भाई किसी कार्यक्रम में शामिल होकर गांव लौट रहे थे**
- **हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने गंगाशहर पुलिस को सूचना दी**

महेंद्र सिहाग की मौत हुई है। तीनों चचेरे भाई पलाना (नोखा रोड पर) में किसी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से लौटते समय जैन समाज के एक भवन के पास भारी वाहन ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया। तीनों के सिर में गंभीर चोटें आईं। काफी देर तक खून बहता रहा। अधिक खून बहने के कारण तीनों ने मौके पर दम तोड़ दिया। हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने गंगाशहर पुलिस को सूचना दी। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि हादसे में गलती किसकी थी, क्योंकि बाइक सवार तीनों युवकों की मौत हो चुकी है। स्वरूपदेसर गांव के लाधुराम सियाग के तीन बेटे हैं। हादसे में उनके तीनों बेटों के एक-एक बेटे की मौत हो गई। तीनों युवक विवाहित थे। करीब दो साल के अंतराल में उनकी शादी हुई थी। तीनों किराना की दुकान पर काम करते थे।

# दो लोगों के बैंक खाते से लाखों की रकम पार

**जोधपुर, (कासं)।** साइबर बदमाशों ने जिला पश्चिम में दो जनों को साइबर फ्रॉड का शिकार बना डाला। शातिरों ने उनके बैंक खातों से दो लाख से ज्यादा की रकम को पार कर लिया। एसओजी की तरफ से जीरो नंबर एफआईआर पर अब संबंधित थानों में रिपोर्ट दी गई है। पीड़ितों में एक नौकरी पेशा व्यक्ति है, जबकि दूसरी वृद्ध महिला बताई जाती है। पुलिस ने साइबर ठगी के संबंध में जांच आरंभ की है।

भगत की कोठी पुलिस ने बताया कि मधुबन हाउसिंग बोर्ड डीडीपी नगर निवासी परिवादी गौतम चंद गौड़ पुत्र पारसमल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी माताजी सुमित्रा देवी के खाते से 28 अगस्त को फोन-पे के माध्यम से 1 लाख रुपए किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। परिवादी के अनुसार उसे इस लेन-देन की जानकारी नहीं थी। रिपोर्ट में बैंक खाते से हुई संदिग्ध निकासी को लेकर जांच की मांग की गई है। पुलिस अब बैंक खाते, फोन-पे लेन-देन और संबंधित मोबाइल नंबरों की जानकारी जुटाकर यह पता लगाने में जुटी है कि रकम किसके खाते में और किस तरीके से ट्रांसफर हुई। जांच सहायक उप निरीक्षक अरमोश सिंह की तरफ से की जा रही है।

वहीं सरदारपुरा पुलिस के अनुसार मोटर गैराज खानपुर झालावाड़ हाल सरदारपुरा, बी रोड निवासी सुरेश पुत्र बाबूलाल तंबोली ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह नौकरी करता है। 17 अगस्त को अज्ञात शख्स द्वारा उसके बैंक एकाउंट से एक लाख रूपए ट्रांसफर कर लिए गए। पता लगने पर उसके द्वारा साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी गई थी। सरदारपुरा जांच में जुटी है।

# अवैध एमडीएमए के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर डबोक थानाधिकारी गोपालनाथ, डीएसटी टीम प्रभारी निरीक्षक भरत योगी मय टीम ने कार्यवाही करते हुए मुखबिर की सूचना विशेष नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार दो व्यक्ति को रोक तलाशी ली तो इनके कब्जे से 6.04 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएम बरामद हुई। पुलिस ने बाइक व मादक पदार्थ जब्त कर राजकुमार पुत्र पोखर निवासी पालवास खुर्द डबोक, सुरेश पुत्र पूथाराम निवासी बैकारी नगरी डबोक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया। वहीं भुपालपुरा थानाधिकारी रतनसिंह मय टीम ने डोडा तस्करी में वांछित आरोपी बाबुलाल कीर उर्फ फुफा पुत्र चुन्नीलाल कीर निवासी कीर खेड़ा वल्लभनगर, अजय जाट पुत्र रामलाल जाट निवासी बोहेडा बड़ी सादड़ी को गिरफ्तार किया।

# महिला का मोबाइल हैक कर नकदी निकाली

**श्रीगंगानगर, (निसं)।** यहां महिला वकील के पेटीएम अकाउंट से हैकर ने 59,701 रुपए में से 59 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए। महिला का मोबाइल कई घंटे बंद था। शाम को फोन ऑन करने पर उन्हें खाते से रकम निकलने का पता चला और अकाउंट में सिर्फ 701 रुपए बचे थे। बैंक या पेटीएम की ओर से ट्रांजेक्शन का कोई मैसेज भी नहीं आया। महिला ने उसी रात साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी और अगले दिन पुरानी आबादी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 21 अगस्त को पुरानी आबादी थाना क्षेत्र में हुई।

पुलिस को दी शिकायत में एडवोकेट रेणु वर्मा (41), निवासी वार्ड नंबर 13, पुरानी आबादी, ने बताया कि उनका पंजाब नेशनल बैंक की नगर परिषद ब्रांच में अकाउंट है। इसमें 59,701 रुपए जमा थे। 21 अगस्त 2026 को शाम करीब 4:09 बजे अज्ञात हैकर ने उनका मोबाइल हैक कर पेटीएम के जरिए 59 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए।

रेणु ने बताया कि सुबह 9:30 से दोपहर 3:30 बजे तक उनका फोन बंद था। बाद में उन्होंने थोड़ी देर के लिए मोबाइल खोला और फिर बंद रखा। शाम करीब 5:30 बजे फोन ऑन करने पर खाते से रुपए निकलने का पता चला। अकाउंट में सिर्फ 701 रुपए बचे थे। बैंक की ओर से उन्हें ट्रांजेक्शन का कोई मैसेज भी नहीं आया। महिला वकील ने उसी रात करीब 9:15 बजे साइबर क्राइम थाने (शिव चौक) में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सुबह पुरानी आबादी थाने में भी शिकायत दी। उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# वृद्ध से मोबाइल लूटा

**जोधपुर, (कासं)।** शहर में सरदारपुरा, नौवीं पाल रोड पर एक वृद्ध मजदूर को धक्का देकर स्कूटी सवार उसका मोबाइल लूट कर ले गए। पीड़ित ने इस बारे में सरदारपुरा थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने पड़ताल के लिए कुछ संदिग्ध को हिरासत में लिया है। जल्द ही खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि आचार्यों का बास, बाड़मेर कोतवाली हाल कमला नेहरू नगर, सी सेक्टर में रहने वाले 67 साल के वृद्ध रामस्वरूप पुत्र लादूराम आचार्य की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वे 5 सितंबर की देर शाम को पैदल नौवीं पाल रोड से निकल रहे थे। तब पीछे से एक स्कूटी पर दो बदमाश आए और उन्हें धक्का देकर गिरा दिया, फिर उनका मोबाइल लूट कर ले गए। इस बारे में सरदारपुरा पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार वारदात में शरीक संदिग्ध को सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर हिरासत में लिया गया है। पूछताछ की जा रही है।

# दो साल से फरार आरोपी को हरियाणा से दबोचा

**खेतड़ी, (निसं)।** पुलिस थाना मेहाड़ा की टीम ने चोरी के प्रकरण में करीब दो साल से फरार चल रहे पांच हजार रूपये के इनामी वांछित आरोपी राजेन्द्र उर्फ राजू को गिरफ्तार किया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने सूचना तंत्र एवं तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपी का पीछा करते हुए उसे हरियाणा के ग्राम मोहनपुर की बणी से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार चोरी के प्रकरण में करीब दो साल से फरार आरोपी राजेन्द्र उर्फ राजू की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम ने थाना क्षेत्र के अलावा हरियाणा, दिल्ली, गुरूग्राम, रेवाड़ी, पंजाब एवं गुजरात सहित संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश और तलाश की। आरोपी गिरफ्तारी के भय से अपनी

- **आरोपी अपनी पहचान छिपाकर लगातार ठिकाने बदल रहा था**

पहचान छिपाकर लगातार लोकेशन बदल रहा था। इसके बावजूद पुलिस टीम ने सूचना तंत्र एवं तकनीकी माध्यमों की सहायता से आरोपी की गतिविधियों पर नजर बनाए रखी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को आरोपी के हरियाणा क्षेत्र में होने की सूचना मिली। टीम ने कार्रवाई करते हुए 7 सितंबर को हरियाणा के ग्राम मोहनपुर की बणी से राजेन्द्र उर्फ राजू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेन्द्र उर्फ राजू (60) पुत्र ताराचंद जाटनिवासी मेहाड़ा जाटुवास के रूप में हुई है।

# अलवर में वार्ड 61 की वोटर लिस्ट में 36 मतदाताओं के नाम डबल

## एक ही वोटर का नाम अलग-अलग नंबर पर जोड़ा, जिला कलैक्टर तक पहुंची शिकायत

**अलवर, (निसं)।** अलवर में नगर निकाय चुनाव में मतदान से एक दिन पहले वार्ड 61 की मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। सूची की जांच के दौरान 36 मतदाताओं के नाम दो-दो जगह दर्ज मिले। लिस्ट में कई मतदाताओं के नाम एक ही भाग संख्या में अलग-अलग क्रमांक पर दर्ज हैं। वहीं कई नाम अलग-अलग भाग संख्या में दोहराए गए हैं।

वार्ड 61 के कांग्रेस बूथ अध्यक्ष लल्लू राम सैनी ने बताया कि मतदाता सूची में 36 वोटर के नाम, फोटो, पिता के नाम आदि समान मिले हैं। कांग्रेस बूथ अध्यक्ष लल्लू राम सैनी ने कहा कि मेरी मांग है कि मतदाता सूची में दर्ज इन डुप्लीकेट प्रविष्टियों की जांच कराई जाए और पूरी पारदर्शिता के साथ

- **लिस्ट में कई मतदाताओं के नाम एक ही भाग संख्या में अलग-अलग क्रमांक पर दर्ज हैं, वहीं कई नाम अलग-अलग भाग संख्या में दोहराए गए हैं**

मतदान कराया जाए। मतदाता सूची में अखिल शर्मा, अनीता शर्मा और अरुण कुमार शर्मा के नाम भाग संख्या-1 में दो-दो जगह दर्ज बताए गए हैं।

अशोक का नाम भाग संख्या-1 और 3 में, दुर्गा देवी का भाग संख्या-2 में दो जगह, हरिनारायण प्रसाद का भाग संख्या-1 में दो जगह और हेमलता देवी का नाम भाग संख्या-1 और 2 में दर्ज है। इसी तरह हिमांशु जांगिड़ का भाग-3 में दो जगह, इसराइल खान और जगदीश प्रसाद जांगिड़ का भाग-2 में दो जगह नाम दर्ज बताया गया है। इसके अलावा ज्योति यादव का नाम भाग-1 और 2, कोमल सैनी का भाग-2 और 3, कृष्णा देवी का भाग-1 में दो जगह, कृतिका गुप्ता का भाग-2 में दो जगह, लाल सिंह का भाग-1 और 2 तथा मोहित सैनी का नाम भाग-1 में दो जगह दर्ज बताया गया है। वहीं दूसरे मोहित का नाम भाग-2 और 3 में दर्ज है। निर्मला नाम की दो अलग-अलग प्रविष्टियों में एक का नाम भाग-2 और 3 तथा दूसरी का भाग-1 और 2 में दर्ज बताया गया है। ओमप्रकाश का भाग-1 में दो जगह, प्रमोद जांगिड़ का भाग-2 और 3, प्रतीक का भाग-1 में दो जगह और प्रीति जांगिड़ का भाग-3 में नाम दर्ज है। राधेश्याम का भाग-1 और 2, राहुल सैनी का भाग-3 में दो जगह, राजीव का भाग-1 और 3 तथा राजकुमार चावड़ा का भाग-1 और 3 में नाम दर्ज बताया गया है।

इसी तरह संतोष कुमारी का भाग-2 में दो जगह, संतोष देवी का भाग-1 में दो जगह, सरिता का भाग-2 में दो जगह, सरोज देवी का भाग-1 और 2, शकुंतला का भाग-2 और 3, श्रवण कुमार का भाग-2 और 3, सुनीता देवी का भाग-2 में दो जगह, सूरज का भाग-3 में दो जगह और विमला का भाग-3 में दो जगह नाम दर्ज होने की बात सामने आई है।

# रामदेवरा मेले में खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई

**रामदेवरा, (निसं)।** आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुरलीधर सोनी के निर्देशानुसार रामदेवरा मेले में श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा सोमवार को खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लगभग 5 किलोग्राम अवधिपार विभिन्न मसाले, 3 लीटर अधिक बार प्रयोग किया गया तेल तथा खराब सब्जियां, चावल पाए जाने पर उनका मौके पर ही नष्टीकरण करवाया गया। इस दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ-सफाई बनाए रखने, गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का उपयोग करने तथा अवधिपार, खराब एवं बार-बार उपयोग किए गए खाद्य तेल का प्रयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी कीर्तिपाल सिंह भाटी एवं स्वरूप चारण की टीम ने बताया कि रामदेवरा मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

# बारिश से रास्ता अवरुद्ध होने पर नाव से मतदान केंद्र पहुंचा मतदान दल

## मतदान केंद्र क्रमांक 59, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कल्लादह तक का मार्ग अवरुद्ध हो गया

**करौली, (निसं)।** नगर निकाय आम चुनाव के दौरान लोकतंत्र के प्रति कर्तव्य और समर्पण की अनूठी तस्वीर नगर परिषद करौली के वार्ड नंबर 48 में देखने को मिली। क्षेत्र में बारिश के चलते भद्रावती नदी में पानी का बहाव बढ़ जाने से मतदान केंद्र क्रमांक 59, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कल्लादह तक पहुंचने का मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। ऐसे विषम हालात में मतदान प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखने के लिए मतदान दल को नाव के माध्यम से मतदान केंद्र तक पहुंचाया गया।

निर्वाचन शाखा के राजेन्द्र दीवान ने बताया कि रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम करौली राकेश कुमार रावत के निर्देशन में प्रशासन ने मतदान दल की सुरक्षित आवाजाही की व्यवस्था सुनिश्चित की। गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग (सिविल डिफेन्स) के होमगार्ड जवानों व बीएलओ मनीष कुमार ने पुलिस सुरक्षा के बीच नाव से मतदान दल को नदी पार कराकर मतदान केंद्र तक पहुंचाया। बारिश और नदी के उफान के बीच नाव पर सवार मतदान दल की यह तस्वीर लोकतंत्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा और प्रशासन की तत्परता का संदेश देती नजर आई। बारिश के कारण मार्ग बंद होने के बावजूद प्रशासन ने हौसला नहीं खोया और अपने दायित्व को निभाने के लिए नाव का सहारा लिया।

सिविल डिफेन्स के जवानों व बीएलओ मनीष कुमार ने नाव से मतदान दल को नदी पार कराई।

## निवाई में डीएपी खाद की समस्या को लेकर प्रदर्शन

**निवाई।** किसान महापंचायत के तत्वावधान में डीएपी खाद की समस्या को लेकर ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह पलेई के नेतृत्व में किसानों ने धरना प्रदर्शन किया। ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह पलेई ने बताया कि किसानों को भूमि रिकॉर्ड के अनुसार 35 लाख 95 हजार यूरिया उर्वरक बैग की आवश्यकता है। इसी प्रकार 21 लाख 57 हजार डीएपी उर्वरक बैग की आवश्यकता है।

आवश्यकता के अनुसार किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। जिससे किसानों को डीएपी खाद की समस्या बनी हुई है। उक्त समस्याओं को लेकर निवाई तहसील की तीन ग्राम पंचायत मूंडिया, खंडवा व बहड में सहकारी समिति के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर टीनाडाबी ने आश्वासन दिया कि अति शीघ्र किसान महापंचायत के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता करके खाद उपलब्ध कराया जाएगा।

# 'आत्म विश्वास व पारदर्शिता के साथ निभाएं निर्वाचन दायित्व'

**भरतपुर।** नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत 9 सितंबर को होने वाले मतदान के लिए, मंगलवार को भरतपुर नगर निगम क्षेत्र 65 वार्डों के 201 मतदान केन्द्रों के लिए, मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रवाना हुए। राजकीय महिला महाविद्यालय पॉलिटेक्निक में आयोजित अंतिम प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने मतदान कार्मिकों को निर्वाचन दायित्व पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ निभाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मतदान अधिकारी टीम भावना के साथ कार्य करें तथा मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने ईवीएम एवं अन्य निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर अनावश्यक भीड़ एकत्रित नहीं हो तथा सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहें। किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि सामने आने पर तत्काल संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट को सूचित करें।

भरतपुर नगर निगम क्षेत्र 65 वार्डों के 201 मतदान केन्द्रों के लिए मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रवाना हुए।

उन्होंने मतदान कार्मिकों को निर्देश दिए कि मतदान दिवस पर निर्धारित समय पर मॉकपोल सुनिश्चित करने के बाद सुबह 7 बजे से मतदान प्रक्रिया प्रारम्भ कराएं, जो शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। सभी मतदान कार्मिक अपने निर्धारित मतदान केन्द्र पर मौजूद रहकर पूरी जिम्मेदारी एवं ईमानदारी से दायित्व निभाएं।

■ कमर चौधरी ने मतदान कार्मिकों को निर्वाचन दायित्व पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ निभाने के निर्देश दिए

उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव शर्मा ने मतदान केन्द्रों पर आदर्श आचार संहिता की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रत्याशी के पोस्टर, बैनर अथवा अन्य प्रचार-प्रसार सामग्री मतदान केन्द्र परिसर में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस की शुरुआती व्यवस्थाएं पूरे दिन की मतदान प्रक्रिया की दिशा तय करती हैं, इसलिए निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार प्रत्येक कार्य पूरी सावधानी एवं सतर्कता से किया जाए।

नगर निगम चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी रिछपाल सिंह बुरड़क ने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील दायित्व है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नियमों, दिशा-निर्देशों एवं आदेशों का गंभीरता से अध्ययन कर पूर्ण सतर्कता एवं सावधानी के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक चुनाव की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

## सार-समाचार

### महिलाओं ने गाय-बछड़े की पूजा कर सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की

**सांभरझील।** यहां बछ बारस के अवसर पर महिलाओं ने सुबह स्नान करके गाय और बछड़े की पूजा की। गाय-बछड़े को रोली, हल्दी, अक्षत और फूल चढ़ाए। गुड़, चना तथा भीगे हुए मूंग, मोठ और बाजरा अर्पित किए। गाय और बछड़े की परिक्रमा करके संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। बछ बारस पर महिलाओं ने उपवास रखा तथा परंपरा के अनुसार इस दिन गेहूँ और दूध/दूध से बनी चीजों का सेवन नहीं किया तथा कई घरों में चाकू से काटी हुई चीजें भी नहीं खाईं। महिलाओं ने गाय-बछड़े की पूजा करके प्रार्थना की, हे गोमाता, हे बछड़े, हमारे परिवार और संतान पर अपनी कृपा बनाए रखें, उन्हें स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु रखें। इसके पश्चात महिलाओं ने बछ बारस की कथा भी की।

### निवाई में कृषि अधिकारी ने खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया

**निवाई।** संयुक्त निदेशक कृषि के निदेशानुसार गुण नियन्त्रण के तहत कृषकों को उच्च गुणवत्ता का खाद बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य को लेकर कृषि विभाग के कृषि अधिकारी कजोड़मल गुर्जर ने खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट के निर्देशन पर खाद बीज की दुकानों पर पोस मशीन एवं मौके पर मौजूद उर्वरक का भौतिक सत्यापन किया। कृषि अधिकारी कजोड़मल गुर्जर ने बताया कि कृषि आयुक्तालय जयपुर के निर्देशानुसार गुण नियन्त्रण कार्यक्रम के तहत उर्वरक का अवैध भण्डारण, निर्धारित दर से अधिक मूल्य लेने वाले या अन्य किसी भी प्रकार की काला बाजारी करने वाले कृषि आदान विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी, उन्होंने कृषकों को कृषि आदान खरीदते समय पक्का बिल लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि कोई विक्रेता पक्का बिल देने से मना करने पर सम्बन्धित कृषि पर्यवेक्षक या सहायक कृषि अधिकारी के माध्यम से सूचना देने पर सम्बन्धित कृषि आदान विक्रेता के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने दुकानदारों अपने पास उपलब्ध स्टॉक को प्रदर्शित करने हेतु दर्शनिय स्थल पर मूल्य सूची लगाने एव प्रतिदिन अपडेट करने के निर्देश देते हुए कहा कि स्टॉक रजिस्टर व पॉश मशीन में दर्ज उर्वरक एवं गोदाम में भौतिक रूप से रखा उर्वरक समान रखे। कृषि अधिकारी गुर्जर ने कहा कि किसान डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करे। जिसमें सल्फर तत्व अतिरिक्त पाया जाता है। जिससे सरसों की फसल में तेल की मात्रा बढती है एवं दाना भी अच्छी गुणवता का प्राप्त होता है।

## दौसा में निर्वाचन पर्यवेक्षक ने मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया

**दौसा।** नगर निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत होने वाले मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा तथा निर्वाचन पर्यवेक्षक डॉ. टी. शुभमंगला ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर चुनाव तैयारियों का जायजा लिया।

■ निर्वाचन पर्यवेक्षक डॉ. टी. शुभमंगला ने भांडारेज, बांदीकुई, बसवा, मंडावर एवं महवा क्षेत्र का दौरा किया

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा ने मंडावर एवं महवा क्षेत्र में मतदान दलों के प्रशिक्षण तथा मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं, मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा अन्य तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान मतदान दलों को निष्पक्ष एवं निर्भीक माहौल में शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए कहा। इसी प्रकार निर्वाचन पर्यवेक्षक डॉ. टी. शुभमंगला ने भांडारेज, बांदीकुई, बसवा, मंडावर एवं महवा क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने मतदान दलों के प्रशिक्षण, मतदान सामग्री के प्रबंधन तथा मतदान के बाद ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री जमा होने वाले स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों का अवलोकन कर वहां मतदाताओं के लिए की गई सुविधाओं, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली तथा अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

## 'साक्षरता ही विकास और आत्मनिर्भरता की कुंजी है'

**मनोहरपुर।** 8 सितंबर को विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर आंधी के कांग्रेसी नेता नदीम पठान ने सभी देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पठान ने कहा कि शिक्षा ही वह प्रकाश है जो अंधकार को दूर करता है। साक्षर व्यक्ति न केवल अपना भविष्य संवारता है बल्कि समाज और देश के विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि विश्व साक्षरता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना और निरक्षरता को जड़ से खत्म करना है। यूनेस्को द्वारा 1966 में इसकी शुरुआत की गई थी और तब से हर साल 8 सितंबर को यह दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना है, ताकि हर व्यक्ति शिक्षा के साथ-साथ तकनीक से भी जुड़ सके। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना होगा कि हर बच्चे को किताब और कलम से जोड़ेंगे।

# पायलट के जन्मदिन पर 16वां रक्तदान शिविर आयोजित

**किशनगढ़बास।** रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं, और जब यह दान किसी के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाने के लिए किया जाए, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इसी सेवा भावना का अनूठा उदाहरण रविवार को बीबीरानी में देखने को मिला।

■ कांग्रेस युवा नेता व उप प्रधान दयाराम चावड़ा के नेतृत्व में लगाया शिविर

पायलट के जन्मदिन पर शिविर में रक्तदान करते युवा रक्तवीर।

तिजारा उप प्रधान एवं युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव दयाराम चावड़ा के नेतृत्व में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट के जन्मदिन के अवसर पर 16वां विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। इस मौके पर रक्तदान कांग्रेस जिला अध्यक्ष बलराम यादव ने शिविर में शिरकत कर सभी रक्तदाताओं की हौसला अफजाई की। शिविर में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामप्रसाद सरपंच, कांग्रेस नेता शकील खान, संजय सेवखेड़ा, रामकुमार चावड़ा, अजय जांगिड़, ललित यादव पाटन, चंद्रप्रकाश यादव, परमवीर चावड़ा, नवीन चावड़ा, हरविंदर सरदार, योगेश कुमार, अंकित लंबरदार, विजय मेघवाल, संपत नेहरा, प्रताप मेघवाल, रणवीर प्रजापत, सतपाल यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# चाकसू में निर्भीक मतदान के लिए पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला

**जयपुर।** नगर पालिका चाकसू में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को चाकसू कस्बे में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस ने फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने और असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों में कानून का भय बनाए रखने का संदेश दिया।

■ पुलिस ने आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने और असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों में कानून का भय बनाए रखने का संदेश दिया

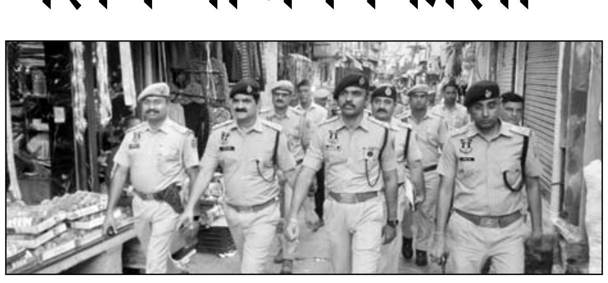
पुलिस अधिकारियों ने क्रिटिकल बूथ का निरीक्षण किया।

जयपुर दक्षिण पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज के निर्देशन में निकाले गए फ्लैग मार्च में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल हुए। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कस्बे के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया।

फ्लैग मार्च के साथ ही निकाय चुनाव में तैनात पुलिस जाब्ते, मोबाइल पार्टियों और सुपरविजन अधिकारियों को चुनावी जिम्मेदारियों के संबंध में ब्रीफ किया गया। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को चुनाव के दौरान सतर्कता बरतने, संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने और किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के निर्देश दिए।

जयपुर दक्षिण के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा, चाकसू सहायक पुलिस आयुक्त भवानी सिंह और चाकसू थानाधिकारी मनोहर लाल (पु.नि.) सहित पुलिस अधिकारी एवं भारी पुलिस जाब्ता फ्लैग मार्च में मौजूद रहा।

पुलिस अधिकारियों ने चाकसू नगर पालिका क्षेत्र के मतदान केंद्रों और क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती और आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इसके अलावा अधिकारियों ने ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम का भी निरीक्षण किया और वहां की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। चुनाव प्रक्रिया के दौरान ईवीएम की सुरक्षा को लेकर तैनात जाब्ते को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए।

## भिवाड़ी में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

**भिवाड़ी।** नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश ने मंगलवार को नगर परिषद भिवाड़ी का सघन दौरा कर 9 मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने भिवाड़ी क्षेत्र में स्थापित घटाल, खिजरपुर, हरचंदपुर, सांथलका के राजकीय विद्यालयों में स्थापित 9 मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने मतदान दलों को संबोधित करते हुए कहा कि ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा एवं देखरेख में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। मतदान दल मतदान केंद्र पर पहुंचने के बाद ईवीएम एवं अन्य सामग्री को सुरक्षित रखें।

# पावटा-प्रागपुरा में मतदान दल रवाना, 52 बूथों पर होगी वोटिंग

**पावटा।** नगरीय निकाय चुनाव के प्रथम चरण के तहत 9 सितंबर बुधवार को पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में मतदान होगा। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान दलों को चुनाव सामग्री के साथ अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। पावटा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से मतदान दलों की रवानगी की गई। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के 45 वार्डों में 243 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदान के लिए नगरपालिका क्षेत्र के 23 राजकीय विद्यालयों में कुल 52 मतदान बूथ बनाए गए हैं। इनमें 6 मतदान केंद्र संवेदनशील और 2 अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखे गए हैं। क्षेत्र में कुल 46,814 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 24,621 पुरुष और 22,193 महिला मतदाता शामिल हैं।

■ 6 संवेदनशील व 2 अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा, 200 जवानों का जाप्ता तैनात

मतदान दलों की रवानगी से पहले पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित संबंधित कार्मिकों को अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया, चुनाव सामग्री, निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों तथा मतदान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। मतदान दलों ने चुनाव सामग्री प्राप्त करने के बाद उसका मिलान किया और निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अर्पणा गुप्ता ने मतदान सामग्री वितरण स्थल, स्ट्रांग रूम सहित चुनाव व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान दलों को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर अर्पणा गुप्ता ने कहा कि पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के सभी मतदान दलों को आवश्यक मतदान सामग्री उपलब्ध करवाकर निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया है। मतदान दल अपने केंद्रों पर पहुंचकर मतदान की आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करेंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था की गई है तथा मतदान प्रक्रिया सुचारू एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराई जाएगी। कलेक्टर ने सभी मतदाताओं से अपील की।

## टोंक में किसानों की समस्याओं को लेकर मांगपत्र पारित

**टोंक।** किसान संघ उनियारा की बैठक कृषि उपज मंडी समिति क बैठक हॉल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान संघ के प्रांत प्रतिनिधि रामस्वरूप धाकड़ ने की, जिसमें किसानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हुए पांच प्रस्ताव पारित किए गए। इस दौरान संगठन ने मांग की है कि किसान के खाते में सब्सिडी की पूरी राशि डाले और किसानों को खाद दुकान अथवा सहकारी समिति से पूरी कीमत पर खाद उपलब्ध कराई जाए। खाद पर मिलने वाली सब्सिडी खाद खरीदने पर दुकानदार को डीबीटी के माध्यम से स्थानांतरित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसान को खाद की वास्तविक कीमत ज्ञात होगी तो वह आवश्यकता के अनुसार संतुलित मात्रा में ही खाद का उपयोग करेगा तथा धीरे-धीरे जैविक खेती की ओर भी अग्रसर होगा। वहीं अन्य मांगों में जंगली सूअरों की समस्या का समाधान हेतु मांग की गई। इस मौके पर किसानो ने समर्थन मूल्य से कम पर फसल की खरीद पर रोक लगाने हेतु मांग रखी तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत की ग्राम/सहकारी समिति को सक्रिय किया जाए।

■ संगठन ने मांग की है कि किसान के खाते में सब्सिडी की पूरी राशि डाले और किसानों को खाद दुकान अथवा सहकारी समिति से पूरी कीमत पर खाद उपलब्ध कराई जाए

# कलेक्टर ने निष्पक्ष मतदान के लिए व्यवस्थाएं पुख्ता रखने के निर्देश दिए

**कोटपूतली।** नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अर्पणा गुप्ता तथा जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने मंगलवार को नगर परिषद कोटपूतली एवं नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र के संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर बीएलओ एवं मतदान दलों से निर्वाचन प्रक्रिया की तैयारियों, मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदान केन्द्र पर निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए। मतदाताओं के लिए सुगम प्रवेश एवं निकास, छाया, पेयजल, बैठने सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें तथा मतदान के दौरान किसी भी मतदाता को असुविधा नहीं होउन्होंने निर्देशित किया कि मतदान केन्द्र के 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री, पोस्टर, बैनर अथवा अन्य प्रचार संबंधी सामग्री नहीं रहनी चाहिए। संबंधित अधिकारी ऐसी सामग्री को तत्काल हटवाना सुनिश्चित करें। साथ ही, मतदान केन्द्रों पर अनावश्यक भीड़ अथवा ऐसी किसी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाए, जिससे मतदान प्रक्रिया प्रभावित हो। उन्होंने मतदान दलों को सभी मतदाताओं के साथ समान एवं निष्पक्ष व्यवहार रखते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए।

■ उन्होंने मतदान केन्द्रों पर निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दिवस के दौरान व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की समस्या या व्यवधान की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्तर पर निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए मतदाताओं के लिए निर्भीक एवं सहज मतदान का वातावरण तैयार किया जाए तथा निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान दिए गए निर्देशानुसार मॉक पोल एवं अन्य प्रक्रिया को पूर्ण करें, आवश्यकता पड़ने पर जोनल अधिकारियों को सूचित करे।

जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।


**नम्बर मिलाइए 8890333139**

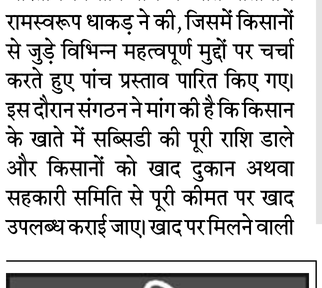

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

**आम सूचना** सर्व साधारण को सुचित किया जाता है, कि प्लाट नम्बर 74 हजरत अली नगर, रामगढ रोड, आमेर रोड, जयपुर के सम्बन्ध मे दिनांक 01.11.2025 को श्री शारिक खान, सैय्यद अंसार अली, इमरान खान, श्रीमती शाहिदा द्वारा निजामूद्दीन पुत्र श्री कमालूद्दीन के मध्य निष्पादित इकरारनामा की अवधि तीन माह दिनांक 01.02.2026 को समाप्त हो चुकी है। इकरारनामा रद्द हो गया है। अग्रिम राशि जब्त हो चुकी है। अब मेरे मुवक्किलान प्लाट नम्बर 74 अन्य को विक्रय करने को स्वतन्त्र है।
जयपुर (फराज हुसैन) एडवोकेट
दिनांक-8/9/2026 मो.नं:-9929797865

**आम सूचना** सर्व साधारण को मेरे अभिभाष्यगण श्री छोटेलाल शर्मा पुत्र स्व. श्री वीरबल प्रसाद शर्मा एवं श्रीमती सन्तोष देवी शर्मा पत्नी श्री छोटेलाल शर्मा, निवासीयान- 19, गोविन्द नगर, चरण नदी-2, नाडी का फाटक, मुरलीपुरा, जयपुर की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण का छोटा पुत्र पवन कुमार शर्मा मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नही है एवं आये दिन मेरे अभिभाष्यगण से फोन पर लड़ाई झगड़ा करता है एवं गलत संगत मे पड़ गया है, इस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने उससे अपने समस्त प्रकार के सम्बन्ध समाप्त कर उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पति, जायदाद इत्यादि से अलग कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति पवन कुमार शर्मा से किसी प्रकार का कोई लेनदेन, संव्यवहार, व्यापार, सम्पति अन्तरण आदि करता है तो मेरे अभिभाष्यगण कतई उत्तरदायी नही होंगे।
(दिनेश कुमार शर्मा) एडवोकेट,मोबाईल : 9828035260

**खोया-पाया** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी नाथू गुर्जर पुत्र श्री जगदीश गुर्जर, निवासी हरिवल्लभपुरा, तामड़िया, तहसील चाकसू का दुकान संख्या 110, माप 10x20 फीट, स्थित पंचवटी स्कीम, फागी रोड रेलवे स्टेशन के पास, तहसील चाकसू का क्रयशुदा प्लॉट/दुकान का पट्टा गुम हो गया है। उक्त पट्टा किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो प्रार्थी को सूचित करें अथवा नजदीकी पुलिस थाने में जमा कराएं। उक्त पट्टा के संबंध में किसी प्रकार का लेन-देन करने पर प्रार्थी जिम्मेदार नहीं होगा।
प्रार्थी-नाथू गुर्जर, मो. 8890533721

**आम-सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य एयू स्मॉल फॉईनेंस बैंक लि. से श्री पूरण चन्द गुर्जर पुत्र श्री झाबर मल द्वारा एक प्लाट नं. बी-24, 201.67 वर्ग गज, जो खसरा नं. 1247/707 ग्राम केशवाना राजपूत तहसील कोटपूतली जिला कोटपूतली-बहरोड राज. मे स्थित है को खरीदने एवं उस पर मोर्गेज लोन लेने हेतु आवेदन किया है। अतः किसी व्यक्ति, संस्था को उपरोक्त प्लाट पर मेरे अभिभाष्य द्वारा रहन / मोर्गेज करने से ऐतराज या किसी भी व्यक्ति का उत्तराधिकार विक्रय, रहन, लीज, लियन, लाईसेन्स, दान या कब्जे के जरिये या अन्य किसी प्रकार से कोई अधिकार या हक हो तो सात दिवस में सूचित करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी।
सतीश कुमार शर्मा एडवोकेट शाहपुरा जिला जयपुर मोबा. 9414207343

**राम नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर**
रजि.नं.-2877/एल क्रमांक: 78/2026 दि.8.9.2026
**आम सूचना**
श्री छीतर पुत्र श्री लालाराम ने भू.सं. 53 एरिया 173.88 वर्ग गज समिति की योजना आनन्द विहार ग्राम- सायपुरा तहसील सांगानेर,जिला जयपुर के मूल कागजात गुम हो जाने पर डुप्लीकेट कागजात प्राप्त करने हेतु समिति में आवेदन किया है। जिसकी गुमशुदगी की सूचना दिनांक 30.08.2026 को LR No. 3265136/2026 राजस्थान पुलिस में दर्ज करा दिया गया है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो 7 दिवस में समिति कार्यालय में संपर्क करें अन्यथा बाद मियाद गुजर जाने पश्चात प्रार्थी को डुप्लीकेट कागजात जारी कर दिये जायेगें। सूचित रहे। मंत्री,
राम नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर

**दी राजस्थान अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.**
जी-20, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
टेलीफोन नं. 0141-2360373,2372384
**-: वार्षिक आम सभा की सूचना:-**
बैंक के समस्त योग्यता धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बैंक की 37वीं वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 27.09.2026 रविवार को प्रातः 11:00 बजे होटल गोल्डन टुलिप, जी.पी.ओ. के सामने, वन प्लस मोबाईल शोरूम के पास, एम.आई.रोड़., जयपुर पर आहूत की गई है। इसमें भाग लेने हेतु समस्त योग्यता धारक सदस्य सादर आमंत्रित हैं। उक्त बैठक हेतु निर्धारित कोरम पूर्ण नहीं होने की अवस्था में स्थगित आम सभा की बैठक दिनांक 27.09.2026 को ही दोपहर 12:00 बजे उसी स्थान पर आयोजित की जायेगी।
प्रबन्ध निदेशक

**हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना**
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4
न्यायालय श्रीमान अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश स्थान क्रम 3 जयपुर महानगर प्रथम
**राजेश मोटर्स प्रा.लिमिटेड विरूद्ध शक्ति सिंह केडिया**
वाद/प्रार्थना पत्र इजराय
प्रार्थना-पत्र संख्या 317 सन् 2025
नाम शक्ति सिंह केडिया पुत्र नामालूम केडिया पता ई-1 ट्रांसपोर्ट नगर आगरा रोड जयपुर
उक्त प्रार्थी ने न्यायालय में न्यायालय अति.जिला एवम् सैशन न्यायाधीश क्रम-3 जयपुर महानगर प्रथम वाद संख्या 43/2024 राजेश मोटर्स ऑटो प्रा.लिमिटेड बनाम शक्ति सिंह केडिया व अन्य में पारित आदेश/निर्णय दिनांक 11/08/2025 की अनुपालना हेतु आवेदन किया है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 11 माह 09 सन् 2026 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा
यह आज ता. 8 माह 9 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत वरिष्ठ रीडर-अपर जिला न्यायाधीश क्रम-3 जयपुर महानगर प्रथम

**खोया पाया**

मेरा प्लॉट संख्या 114 एवं टाइटल डीड नंबर 337838, बाचुपल्ली गाँव, कुथबुल्लापुर मंडल, रंगारेड्डीजिला हैदराबाद, आंध्रप्रदेशका मूल पट्टा खो गया है, मिलने पर संपर्क करेः Mridul Bhaduria w/o Late Janardan Singh Gehlot, Mob 9414044445

मेरे पिता श्री भगवानदास थावरानी के नाम से राजस्थान आवासन मंडल के फ्लैट संख्या 4/228 FF, जवाहर नगर, जयपुर से संबंधित मूल दस्तावेज गुम हो गए हैं। यदि किसी सज्जन को उक्त दस्तावेज प्राप्त हों तो कृपया संपर्क करें- राजेश थावरानी 9829013478

मेरा मकान 185/31 प्रताप नगर सांगानेरका मूल अदेय प्रमाण पत्र मुझसे कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे किशन 9252203376

मेरे मकान संख्या 34/12, प्रताप नगर, जयपुर के राजस्थान हाउसिंग बोड द्वारा जारी मूल अलोटमेंट लैटर, पजेशन लैटर, Certificate of handing Over Letter, NOC व अन्य कागजात कही गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें- पूनम भटेजा M-09829019828

मेरे मकान संख्या 265/139 (प्रताप नगर) से संबंधित मूल दस्तावेज जिनमें राजस्थान आवासन मंडल (RHB) का डिमांड नोटिस, डिमांड की रसीद एवं एनओसी (NOC) के मूल कागज शामिल है गुम गए है। यदि ये दस्तावेज किसी भी व्यक्ति को मिलें तो संपर्क करें। मिर्चूमल जेठवानी 9024520412

कृष्णा योगा आश्रम ट्रस्ट के मूल पंजीकरण प्रमाण-पत्र (E-12635) कहीं खो गया है। कृपया मिलने पर सूचित करें- आयूष रावत (ट्रस्टी) 8696935959

20, श्याम नगर प्रथम, पालड़ी मीणा, आगरा रोड जयपुर स्थित मेरे प्लॉट के दस्तावेज कहीं खो गए है। -बरफी देवी 8440998453

**नाम परिवर्तन**

मै JC699375W सब सत्या राजू रेवल्ला निवासी एमएच जयपुर ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट जयपुर (राजस्थान) के समक्ष दिनांक 01.09.2026 को हलफनामे के माध्यम से अपने एफएस दस्तावेज़ में अपनी मां का नाम आर वरलक्ष्मी से रेवल्ला वरलक्ष्मी और मेरे पिता का नाम कामराजू से बदलकर रेवल्ला कामराजू कर दिया है।

मै निधि चौधरी पुत्री मानसिंह मैंने मेरा नाम निधि से बदलकर निधि चौधरी रख लिया है अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। पताः ढाणी कुरियों की पंचलंगी, तहसील- उदयपुरवाटी, झुंझुनू राजस्थान।

I have changed my name from Bajaj Shobha Devi Dhanraj to Shobha Devi Soni W/o Shrigopal Soni R/o Flat No 503, Plot No 5/H/II/R, Imperial Garden, Vidyadhar Nagar, Jaipur. For all purpose.

I have changed my name from RADHIKA to RADHIKA ARTANI for all purposes R/o 135 Radha Damodar ki gali Chaura rasta Jaipur

# प्रदेश की 162 निकायों में प्रथम चरण में आज होगा मतदान

## सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोट डाल सकेंगे मतदाता

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर ।** राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान की तैयारियां पूरी हो गई हैं। प्रदेश के 162 नगरीय निकायों में बुधवार को मतदान होगा। इनमें नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाएं शामिल हैं। मतदाता सुबह सात से शाम छह बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। मतदान दल मंगलवार को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं।

पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इसके बावजूद शेष वार्डों में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ी हुई है।

जयपुर जिले में पहले चरण के तहत 18 नगरीय निकायों में मतदान कराया जाएगा। इसके लिए कुल 565 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतदान दलों ने मंगलवार को केंद्रों पर पहुंचकर नियंत्रण संभालना शुरू कर दिया। मंगलवार को श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड से मतदान दलों को उनके संबंधित मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। रवानगी स्थल पर मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री, प्रशिक्षण और वाहनों की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

जयपुर की भवानी निकेतन कॉलेज से मंगलवार को मतदान दल रवाना हुए।

पहले चरण में प्रदेश के अलवर, भरतपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा नगर निगमों में भी मतदान होगा। इसके अलावा चौमूं, शाहपुरा, बाड़मेर, जैसलमेर, तिजारा, खैरथल, भिवाड़ी, करौली, कुचामनसिटी, डीडवाना, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, झालावाड़, बूंदी, बारां, जालौर, झुंझुनूं, फतेहपुर, सवाई माधोपुर, धौलपुर, सुजानगढ़, चूरू, कोटपूतली, ब्यावर और नागौर नगर परिषदों में भी मतदान होगा। मतदान के दिन मौसम भी फिलहाल अनुकूल रहने की संभावना है।

■ ज्ञात रहे कि पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके है।

मौसम विभाग के अनुसार 12 सितंबर तक प्रदेश में मानसून कमजोर रहने के कारण बारिश को लेकर कोई बड़ी चेतावनी नहीं है।

ऐसे में मतदान के दौरान बारिश के कारण किसी तरह की बड़ी बाधा की आशंका नहीं है।

प्रदेश में पहले चरण के मतदान के बाद 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा, जबकि 14 सितंबर को मतगणना प्रस्तावित है। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर अब बुधवार को मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

## राजस्थान में कमजोर पड़ा मानसून, 4-5 दिन बारिश पर ब्रेक

**जयपुर ।** राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अब कमजोर पड़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से खिसककर उत्तर भारत की ओर चली गई है। इसके चलते प्रदेश में अगले चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां सीमित रहने की संभावना है। हालांकि मंगलवार को भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने 12 सितंबर से प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने और गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को प्रदेश के कुछ ही इलाकों में बारिश हुई। अलवर, कोटपूतली, सीकर और राजसमंद में बरसात मापी गई। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश राजसमंद के नाथद्वारा में करीब 28 मिलीमीटर हुई। कोटपूतली, अलवर शहर और सीकर के कुछ क्षेत्रों में भी बारिश हुई। देर शाम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के कई इलाकों में बादल छाए और हल्की बारिश के साथ तेज हवा चलीं।

इस मानसून सीजन में राजस्थान में अब तक बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी नीचे है। प्रदेश में 24 प्रतिशत कम बारिश हुई है। केवल चार जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधि मिले

**जयपुर (कासं)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को सांगानेर एवं बगरू क्षेत्र की 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को कॉलोनियों के नियमन सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं मांगों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं के संबंध में आवश्यक कार्यवाई के लिए आश्वस्त किया। प्रतिनिधिमंडल में नियमन एवं संघर्ष समिति के अध्यक्ष रघुनंदन सिंह हाड़ा, सचिव परशुराम चौधरी, राजेन्द्र सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी, रविन्द्र शर्मा, ओम सिंह चन्द्रावत एवं अशोक सिंह राजावत उपस्थित रहे।

■ सांगानेर-बगरू की कॉलोनियों के नियमन सहित स्थानीय मांगों से अवगत करवाया

# पूर्व जनप्रतिनिधि की बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिजनों से नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर ।** राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी पूर्व जनप्रतिनिधि पर बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिवारजनों से नहीं की जा सकती और ना उन्हें इसके लिए बाध्य किया जा सकता है। कोई जन-प्रतिनिधि अपने शर्मनाक काम या किसी गलत व्यवहार के लिए खुद ही जिम्मेदार और जवाबदेह होता है। यदि उसके खिलाफ कोई रिकवरी की कार्यवाही शुरू होती है तो बकाया रकम चुकाने और जमा करने के लिए वह अकेला ही जिम्मेदार होता है।

अदालत ने कहा कि पति और पत्नी स्वतंत्र कानूनी इकाइयां हैं तथा एक के कृत्य या कथित अनियमितता की जिम्मेदारी दूसरे पर तब तक नहीं डाली जा सकती, जब तक कि उसकी संलिप्तता साबित न हो। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रार्थी और पूर्व महिला सरपंच के पति को राहत देते हुए संबंधित अफसरों को निर्देश दिया कि वह उसे आगामी पंचायत राज चुनाव लडऩे के लिए तत्काल एनओसी जारी करें। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश बूंदी जिला निवासी राम लक्ष्मण मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता अपनी पत्नी की बकाया रकम के लिए ना तो जमानत देने वाला है और ना ही गारंटर है। यह मामला राज्य सरकार व पूर्व महिला सरपंच के बीच का एक अलग व स्वतंत्र मामला है। अदालत ने अफसरों के रवैये पर अफसोस जताते हुए कहा कि उन्होंने याचिकाकर्ता को उसकी पूर्व सरपंच पत्नी की बकाया रकम जमा करवाने के लिए मजबूर किया। जबकि उसे जीवन साथी के गलत व्यवहार के लिए जब तक जिम्मेदारी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक कि वे खुद उसमें शामिल न रहे हो।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ग्राम पंचायत फलेन्डा के आगामी पंचायती राज चुनाव में लडऩा चाहता है, लेकिन अफसर उसे एनओसी पत्र जारी नहीं कर रहे, क्योंकि उसकी पत्नी साल 1995 से 2000 में ग्राम पंचायत फलेन्डा की सरपंच रहीं थी। उसकी पत्नी के खिलाफ जांच के बाद एक वसूली आदेश जारी किया, लेकिन वह बकाया राशि जमा नहीं करा पाई और उनकी संपत्ति की नीलामी की कार्रवाई शुरू हुई। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में उसने याचिका दायर की और अदालत ने सितंबर 2009 में अंतरिम आदेश से यह कार्रवाई रोक दी। उसकी याचिका लंबित चल रही है, लेकिन अफसर उसकी पत्नी की बकाया राशि नहीं चुकाने के कारण उसे एनओसी जारी नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते वह चुनाव प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पा रहा है।

## बेकाबू क्रेन ने पुजारी को कुचला

**जयपुर।** कालवाड़ थाना क्षेत्र के भंभौरी गांव में सोमवार सुबह एक अनियंत्रित क्रेन ने पैदल जा रहे 70 वर्षीय मंदिर पुजारी रामलाल शर्मा को बेरहमी से कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि बुजुर्ग पुजारी की घटना स्थल पर ही सांसे थम गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार क्रेन चालक अत्यधिक शराब के नशे में धुत था और लापरवाही से वाहन दौड़ा रहा था। दर्दनाक हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने भागने का प्रयास कर रहे शराबी चालक को मौके पर ही दबोच लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी। आक्रोशित भीड़ ने क्रेन के शीशे भी चकनाचूर कर डाले। इस घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक रामलाल शर्मा का शव सड़क के बीचों-बीच रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

# राधाष्टमी पर भक्ति के रंग में रंगेगा गोविंददेवजी मंदिर

## 19 सितम्बर को राधा रानी का होगा पंचामृत महाभिषेक

**जयपुर।** मंदिर श्री गोविंद देव जी महाराज में श्री राधाष्टमी महोत्सव इस बार 19 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 14 से 18 सितंबर तक मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इन दिनों सुबह और शाम प्रसिद्ध भजन मंडलियों की ओर से हरिनाम संकीर्तन और भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 18 सितंबर को प्रात: से सायंकाल तक अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन होगा।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार 14 सितंबर को सायंकाल श्री गौरांग महाप्रभु संकीर्तन मंडल की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 15 सितंबर को प्रात: बरसाना वाले सौरभ शर्मा तथा सायंकाल श्री राधा गोविन्द सखी परिवार की ओर से गायन प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं 16 सितंबर को प्रात: श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति की ओर से तथा सायंकाल एसएमएस ब्लड बैंक परिवार की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 17 सितंबर को प्रात: श्री सरस प्रभात मंडल और सायंकाल श्री श्याम अनमोल सेवा रत्न परिवार ट्रस्ट की ओर से संकीर्तन किया जाएगा। 18 सितंबर को पूरे दिन अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन होगा। इन दिनों राजभोग की झांकी प्रात: 10.45 से 11.15 बजे तक रहेगी। राधाष्टमी के मुख्य पर्व 19 सितंबर को ठाकुर जी एवं श्री राधा रानी का पंचामृत से महाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद बधाई उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान मंदिर में विशेष झांकियों के दर्शन होंगे।मंगला झांकी प्रात: 4 से 4.15 बजे, अभिषेक 4.45 से 5 बजे, धूप झांकी 7.45 से 9 बजे तथा श्रृंगार एवं बधाई उत्सव की झांकी 9.30 से 10.15 बजे तक होगी। राजभोग झांकी 11 से 11.30 बजे तक रहेगी।

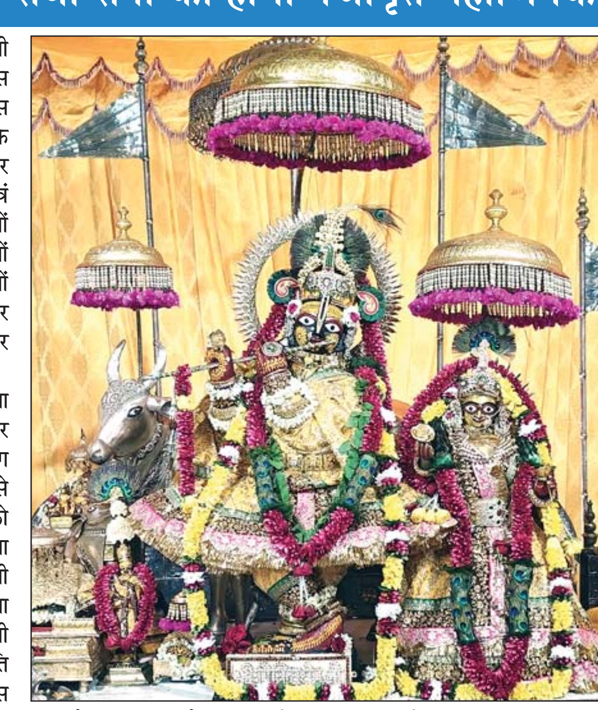

सायंकाल ग्वाल झांकी 5 से 5.15 बजे, संध्या झांकी 5.45 से 6.45 बजे और उत्सव दर्शन रात्रि 7 से 8.30 बजे तक होंगे। शयन झांकी रात्रि 9 से 9.15 बजे तक रहेगी।

## लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण : मदन राठौड़

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश में प्रथम चरण के मतदान पर सभी मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। मदन राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

मतदान हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। इसलिए सभी मतदाता अपने घरों से निकलें और बिना किसी दबाव या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

# चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है तो चौकीदार और रसोइये का काम क्यों?

**जयपुर ।** राजस्थान हाईकोर्ट ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती- 2024 के जरिए सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग में नियुक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को चौकीदार व रसोइया का काम देने पर प्रशासनिक सुधार विभाग के एसीएस, उप सचिव और सामाजिक न्याय विभाग के निदेशक से जवाब मांगा है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश नरेन्द्र सैनी व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

■ हाईकोर्ट ने प्रशासनिक सुधार विभाग के एसीएस, उप सचिव और सामाजिक न्याय विभाग के निदेशक से जवाब मांगा

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि याचिकाकर्ता भर्ती की चयन व लिखित परीक्षा में सफल रहे, उन्होंने अच्छी मेरिट प्राप्त की। ऐसे में उन्हें सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी गई। याचिका में कहा गया कि चतुर्थ श्रेणी के पद का काम कराने के बजाए हॉस्टल में रसोइया व चौकीदार का काम करवाया जा रहा है। जबकि उनसे कम मेरिट वाले अन्य अभ्यर्थियों को उनके इच्छित गृह जिले आवंटित कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है। अन्य अभ्यर्थियों से बेहतर मेरिट होने के बावजूद उन्हें कम पसंद का अनुचित पद दूरस्थ जगह पर आवंटित किया है। नियुक्ति के पदस्थापन में उनके साथ भेदभाव हुआ है। राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार विभाग के परिपत्र के अनुसार मेरिट-कम-प्रेफरेंस के आधार पर पोस्टिंग व आवंटन का प्रावधान है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से रसोइया का काम नहीं करवाया जा सकता, क्योंकि दोनों की वेतन श्रृंखला में अंतर है। वहीं समान भर्ती में अन्य विभाग में नियुक्त कर्मचारियों से चतुर्थ श्रेणी का ही काम करवाया जा रहा है, लेकिन उन्हें मेरिट के अनुसार न नियुक्ति दी और न ही जिला आवंटित किया, जो गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

## अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार

**जयपुर।** नगर निगम चुनाव-2026 के मद्देनजर अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जयपुर उत्तर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 144 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की। शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही होंडा एक्टिवा स्कूटी भी पुलिस ने जब्त कर ली। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नगर निगम चुनाव के दौरान अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष टीम गठित की गई। जहां पुलिस टीम ने मंदिर मोड़ सर्किल के आगे सब्जी मंडी कट के पास अचानक नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक होंडा एक्टिवा सवार युवक को रोककर उसकी स्कूटी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान स्कूटी के आगे पैर रखने की खाली जगह में खाकी रंग के तीन कार्टन रखे मिले।

## रीको करेगा 376 करोड़ रुपए के भूखण्ड आवंटित

**जयपुर।** रीको द्वारा हाल ही में आयोजित भूखण्डों की ई-नीलामी में उद्यिमयों के रूझान को देखते हुए यह स्पष्ट है कि निवेशक राजस्थान में अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित करना चाहते हैं। राज्य की निवेश संवद्धर्न नीतियों के प्रति उद्यिमयों का विश्वास निरंतर बढ़ रहा है। नीलामी में 102 भूखण्डों के लिए 200 से अधिक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। जिन भूखण्डों के लिये सफलतापूर्वक बिडिंग संपन्न हुई उनका क्षेत्रफल करीब 62 एकड़ तथा कुल मूल्य लगभग 376 करोड़ रुपये है।नीलामी में औद्योगिक भूखण्डों के साथ-साथ कियोस्क, होटल, वे-ब्रिज, स्कूल, दुकान, पेट्रोल पंप तथा कमर्शियल शोरूम जैसी विभिन्न श्रेणियों के भूखण्ड भी उद्यिमयों के लिए उपलब्ध कराए गए। नीलामी में अजमेर, अलवर, भिवाड़ी, घीलोठ, जयपुर, नागौर, पाली, कोटा और सवाई माधोपुर सहित प्रदेश के अनेक जिलों के औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया गया।इनमें आबूरोड के ग्रोथ सेंटर द्वितीय चरण एवं सरणेश्वर, भीलवाड़ा के ग्रोथ सेंटर हमीरगढ़, भिवाड़ी के औद्योगिक क्षेत्र कहारनी, औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ, जयपुर के औद्योगिक क्षेत्र बगरू-छितरौली, कोटा के औद्योगिक क्षेत्र इंद्रप्रस्थन तथा पाली के औद्योगिक क्षेत्र नया गांव के लिए उद्यिमयों का विशेष रुझान देखने को मिला। इन भूखण्डों पर स्थापित होने वाली औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयां प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के व्यापक अवसर सृजित करेंगी। इससे राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

# गणपति के जयकारों से गूंज उठी छोटी काशी

## पुष्य नक्षत्र पर गणेशजी का पंचामृत अभिषेक, मोदकों की झांकी सजी

**जयपुर (कासं)।** छोटी काशी जयपुर में मंगलवार को भौम पुष्य नक्षत्र के अवसर पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश के प्राचीन मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए। मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दाहिनी सूंड वाले नहर के गणेश जी मंदिर, चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर सहित शहर के विभिन्न गणेश मंदिरों में भगवान गणपति का अभिषेक, पूजन और विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिरों में मोदकों का भोग लगाया गया और श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि तथा विघ्नों के निवारण की कामना की।

### मोती डूंगरी में 251 किलो दूध से अभिषेक

महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणपति का पंचामृत से विशेष अभिषेक किया गया। इसमें 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो घी के साथ गुलाब जल, केवड़ा जल और इत्र का उपयोग किया गया। अभिषेक के बाद भगवान को चोला चढ़ाकर नवीन पोशाक और नया मुकुट धारण कराया गया। इसके बाद 1008 मोदकों का भोग लगाया गया।

मंदिर में विशेष पूजन के बाद नई ध्वजा भी चढ़ाई गई। महंत कैलाश शर्मा के अनुसार मंदिर परिवार की ओर से मुख्य ध्वजा चढ़ाने की परंपरा है, जबकि 11 अन्य ध्वजाएं श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाती हैं।

मुख्य ध्वजा करीब 27 दिन में बदली जाती है, जबकि श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाने वाली अन्य ध्वजाएं समय-समय पर बदली जाती हैं। शाम से मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ। भगवान गणेश को ध्रुपद गायन प्रिय माना जाता है, इसी मान्यता के तहत ध्रुपद गायन की प्रस्तुति दी गई। भगवान को छप्पन भोग भी अर्पित किया गया।

ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए।

### नहर के गणेशजी मंदिर में 101 अथर्वशीर्ष पाठ

ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए। महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में सुबह 8 बजे से श्री गणपति अथर्वशीर्ष के 101 पाठ किए गए। इसके बाद भगवान गणपति का दूर्वा मार्जन से अभिषेक और पूजन किया गया तथा ऋग्वेदोक्त गणपति मात्रिका के पाठ हुए। भगवान को नवीन पोशाक धारण कराकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 21 मोदकों का भोग लगाया गया और शयन करवाया गया। शाम को 251 दीपकों से गणपति जी की महाआरती की गई। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि दायक एवं विघ्ननिवारक रक्षा सूत्र और पुष्प आशीष प्रदान किए गए। पं. जय शर्मा ने बताया कि मंगलवार को पड़ने वाला पुष्य नक्षत्र भौम-पुष्य कहलाता है। शास्त्रों में इसे तंत्र-मंत्र की सिद्धि, ऋण मुक्ति और संपत्ति संबंधी कार्यों के लिए विशेष एवं दुर्लभ संयोग माना गया है। गणेश चतुर्थी से पहले भाद्रपद कृष्ण पक्ष में इस संयोग का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

### 13 से 15 सितंबर तक गणेश जन्मोत्सव

नहर के गणेशजी मंदिर में 13 से 15 सितंबर तक त्रिदिवसीय श्री गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। गणपति को गोटा-पत्रियों से शृंगारित कर राजशाही पोशाक, स्वर्ण मंडित मुकुट और आभूषण धारण करवाए जाएंगे। 13 सितंबर को सिंजारा महोत्सव के तहत शाम 5 बजे विशेष लहरिया पोशाक और साफा धारण कर आरती दर्शन होंगे। असंख्य मोदकों की झांकी सजाई जाएगी और मेहंदी पूजन होगा। श्रद्धालुओं को सिंदूर और मेहंदी वितरित की जाएगी। 14 सितंबर को भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के अवसर पर गणेश जन्मोत्सव के विशेष धार्मिक कार्यक्रम होंगे।

■ गणेश चतुर्थी तक मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

### चांदपोल मंदिर में 21 हजार लड्डुओं की झांकी

चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में भी गणेश जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। महंत अमित शर्मा के सानिध्य में मंदिर को विशेष लाइटिंग, फूलों की बंदरवाल और आकर्षक सजावट से सजाया गया है। पुष्य नक्षत्र से गणेश चतुर्थी तक धार्मिक अनुष्ठान और भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंदिर महंत अमित शर्मा ने बताया कि मंगलवार को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर भगवान गणेश का विशेष पूजन और पंचामृत अभिषेक कर महोत्सव की शुरुआत की गई। इस दौरान हवन, 108 गणपति अथर्वशीर्ष के पाठ और शाम को दीपदान हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।

12 सितंबर को मंदिर में 21 हजार लड्डुओं की भव्य झांकी सजाई जाएगी। इसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। 13 सितंबर को 111 किलो मेहंदी वितरण और सिंजारा उत्सव होगा। महंत परिवार की ओर से प्रथम पूज्य गणेश को मेहंदी अर्पित की जाएगी। इसके बाद महिला मंडल की ओर से बधाई गान होगा और श्रद्धालुओं को मेहंदी वितरित की जाएगी। 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश को छप्पन भोग अर्पित कर भव्य झांकी सजाई जाएगी। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन भी होंगे।

# इंटरनेट कंपनियों के उपकरण चुराने वाली गैंग के चार बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर।** मुहाना थाना पुलिस ने एयरटेल सहित अन्य इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के तकनीकी उपकरण चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इनमें दो चोरी करने वाले, एयरटेल कंपनी का कर्मचारी और चोरी का माल खरीदने वाला व्यापारी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब पांच लाख रुपए कीमत की दो स्प्लाइसिंग मशीनें बरामद की हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि इंटरनेट कंपनियों के कर्मचारी जब साइट पर फाइबर मरम्मत का काम करते थे, उसी दौरान बाइक सवार बदमाश मौका देखकर उपकरणों से भरा बैग चोरी कर ले जाते थे। 29 मई 2026 को एयरटेल में फाइबर रिपेयरिंग का काम करने वाले महिपाल वर्मा निवासी मालपुरा ने मुहाना थाने में शिकायत दी थी कि काम के दौरान बाइक सवार दो युवक उनका उपकरणों से भरा बैग चोरी कर ले गए। मानसरोवर क्षेत्र में भी इस तरह की वारदातें सामने आ चुकी थीं।

पूछताछ में सामने आया कि एयरटेल कर्मचारी आकाश बदमाशों को कंपनी के कर्मचारियों की साइट लोकेशन भेजता था। लोकेशन मिलते ही बदमाश मौके पर पहुंचकर उपकरणों से भरा बैग पार कर देते थे।

थानाधिकारी मुकेश कुमार खारड़िया ने बताया कि राजेश राणा उर्फ कालू (26) निवासी विद्याधर नगर, हाल भट्टा बस्ती, रामअवतार गुर्जर उर्फ दल्ला (28) निवासी चौमूं, हाल भट्टा बस्ती, आकाश (28) निवासी झांसी, उत्तर प्रदेश, हाल भट्टा बस्ती और अजय शर्मा उर्फ राजू (48) निवासी विद्याधर नगर को गिरफ्तार किया है। आकाश एयरटेल कंपनी में कार्यरत था और साइट की लोकेशन देता था, जबकि अजय शर्मा चोरी के उपकरण खरीदता था।

पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी का सामान खरीदने वालों की तलाश कर रही है।

मैं अपने पूरे करियर के दौरान समर्थन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आभारी हूं। भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला को लेकर हम सभी खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं और मैं उस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।
– मार्क चैपमैन

'न्यूजीलैंड खिलाड़ी, न्यूजीलैंड के साथ अनुबंध को लेकर।

# खेल जगत

## आज का खिलाड़ी ▶ रणधीर जायसवाल

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सीमा पार खेल आयोजनों में भारत की भागीदारी का फैसला देश के खेल हितों और संबंधित अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के नियमों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। सरकार ने खेल संबंधों को लेकर एक स्पष्ट नीति तय की है। इसके तहत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखलाओं पर रोक रहेगी, जबकि बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की भागीदारी की अनुमति होगी। पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले 2027 दक्षिण एशियाई महासंघ खेलों में भारत की भागीदारी को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

**क्या आप जानते हैं ?...** प्रथम एशियाई खेल (1951, नई दिल्ली) में भारत की रैंक दूसरी थी।

# जूनियर एशिया कप : भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंचा

मोकी, चीन, 8 सितंबर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत पूल-ए में सात अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है।

मौजूदा चैंपियन भारत ने तीन मुकाबलों में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ सात अंक हासिल किए हैं। दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआती तीन क्वार्टर में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के आखिरी दौर में बढ़त हासिल करने के बाद अंतिम क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया।

भारत के कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दोह्योन चोई के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में लोवेनूर सिंह ने 18वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे किया, लेकिन ह्योगुक यू ने अगले ही मिनट पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को 2-2 की बराबरी दिला दी। भारत ने हालांकि हाफ टाइम से पहले बढ़त हासिल कर ली। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल कर भारत को 3-2 से आगे कर दिया।

दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में भी दबाव बनाए रखा और ह्योगुक यू ने 36वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद भारत ने 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह के गोल से फिर बढ़त हासिल की और तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 4-3 कर दिया। अंतिम क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए, लेकिन भारत ने 55वें से 58वें मिनट के बीच तीन गोल कर मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में गोल कर बढ़त 5-3 की।

इसके एक मिनट बाद अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 6-3 से आगे कर दिया। आर्यन एक्सेस ने 58वें मिनट में सातवां गोल दागकर भारत की 7-3 से जीत सुनिश्चित कर दी। इस हार के बाद दक्षिण कोरिया के छह अंक हैं। पूल-ए में उसका आखिरी मुकाबला जापान से होगा। जापान चार अंकों के साथ सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है और मंगलवार को इंडोनेशिया से भिड़ेगा। भारत बुधवार को अपने आखिरी पूल मुकाबले में चीनी ताइपे का सामना करेगा। भारतीय टीम की नजर अब जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने पर होगी।

## नीली जर्सी में उतरेंगी भारतीय हॉकी टीमें : दिलीप टिर्की

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आयेंगी। हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने से कहा ,'' भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे जिसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है।'' टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा ,''मैने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापिस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेगी।'' हाल ही में नीदरलैंड और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था। विवाद और बढ गया था।

## जूनियर महिला एशिया कप
# भारत ने जापान को 7-0 से रौंदा, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मोकी (चीन), 8 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान को 7-0 से करारी शिकस्त दी। मोकी में मंगलवार को खेले गए एलीट पूल के मुकाबले में मिली लगातार तीसरी जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही जापान पर दबाव बनाए रखा। टीम को पांचवें मिनट में सफलता मिली, जब कृष्णा शर्मा ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद नौवें मिनट में जापानी डिफेंडर के सर्कल के अंदर फाउल करने पर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे सुप्रिया ने गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया।

भारत ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। 14वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने फील्ड गोल दागकर भारत को 3-0 से आगे कर दिया। दूसरे क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और अपने आक्रमण को तेज किया, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उसके सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया। दोनों टीमें इस दौरान कोई और गोल नहीं कर सकीं और मध्यांतर तक भारत 3-0 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर में जापान ने एक गोल की तलाश में फिर आक्रामक शुरुआत की लेकिन भारतीय डिफेंस के सामने उसकी एक नहीं चली। इसके बाद भारत ने अगले पांच मिनट में तीन गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। गीता यादव ने 41वें मिनट में फील्ड गोल कर स्कोर 4-0 किया और फिर 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर भारत की बढ़त 5-0 कर दी।

इसके एक मिनट बाद ही पूर्णिमा यादव ने 46वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर भारत को 6-0 की बढ़त दिला दी। तीसरा क्वार्टर समाप्त होने तक भारत पूरी तरह मजबूत स्थिति में था। अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने आक्रामक रुख बनाए रखा। 50वें मिनट में सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर भारत की बढ़त 7-0 कर दी। इसके बाद भारतीय टीम ने जापान को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबला 7-0 से अपने नाम कर लिया। भारत ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोरिया को 4-1 और मलेशिया को 11-1 से हराया था। तीन मैचों में नौ अंकों के साथ भारत एलीट पूल में शीर्ष पर है। अब भारत 9 सितंबर को अपने अंतिम पूल मुकाबले में मेजबान चीन का सामना करेगा। चीन के दो मैचों में छह अंक हैं और भारत-चीन मुकाबला पूल में शीर्ष स्थान का फैसला करेगा।

## यूएस ओपन : लुसियानो डार्डेरी को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर। विश्व के नंबर दो बैडमिंटन खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन-2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लुसियानो डार्डेरी को सीधे सेटों में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट ज्वेरेव ने कहा कि शुरुआती मुकाबलों के बाद उनका आत्मविश्वास और खेल की लय लगातार बेहतर हुई है।

ज्वेरेव ने जिओस्टार से साझा किए गए साक्षात्कार में कहा कि क्वार्टर फाइनल में पहुंचना उनके लिए एक और सकारात्मक कदम है। उन्होंने माना कि अमेरिकी हार्ड कोर्ट पर टूर्नामेंट से पहले वह अपने खेल और आत्मविश्वास को लेकर पूरी तरह सहज नहीं थे। जर्मन खिलाड़ी के अनुसार, शुरुआती दौर की जीत ने उन्हें लय हासिल करने में मदद की। उन्होंने कहा कि पहले दौर की जीत उनके लिए विशेष रूप से जरूरी थी, जबकि दूसरे दौर में उन्होंने मुकाबले को अपने लिए थोड़ा मुश्किल बना लिया था। इसके बावजूद उन्हें महसूस हुआ कि वह धीरे-धीरे टूर्नामेंट में अपनी जगह बना रहे हैं। ज्वेरेव ने कहा कि वह मौजूदा प्रदर्शन से खुश हैं और टूर्नामेंट में अब भी बने रहने को लेकर उत्साहित हैं। क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव का सामना बोटिक वान डे जैंडशुल्प से होगा।

# एशियाई खेलों में तय आवास में ही रहेंगे भारतीय क्रिकेटर, बीसीसीआई ने दी मंजूरी : राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को हालांकि विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं। भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, '' आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है।'' उन्होंने कहा, ''क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है। खिलाड़ी वहीं ठहरेंगे क्योंकि दूसरा विकल्प उन्हें ओसाका या तोक्यो में ठहराने का था, जो काफी दूर है।'' भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, ''कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।'' शुक्ला ने स्पष्ट किया कि भारतीय क्रिकेटर दो खिलाड़ियों के साझा कमरों में नहीं, बल्कि अलग-अलग कमरों में ठहरेंगे। भारतीय टीम 20 सितंबर को तोक्यो के लिए रवाना होगी और 22 सितंबर को जापान के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 मुकाबला खेलेगी। भारत एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत 28 सितंबर को करेगा। उन्होंने कहा, ''समस्या यह थी कि नागोया में ज्यादा होटल नहीं हैं। तोक्यो बुलेट ट्रेन से करीब डेढ़ घंटे की दूरी पर है और ओसाका भी इतनी ही दूर है। एशियाई खेलों में सभी प्रतिभागी एक परिवार की तरह होते हैं।

## 61वीं कैवेलरी अल्टीमेट ने टीम तोपची को 8-1 से हरा ट्रॉफी जीती

जयपुर, 8 सितम्बर। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप का ग्रैंड फिनाले शानदार रहा, क्योंकि टीम 61 कैवेलरी – अल्टीमेट ने टीम टोपची पर 8-1 की शानदार जीत के साथ अपनी बादशाहत साबित की। सविर और कैप्टन प्रिंसपाल के बीच ज़बरदस्त पार्टनरशिप के बावजूद, टोपची सिर्फ़ एक गोल कर पाई, जबकि कैवेलरी के लगातार अटैक ने सबका ध्यान खींचा। मेजर एआरएस वारैच दिन के स्टार रहे, उन्होंने पांच ज़बरदस्त गोल करके दर्शकों को रोमांचित कर दिया, जिससे उनकी टीम की जीत पक्की हो गई, जबकि मेजर राघव, मेजर अनंत और कर्नल कहलों ने एक-एक गोल करके स्कोर में बढ़ोतरी की। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप का ग्रैंड फिनाले शानदार रहा। टीम 61वीं कैवेलरी – अल्टीमेट ने टीम तोपची को 8-1 से हराकर अपनी धाक जमाई। सवीर और कैप्टन प्रिंसपाल की ज़बरदस्त साझेदारी के बावजूद, तोपची टीम सिर्फ़ एक गोल ही कर पाई, जबकि कैवेलरी के लगातार हमलों ने सबका दिल जीत लिया। मेजर एआरएस वारिच इस दिन के स्टार रहे; उन्होंने पाँच शानदार गोल करके अपनी टीम की जीत पक्की की, वहीं मेजर राघव, मेजर अनंत और कर्नल काहलों ने भी एक-एक गोल किया। सटीक खेल, टीमवर्क और पूरे दबदबे के साथ टीम 61वीं कैवेलरी – अल्टीमेट ने ट्रॉफ़ी जीती और टूर्नामेंट की विजेता बनी। इसके साथ ही मॉनसून सीज़न पोलो का सफ़र हमारे अगले टूर्नामेंट गोल्डन पीकॉक ट्रॉफ़ी के लिए जारी रहेगा।

## 45वीं नॉर्थ जोन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप 2026 - स्कीट इवेंट में राजस्थान के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

जयपुर, 8 सितम्बर। 45वीं नॉर्थ जोन शॉटगन शूटिंग चैंपियनशिप 2026 का आयोजन ऑफिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर में किया जा रहा है। चैंपियनशिप के अंतर्गत शॉटगन स्कीट इवेंट के प्रथम एवं द्वितीय राउंड सफलतापूर्वक संपन्न हुए। द्वितीय राउंड के समापन के पश्चात पदक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में राजस्थान राइफल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गिरधर प्रताप सिंह, एनआरएआई जज एवं ज्यूरी अमरजंग सिंह सिद्धू, पी.एस. सोढ़ी तथा एनआरएआई की अन्य ऑफिशियल टीम की विशेष भूमिका रही। अमरजंग सिंह सिद्धू एवं गिरधर प्रताप सिंह द्वारा खिलाड़ियों को पदक वितरित कर हौसला अफजाई की गई एवं खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

# दलीप ट्रॉफी फाइनल : तिलक का जुझारू अर्धशतक, ईस्ट जोन खिताब के करीब

चेन्नई, 8 सितंबर। ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में अपना दबदबा कायम रखते हुए साउथ जोन के खिलाफ शिकंजा और कस दिया है। पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद ईस्ट जोन ने तीसरे दिन मंगलवार को स्टंप्स तक साउथ जोन के छह विकेट झटक लिए। साउथ जोन ने दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 242 रन बना लिए थे और वह अभी भी 466 रन पीछे है। तिलक वर्मा 56 रन बनाकर नाबाद हैं और उन्होंने जुझारू अर्धशतक के साथ अपनी टीम की उम्मीदें बनाए रखी हैं।

तीसरे दिन साउथ जोन ने सकारात्मक शुरुआत की। एन. जगदीशन ने मुकेश कुमार के पहले ही ओवर में दो चौके लगाए, लेकिन रिकी भुई एक खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा बैठे। मुकेश की गेंद पिच पर पड़ने के बाद अंदर आई और लेग स्टंप से बाहर जा रही थी।

देवदत्त पडिक्कल ने तेजी से रन बनाते हुए मिडविकेट के रास्ते चौका लगाया। पडिक्कल और जगदीशन ने दूसरे विकेट के लिए 50 से अधिक रन जोड़े। हालांकि, जगदीशन के एक ढीले शॉट ने उनकी पारी का अंत कर दिया। पडिक्कल ने अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि रशीद ने शिखर मोहन और मोहम्मद शमी के खिलाफ चौके लगाए। लंच के बाद शमी ने वापसी करते हुए रशीद को अंदर आती गेंद पर पगबाधा आउट कर दिया। इसके बाद तिलक वर्मा और स्मरण रविचंद्रन ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने 100 से अधिक गेंदों तक क्रीज पर टिककर ईस्ट जोन के गेंदबाजों को परेशान किया। हालांकि चाय से पहले शमी को दोबारा गेंदबाजी के लिए बुलाया गया और यह फैसला कारगर साबित हुआ। रविचंद्रन ने ड्राइव खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद से संपर्क नहीं हुआ। विकेटकीपर को किनारा लगने का भरोसा था और उन्होंने कार्यवाहक कप्तान वैभव सूर्यवंशी को समीक्षा लेने के लिए मना लिया।

अल्ट्राएज में हल्का किनारा दिखा और रविचंद्रन को पवेलियन लौटना पड़ा। अंतिम सत्र में तिलक वर्मा ने शानदार जुझारूपन दिखाया और उन्हें श्रेयस गोपाल का अच्छा साथ मिला। दोनों बल्लेबाजों ने समय बिताने के साथ स्पिन के खिलाफ क्षेत्ररक्षण फैला होने का फायदा उठाते हुए स्ट्राइक भी बदली। इसी दौरान तिलक ने अंशकालिक गेंदबाज ईशान किशन के खिलाफ चौका लगाकर 123 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। ईस्ट जोन दूसरे नई गेंद के लिए इंतजार कर रहा था ताकि इस साझेदारी को तोड़ा जा सके। हालांकि, स्टंप्स से ठीक पहले गोपाल ने एक आसान सीधी गेंद को सीधे गेंदबाज के हाथों में खेल दिया और उनका विकेट गिर गया।

## आईसीसी महिला रैंकिंग : हंटर करियर की सर्वश्रेष्ठ 11वीं रैंक पर पहुंची, मंधाना और दीप्ति को भी फायदा

दुबई, 8 सितंबर। आयरलैंड की विकेटकीपर बल्लेबाज एमी हंटर इंग्लैंड के खिलाफ शानदार वनडे शृंखला के बाद आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 11वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में महत्वपूर्ण सुधार किया है। वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड की मैडी ग्रीन और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज एक-एक स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर-ब्रंट पिंडली की चोट से उबरने के कारण श्रृंखला से बाहर थीं, जिसके चलते वह दो स्थान नीचे खिसक गई हैं। इंग्लैंड की मायआ बूशियर 13 स्थान की छलांग लगाकर 42वें और सोफिया डंकली 26 स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। डंकली ने तीसरे वनडे में 119 रन बनाकर अपना दूसरा वनडे शतक लगाया। वहीं, फ्रेया केम्प 37 स्थान की बड़ी छलांग के साथ 76वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

**टी20 रैंकिंग में मंधाना और दीप्ति को फायदा –** महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन का असर नवीनतम आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी देखने को मिला है। शीर्ष 15 बल्लेबाजों की सूची में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शीर्ष पांच में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मंधाना ने हांगकांग, चीन के खिलाफ 64 गेंदों पर 124 रन की शानदार पारी खेली थी। वह चौथे स्थान पर मौजूद हेली मैथ्यूज से अब सिर्फ 12 रेटिंग अंक पीछे हैं। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 137 रन से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। मंधाना इस पारी के दौरान महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज भी बन गईं।

## कोटा व राजसमंद जीती

जयपुर 8 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- राजवर्धन सिंह का शतक, प्रियांशु, निलय, दक्ष, मोनार्क के अर्धशतक लक्ष्य राज सिंह के पांच विकेट व विवेक बागड़ी, शौर्य प्रताप व आदित्य शर्मा की शानदार गेंदबाजी। **कोटा - बीकानेर मैच ( कोटा जीती ) -** कोटा पारी 194 /9, टीम के लिए प्रियांशु सिंह 67, निलय अरोरा 55 रन, बीकानेर के गेंदबाज आदित्य, संकल्प, मयंक, देवराज 2 -2 विकेट, बीकानेर पारी 169 /9, टीम के लिए दक्ष सेठिया 56, शौर्य 27 व उत्कर्ष नाबाद 20 रन, कोटा के गेंदबाज विवेक बागड़ी 28 /4, शौर्य प्रताप 30 /3 व निलय 2 विकेट, **राजसमंद - बूंदी मैच ( राजसमंद जीती )**, राजसमंद पारी 254 आल आउट, टीम के लिए राजवर्धन सिंह 131, मोनार्क50 रन, बूंदी के गेंदबाज आदित्य शर्मा 48 /3, जतिन सैनी 49 /2 विकेट, बूंदी पारी 112 आल आउट, टीम के लिए अक्षत 28 रन, राजसमंद के गेंदबाज लक्ष्य राज सिंह 19 /5 विकेट।

## अफगानिस्तान की मेजबानी में जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला 17 अक्टूबर से

दुबई, 8 सितंबर। अफगानिस्तान की मेजबानी में जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला 17 अक्टूबर से शुरू होगी। तीनों टीमों के बीच मुकाबले 17 से 23 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। इसके बाद अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी। त्रिकोणीय श्रृंखला का पहला मुकाबला 17 अक्टूबर को जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। इसके बाद 19 अक्टूबर को जिम्बाब्वे का सामना मेजबान अफगानिस्तान से होगा। अफगानिस्तान और बांग्लादेश 21 अक्टूबर को आमने-सामने होंगे, जबकि फाइनल 23 अक्टूबर को खेला जाएगा। त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले 27 और 29 अक्टूबर तथा 1 नवंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैच होंगे। पहला टेस्ट 5 नवंबर से और दूसरा 13 नवंबर से शुरू होगा। जिम्बाब्वे के संयुक्त अरब अमीरात पहुंचने से पहले अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच एकमात्र टेस्ट मैच भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 9 से 13 अक्टूबर तक होगा।

## भारत के तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक पैरा खिलाड़ी सम्मानित

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सराहनीय प्रदर्शन के पीछे छिपी इन कहानियों को सम्मान देने के उद्देश्य से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के साथ मिलकर भारत के उन पैरा खिलाड़ियों को सम्मानित किया, जिन्होंने देश के लिए सात पदक जीते। इनमें तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित झिंगरन और भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने जिन पदक विजेताओं को सम्मानित किया, उनमें शर्मिला ढांकर (स्वर्ण, महिला गोला फेंक एफ57), दिलीप महादू गावित (स्वर्ण, पुरुष 100 मीटर टी47), सोमन राणा (स्वर्ण, पुरुष गोला फेंक एफ57), मोहम्मद बेसिल मोर्सिंगनकथ (रजत, पुरुष 100 मीटर टी47), शुभम जुयाल (रजत, पुरुष गोला फेंक एफ57), शिल्पा शायला (कांस्य, महिला गोला फेंक एफ57) और झंडू कुमार (कांस्य, पुरुष हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग) शामिल हैं। हर थ्रो, दौड़ और भारोत्तोलन के पीछे एक ऐसा सपना होता है, जिसकी शुरुआत बहुत पहले हो चुकी होती है। हर पैरा खिलाड़ी के पीछे कुछ ऐसे लोग होते हैं, जिन्होंने उस सपने पर विश्वास किया, उसे संजोया और जीत एवं अनिश्चितता के हर दौर में खिलाड़ी का साथ दिया। भारतीय पैरालंपिक समिति के साथ एसबीआई लाइफ का जुड़ाव इन्हीं लोगों से प्रेरित है, जिनमें प्रशिक्षक, परिवार के सदस्य और शुभचिंतक शामिल हैं।

# टीम रामबाग, कानोता, मेफेयर पोलो और टीम वी पोलो ने जीते मैच

जयपुर, 8 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत मंगलवार से सीजन के दूसरे टूर्नामेंट आरपीसी कप-(04 गोल्स) की शुरुआत हुई। टूर्नामेंट के पहले दिन पीपीसी ग्राउंड पर दो मुकाबले आयोजित हुए। पहला मैच टीम रामबाग/कानोता/ मेफेयर पोलो और टीम मेफेयर पोलो एस्टेट के बीच हुआ। वहीं, दूसरा मुकाबला टीम वी पोलो और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच खेला गया। टूर्नामेंट के पहले दिन टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो और टीम मेफेयर पोलो एस्टेट के बीच मुकाबला हुआ। इस टक्कर में टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो मैच की विजेता बनी और टीम मेफेयर पोलो एस्टेट को 4-3 के स्कोर से शिकस्त दी। विजेता टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो से हुर्र अली ने 3 गोल और प्रताप सिंह कानोता ने 1 गोल हासिल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में लोकेंद्र सिंह और दिव्यमान सिंह शामिल रहे। वहीं, टीम मेफेयर पोलो एस्टेट में एलन शॉन माइकल ने 1 गोल और रणशेय पुरोहित ने 2 गोल किए। टीम से जयवीरसिंह गोहिल और तरुण बिलवाल भी खेले। दूसरा मुकाबला टीम वी पोलो और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच खेला गया, जिसमें टीम वी पोलो विजेता रही। टीम वी पोलो ने टीम आरपीसी-सीएवी को 9-5 के स्कोर से हराकर मैच जीत लिया। विजेता टीम वी पोलो की ओर से गोंजालो यांजों ने 4 गोल, विशाल सिंह राग्रैड़ ने 3 गोल और निमित मेहता ने 2 गोल अर्जित किए। टीम से महेंद्र सिंह भी खेले। वहीं, दूसरी ओर टीम आरपीसी-सीएवी से लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान ने 4 गोल और मयूरध्वज सिंह तालाबगांव ने 1 गोल किया। टीम से शुभम गुप्ता और कैप्टन प्रिंस पाल सिंह भी खेले।

### 9 सितंबर के मुकाबले

बुधवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे टीम मेफेयर पोलो एस्टेट और टीम जयपुर के बीच टक्कर होगी। इसी के साथ ही, दूसरा मुकाबला पीपीसी ग्राउंड पर शाम 5 बजे टीम वी पोलो और टीम ऑल स्टार्स के बीच होगा।

# गहलोत सरकार के घोटाले में लिप्त मंत्री-अफसर आज जेल में हैं- भजनलाल

## मुख्यमंत्री ने कोटा और पाली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया

-कार्यालय संवाददाता-

कोटा/पाली, 8 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोटा और पाली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। उन्होंने निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का आव्हान करते हुए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का आव्हान किया।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए जल जीवन मिशन घोटाले, भ्रष्टाचार, पेपर लीक और तुष्टिकरण पर चुनाव सभा में सवाल खड़े किए।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोटा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में भव्य रोड शो किया।*

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटा के कैथूनीपोल चौराहे पर चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए जल जीवन मिशन घोटाले, भ्रष्टाचार, पेपरलीक और प्रदेश में तुष्टिकरण को लेकर पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत जब मुख्यमंत्री थे, तब उनकी सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ में डूबी रही, परंतु गहलोत ने आंखें मूंदे रखीं। कांग्रेस के घोटालों में लिप्त मंत्री और अधिकारी आज जेल में हैं।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोगों की मैथमेटिक्स कमजोर है तो मेरे पास आ जाओ। आपका ट्यूशन भी लगवा दूंगा। अभी तक ढाई साल हुआ है, अभी भी ढाई साल बाकी है। यह आंकड़ा अभी लाखों में पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शाम 4 बजे पाली से कोटा एयरपोर्ट पहुंचे। उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के घर पर उनसे मिलने गए। एयरपोर्ट पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, शहर भाजपा अध्यक्ष राकेश जैन, पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री स्वागत किया।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पाली में सूरजपोल बाजार से सोमनाथ मंदिर, सर्राफा बाजार, फतेहपुरिया बाजार, पानी दरवाजा होते हुए, सिंधी कॉलोनी तक रोड शो निकाला। मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले भाजपा ने सूरजपोल चौराहे से लेकर पूरे बाजार व सिंधी कॉलोनी को भाजपा के झंडों से सजाया। सुबह 10 बजे से 65 वार्डों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ भाजपा के झंडे लहराते सूरजपोल चौराहे पर एकत्रित हुए। दोपहर करीब 1 बजे मुख्यमंत्री का काफिला सूरजपोल पहुंचा, जहां मुख्यमंत्री सीधे रथ पर चढ़े, उनके साथ सांसद पीपी चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख भी थे।

## सत्ताइस साल पहले रिटायर जिला जज को पेंशन परिलाभ देने के आदेश

जयपुर, 8 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 27 साल पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से रिटायर याचिकाकर्ता को दो सप्ताह में पेंशन सहित, अन्य परिलाभ ब्याज सहित अदा करने को कहा है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस चन्द्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मातादीन गर्ग की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यदि किसी दस्तावेज पर याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर जरूरी हैं तो उसकी उम्र को ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री अधिकारी को उनके निवास पर भेजकर हस्ताक्षर कराए जायें। अदालत ने कहा कि यदि तय अवधि में बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है तो याचिकाकर्ता को 12 फीसदी ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा और इस अतिरिक्त राशि की वसूली संबंधित अधिकारी से की जाएगी।

■ राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने दो सप्ताह में ब्याज सहित भुगतान के निर्देश दिए।

याचिका में अधिवक्ता सोगत रॉय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता मार्च, 1999 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से रिटायर हुआ था। रिटायर होने के दो साल तक सरकारी भवन खाली नहीं करने पर संपदा निदेशक से हाईकोर्ट प्रशासन को पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि उसकी ग्रेच्युटी में से 57 हजार 454 रुपए काटकर शेष राशि जारी कर दी जाए। इसके बावजूद शेष बकाया राशि और पेंशन नहीं दी गई। रने को कहा है।

# ब्रिक्स देशों के साथ रुस का 90 प्रतिशत व्यापार डॉलर में नहीं होता

## रुस ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ब्रिक्स देशों की राष्ट्रीय मुद्रा का उपयोग हो रहा है

नई दिल्ली, 08 सितंबर। रूस का कहना है कि ब्रिक्स देशों के साथ उसका 90 प्रतिशत व्यापार राष्ट्रीय मुद्राओं में हो रहा है। इसका प्रमुख कारण अमेरिका की ओर से रूस के लिए डॉलर आधारित वित्तीय प्रणाली तक पहुंच को प्रतिबंधित करना है। रूस अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के तौर पर डॉलर के प्रयोग के विरोध में नहीं है। असल में अमेरिका की नीतियां ही डॉलर को फायदेमंद बनाने से रोक रही हैं। इसी के चलते रूस को अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं का अधिक उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

■ क्रैमलिन प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ बनाया गया समूह नहीं है, बल्कि यह अपने राष्ट्रीय हितों को मिलकर साधने का मंच बनकर उभरा है।

स्पूतनिक इंडिया की ओर से नई दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर में वीडियो कांफ्रेंसिंग से आयोजित पत्रकार वार्ता में क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने उक्त बातें कहीं।

पत्रकार वार्ता आगामी ब्रिक्स शिखर वार्ता और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के संबंध में थी। पेस्कोव ने कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ बनाया गया समूह नहीं है, बल्कि यह अपने राष्ट्रीय हितों को मिलकर साधने का मंच बनकर उभरा है। इसका उद्देश्य पश्चिम के साथ टकराव नहीं है। वहीं, डॉलर से जुड़े प्रश्न के उत्तर में पेस्कोव ने कहा कि अगर वे हमें अपना पैसा (डॉलर) इस्तेमाल नहीं करने देंगे, तो हम अपना पैसा (राष्ट्रीय मुद्रा) इस्तेमाल करेंगे। हम किसी भी प्रकार की डॉलर-विरोधी नीति का समर्थन नहीं करना चाहते। हम बस वही कर रहे हैं, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए सबसे उपयुक्त है।

प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स की विचारधारा में बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा प्रमुखता से शामिल है। हालांकि उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि कुछ शक्तियां एक ध्रुवीय विश्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रही हैं। इसके लिए खतरनाक तरीके भी अपनाए जा रहे हैं। वहीं, वैश्विक बहुमत बहुध्रुवीय विश्व के पक्ष में है और भारत इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है।

## प्रधानमंत्री की मुंबई ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

शामिल हो रहे हैं, इसलिए कार्यक्रम स्थल पर जबरदस्त पुलिस व्यवस्था की गयी है। इसी जगह पर सिक्योरिटी चेक के दौरान दोनों युवक संदिग्धावस्था मिले। सुरक्षा एजेंसियों को उन पर शक हुआ और उन्होंने तुरंत दोनों को हिरासत में ले लिया। उनमें से रोहन पारेख ने खुद को पीएमओ का अफसर बताया और परिचय पत्र दिखाया। लेकिन जांच के दौरान रोहन का परिचय पत्र बोगस पाया गया, जबकि उसके साथ के व्यक्ति के पास पिस्तौल मिला। इसलिये दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

## महेश्वरी स्कूल ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

प्रबंधन का कहना है कि वे अपने स्तर पर भी मामले की जांच कर रहे हैं और दोषी छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

## पहली बार लग रहा ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

समर्थक लोग, खास तौर पर आईआरजीसी, बातचीत की किसी भी संभावना को रोक रहे हैं। कुल मिलाकर, कट्टरपंथी इस बात के खिलाफ हैं कि ऐसा दिखाई दे कि ईरान अमेरिका को कोई रियायत दे रहा है। मुद्दे स्पष्ट हैं। अमेरिका होरमुज के मामले में पहले जैसी स्थिति चाहता है। इसका मतलब है कि यह संकरा जलडमरूमध्य फिर से एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग बने और उस पर ईरान का नियंत्रण न रहे।

अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी रियायत चाहता है और चाहता है कि इसे दोबारा शुरू न किया जाए। और अंत में, ईरान प्रतिबंधों में तत्काल राहत और अरबों डॉलर की फ्रीज़ की गई रकम को जारी करने की मांग कर रहा था। इन मुद्दों में से कई पर अमेरिका जून में हुए समझौते में काफी हद तक सहमत हो गया था, लेकिन ईरान ने हमले करके और जानबूझकर समझौते का उल्लंघन करके उस समझौते को खत्म हो जाने दिया। इसलिए कोई हैरानी नहीं कि डॉनल्ड ट्रंप जून के समझौते को खारिज कर रहे हैं और कह रहे हैं कि अब वह समझौता अस्तित्व में नहीं है। अमेरिका अब धैर्य के साथ इंतजार करने की रणनीति अपना रहा है और देख रहा है कि ईरान इस लगातार बढ़ते दबाव को कितने समय तक झेल सकता है, जो उसकी अर्थव्यवस्था का दम घोंट रहा है और आम लोगों को लगातार बढ़ती और असहनीय होती जा रहीं मुसीबतों में डाल रहा है।

## मुख्यमंत्री आज ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

स्वागत करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए स्थानीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पहले चरण के मतदान के बीच होने वाला मुख्यमंत्री का यह रोड शो भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जयपुर के पुराने शहर में रोड शो के जरिए पार्टी अंतिम दौर में चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने का प्रयास करेगी।

# विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब में नशा मुक्ति अभियान चलायेगी -भाजपा

## राज्य की सभी 117 सीटों से गुजरने वाली यात्रा की शुरुआत नितिन नबीन 18 सितम्बर को करेंगे

नई दिल्ली, 08 सितंबर। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में नशे के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। पार्टी 18 सितंबर से पूरे पंजाब में नशा विरोधी यात्रा निकालेगी। यह यात्रा राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों से होकर गुजरेगी। इस अभियान की शुरुआत भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन करेंगे।

■ दो सप्ताह चलने वाली यात्रा में भाजपा के कई बड़े नेता शामिल होंगे। समापन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह के आने की संभावना बताई जा रही है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के जरिए भाजपा नशे के खिलाफ अपनी ज़ीरो टॉलरेंस नीति को जनता के सामने रखेगी।

पार्टी लोगों से वादा करेगी कि अगर उसे इस बार सत्ता मिलती है तो नशे की समस्या को खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। यात्रा के दौरान नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

करीब दो सप्ताह चलने वाली इस यात्रा में भाजपा के कई बड़े नेता शामिल होंगे। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सहित वरिष्ठ नेताओं के यात्रा में शामिल होने की संभावना है। इसके साथ, इन यात्राओं के समापन समारोह में गृहमंत्री अमित शाह के आने की संभावना जताई जा रही है। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का यह अभियान पंजाब में नशे के मुद्दे को चुनावी बहस के केन्द्र में लाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

इस बीच मंगलवार को भाजपा ने गुलजार सिंह का मुद्दा उठाया। गुलजार सिंह ने पंजाब में नशीले पदार्थों की समस्या को लेकर पंजाब सरकार के वित्त मंत्री के समक्ष सवाल उठाया था। गुलजार सिंह ने मृत्यु से पूर्व सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में मंत्री के डर के कारण जहर खाने का दावा किया था तथा गांव की पंचायत के कुछ लोगों के खिलाफ भी गंभीर आरोप लगाए थे।

## गहलोत, आशा लगाए ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

जिम्मेदारी संभालने के साथ राजस्थान में भी राजनीतिक समीकरण बदलेंगे।

रंधावा पंजाब से सांसद हैं। वे जाट सिख हैं और राजस्थान कांग्रेस के जाट पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा से उनके मजबूत संबंध हैं।

हाल ही में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जमकर तारीफ की थी।

गहलोत ने पायलट को दबाए रखने और यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि वे राजस्थान के सत्ता ढांचे से बाहर रहें।

लेकिन अब, जब सचिन पायलट को एक महत्वपूर्ण चुनावी राज्य की बड़ी जिम्मेदारी मिली है, तो गहलोत इस बात से बेहद नाराज़ लग रहे हैं कि उन्हें दरकिनार कर दिया गया है।

गहलोत को उम्मीद थी कि के सी वेणुगोपाल, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और अन्य नेता उन्हें फिर से राजनीतिक रूप से स्थापित करने में मदद करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

इसके बजाय, प्रियंका गांधी ने पंजाब में के सी वेणुगोपाल, भूपेश बघेल, रंधावा और अन्य लोगों के बीच बने मजबूत गठजोड़ को सफलतापूर्वक तोड़ दिया है, क्योंकि ये लोग न केवल एक-दूसरे की मदद करते थे, बल्कि उनके कुछ कमर्शियल हित भी जुड़े हुए थे।

पंजाब के नेता बड़े दांव लगाने वाले खिलाड़ी हैं और बड़े पैमाने पर पैसों के खेल में शामिल रहते हैं।

सचिन पायलट के लिए यह एक महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल जिम्मेदारी है, जिसका असर राजस्थान में उनके भविष्य पर भी पड़ेगा।

पंजाब में जीत उनके राजनीतिक करियर के लिए चमत्कारिक साबित हो सकती है!!

## "नाराज़ फूफा जी" तो हमेशा ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

की परियोजना की कल्पना 2004 में की गई थी, लेकिन, 2014 में भाजपा के सत्ता में आने तक, कुछ भी आगे नहीं बढ़ा।

किसी का नाम लिए बिना, प्रधानमंत्री ने फिर उन लोगों पर तंज किया, जो इस परियोजना की उपयोगिता पर सवाल उठा सकते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, एक नाराज फूफा जी चिल्ला रहे होंगे कि "ट्रक ड्राइवर क्या करेंगे?" अब फूफा जी के पास भी काम है।"

उन्होंने कहा कि यह माल ढुलाई गलियारा उन जगहों तक रेल संपर्क पहुंचा रहा है, जहां आजादी के बाद भी रेल संपर्क नहीं था। उन्होंने कहा कि यह परियोजना आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए भारतीय आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर एक और कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2014 के बाद भारत ने 50 हजार आधुनिक रेलवे कोच बनाए, जबकि पिछली सरकार 10 साल में 50 हजार शौचालय भी नहीं बना सकी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब मैन्युफैक्चरिंग के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, "चिप से लेकर शिप (जहाज) तक", जिसमें कलपुर्जों से लेकर तैयार उत्पादों तक का निर्माण देश में ही किया जा रहा है।

"नाराज फूफा जी" प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आलोचकों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले व्यंग्यात्मक नामों की बढ़ती सूची में सबसे नया है। उन्होंने पहली बार पिछले सप्ताह श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में इस शब्द का इस्तेमाल किया था। उस कार्यक्रम में उन्होंने युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए अपने भाषण में जेन ज़ी की भाषा और शब्दों का भी इस्तेमाल किया था।

उस कार्यक्रम में उन्होंने उन लोगों पर निशाना साधते हुए यह उदाहरण दिया था, जिन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की उम्मीद से बेहतर, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि "नकारात्मक सोच वाले लोगों" ने सरकार की पहलों का विरोध करना एक तरह का खेल बना लिया है।

उन्होंने कहा था, "कैंपस के बाहर आपको दो तरह के लोग मिलेंगे: एक वे, जो समाज की शक्ति को राष्ट्र की शक्ति में बदलने के लिए सकारात्मक रूप से काम करते हैं और दूसरे वे, जो किसी भी काम की शुरुआत होते ही "नाराज फूफा" बन जाते हैं।"

इस टिप्पणी से नाराज विपक्षी नेताओं ने इसका विरोध किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे हर साल सरकार की कमियों से ध्यान हटाने के लिए एक नया विशेषण लेकर आते हैं।

## ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

जैसे मुद्दों को शामिल किए जाने की संभावना है। लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बाधाओं को कम करने के लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग जैसी संपर्क परियोजनाओं की भी समीक्षा की जा सकती है, ताकि माल ढुलाई से जुड़ी बाधाओं को कम किया जा सके।

यह बातचीत 31 अगस्त 2026 को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की हालिया मुलाकात पर आधारित है। उस दौरान मोदी और पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की थी। मोदी ने "लगातार चलने वाले युद्धों से युद्ध की समाप्ति की ओर" बढ़ने की जरूरत पर जोर दिया था और शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के समर्थन को दोहराया था। दोनों नेताओं ने ऊर्जा आपूर्ति, एस-400 की डिलीवरी सहित, रक्षा संबंधों और व्यापक सहयोग की भी समीक्षा की थी। मोदी ने पुतिन को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 11 सदस्य देशों वाले विस्तारित समूह के नेता और साझेदार देश शामिल होंगे। इस 11 सदस्यीय समूह में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और यूएई शामिल हैं। पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन और इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद समेत, कई अन्य नेताओं के इसमें शामिल होने की पुष्टि हो चुकी है या उनके आने की उम्मीद है। शी जिनपिंग 2019 के बाद पहली बार भारत आएंगे। भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह शिखर सम्मेलन "लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" विषय पर आधारित है और भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक अवसर प्रदान करता है।

## सत्य निकेतन की बगल ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पास होना और बहुत अधिक आबादी, इसे बड़े भूकंप के लिहाज से खास तौर पर संवेदनशील बनाती है।

सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना ने उन कई कमज़ोरियों को सामने ला दिया है, जो भूकंप को बड़े पैमाने की शहरी आपदा का रूप दे सकती हैं।

अधिकारी अब सार्वजनिक उपयोग वाली इमारतों और पीजी आवासों की संरचनात्मक (स्ट्रक्चरल) जाँच तथा सुरक्षा के नए उपायों पर विचार कर रहे हैं।

दिल्ली की इमारतों की जटिलता एवं बहुत बड़ी संख्या को देखते हुए यह चिंता और भी गंभीर हो जाती है।

"नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी" के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किये गए एक शोध-पत्र में, जो 2026 में एनवायरनमेंटल अर्थ साइंसेज में प्रकाशित हुआ, अनुमान लगाया गया था कि दिल्ली-एनसीटी में करीब 89 लाख इमारतें हो सकती हैं। अध्ययन में पाया गया कि इस इलाके में मुख्य फॉल्ट्स के पास मध्यम तीव्रता के भूकंप की स्थिति में करीब 38 प्रतिशत इमारतें असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं।

रजत पसरीचा, कपिल मोहन और ओ पी मिश्रा द्वारा किए गए इस अध्ययन में 6.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में संभावित नुकसान का विशेष रूप से आकलन किया गया। इसमें आबादी का अधिक घनत्व, पुरानी इमारतें और स्थानीय भूगर्भीय स्थिति की जटिलता को बड़े जोखिम वाले प्रमुख कारण बताया गया है।

इसका मतलब यह नहीं है कि दिल्ली की 38 प्रतिशत इमारतें जरूरी तौर पर गिर जाएंगी।

भूकंप से होने वाला नुकसान इस बात पर निर्भर करता है कि भूकंप कहां आता है, उसकी गहराई और उसकी प्रकृति क्या है, स्थानीय मिट्टी की स्थिति कैसी है और अलग-अलग इमारतों की गुणवत्ता तथा डिज़ाइन कैसी है। लेकिन अध्ययन के निष्कर्ष दिल्ली के जोखिम के स्तर को उजागर करते हैं।

इसलिए दिल्ली के सामने चुनौती अगले भूकंप की भविष्यवाणी करना नहीं है। चुनौती यह है कि भूकंप आने से पहले शहर को उसके लिए तैयार किया जाए।

# मजदूरों से भरी बोलेरो को ट्रक ने टक्कर मारी, 6 की मौत

बालाघाट भोपाल, 08 सितंबर। महाराष्ट्र के गोंदिया ग्रामीण थाना क्षेत्र में गोंदिया-बालाघाट मार्ग पर नागरा गांव के पास सोमवार की दरमियानी रात मजदूरों से भरी बोलेरो को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक तीन साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। इस हादसे में सात मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें गोंदिया के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी मृतक और घायल बालाघाट के रहने वाले हैं।

■ गंभीर रुप से घायल 7 मजदूरों को गोदिया के जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

बालाघाट जिले ये लोग मजदूरी करने के लिए बोलेरो वाहन से हैदराबाद जा रहे थे। इसी दौरान सोमवार की रात करीब 12 से एक बजे के बीच महाराष्ट्र के गोंदिया ग्रामीण थाना क्षेत्र के नागरा में यह हादसा हो गया। मजदूरों से भरी बोलेरो गाड़ी को सामने से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। ट्रक को क्रेन की मदद से हटाया और बोलेरो में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। बोलेरो में चालक के अलावा कुल 13 लोग सवार थे, जिनमें से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची ने बाद में दम तोड़ दिया।

# दिल्ली महापौर कार्यालय को नवीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली

## पूरे कार्यालय परिसर के सघन तलाशी अभियान में कुछ भी अवांछनीय नहीं पाया गया

नई दिल्ली, 08 सितंबर। दिल्ली के महापौर कार्यालय को मंगलवार को एक बार फिर बम विस्फोट कर उड़ाने की धमकी मिली। महापौर कार्यालय ने तत्काल सुरक्षा एजेंसियों और दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद महापौर कार्यालय परिसर और आसपास के इलाकों की सघन तलाशी के लिए अभियान चलाया गया। यह नौवीं बार है, जब महापौर कार्यालय को इस प्रकार की धमकी मिली है।

■ लगातार प्राप्त हो रही धमकियों के बाद महापौर कार्यालय ने पुलिस आयुक्त को औपचारिक पत्र लिखकर प्रभावी कार्यवाही की मांग की है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, पुलिस एवं संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने महापौर कार्यालय परिसर की सघन तलाशी अभियान के दौरान प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र, प्रवेश एवं निकास द्वार तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की गहन जांच की। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया।

महापौर कार्यालय ने स्पष्ट किया कि यह पहली बार नहीं है, जब इस प्रकार की धमकी प्राप्त हुई है। इससे पूर्व भी आठ बार महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं।

लगातार प्राप्त हो रही ऐसी धमकियों को अत्यंत गंभीर विषय मानते हुए, महापौर कार्यालय द्वारा पूर्व में दिल्ली पुलिस आयुक्त को एक औपचारिक पत्र भी प्रेषित किया गया था, जिसमें इन घटनाओं की विस्तृत जांच कर दोषियों की पहचान करने तथा उनके विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया था।

महापौर कार्यालय ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों एवं संवैधानिक पदों से जुड़े कार्यालयों को बार-बार इस प्रकार की धमकियां मिलना चिंता का विषय है। ऐसे मामलों में दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई किया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की शरारतपूर्ण एवं भय उत्पन्न करने वाली घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

## आतंकी कैंप आयोजित करने के आरोपी, सात विदेशी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली, 08 सितंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने और उग्रवाद से संबंधित कैंप आयोजित करने जैसे गंभीर आरोपों में शामिल एक अमेरिकन सहित, सात विदेशी नागरिकों के मामले में मंगलवार को चार्जशीट दाखिल की है।

एनआईए ने आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 यूएपीए की धारा 18 लगाई थी। खास बात है कि चार्जशीट में सभी आरोपियों के खिलाफ यूएपीए की धारा हटाई गई है।

चार्जशीट में केवल इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 की धारा 21 और 23 लिखी है। धाराओं में ये दोनों धाराएं फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस के स्तर पर समझौता योग्य (कंपाउंडेबल) अपराध की श्रेणी में आती हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908